हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com
रायपुर, गुरुवार 27 अगस्त 2026

AARTI GROUP
'ASHOKA' SINCE 1991
36 YEARS

PROPERTY FEST
27th AUGUST ONWARDS

ASHOKA
PALM MEADOWS
APARTMENTS • PLOTS

सिर्फ
20%
दीजिए।



और आज ही चाबी लीजिए।
अगले 18 महीने, कोई PAYMENT नहीं।

#BlueBanyan ATUL

WELCOME TO
THE GREEN SIDE OF RAIPUR

3 BHK · READY TO MOVE · 2,000 Sq.Ft.
CLUB HOUSE, SWIMMING POOL AND 15+ AMENITIES

Near Kamal Vihar, Dunda, Raipur
CALL 91 94 03 03 03

GOOGLE LOCATION

PCGRERA280525001934
PCGRERA280818000726

THE GOLDEN PALM CLUB
ROOMS | BANQUET | RESTAURANT
NOW OPEN

ज्ञानेश्वरी, ईशान दिव्यांशु को शहीद राजीव पांडे अवार्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

खास बातें

- खेल अलंकरण 29 अगस्त को, 82 खिलाड़ियों की सूची की गई जारी
- वर्ष 2023-24, 2024-25 और 2025-26 के खिलाड़ी शामिल

राज्य शासन द्वारा खेल अलंकरणों के लिए चयनित खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और निर्णायकों की सूची जारी कर दी गई है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा विगत तीन वर्षों 2023-24, 2024-25 और 2025-26 के लिए कुल 82 लोगों को पुरस्कार और सम्मान दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ट्रॉफी के लिए 5 दलों के कुल 43 खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों का चयन किया गया है। जिन लोगों का सम्मान किया जाएगा, उनमें ज्ञानेश्वरी यादव, ईशान भटनागर, दिव्यांशु नेताम को शहीद राजीव पांडेय अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। प्रशिक्षक अजय दीप सारंग सहित ओलंपिक, नान ओलंपिक और अन्य खेल विधाओं के खिलाड़ी शामिल हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राष्ट्रीय खेल दिवस पर 29 अगस्त को इन खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और निर्णायकों को राज्य अलंकरण प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य और उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव की अध्यक्षता में राजधानी रायपुर के पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा। राज्य अलंकरण समारोह में शहीद राजीव पाण्डेय पुरस्कार, शहीद कौशल यादव पुरस्कार, वीर हनुमान सिंह पुरस्कार, शहीद पंकज विक्रम सम्मान, शहीद विनोद चौबे सम्मान और मुख्यमंत्री ट्रॉफी के लिए चयनित खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और निर्णायकों को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जाएगा।

शहीद राजीव पाण्डेय पुरस्कार वर्ष 2023-24

मोनिका साहू– फेंसिंग, सुभाष लहरे– वेटलिफ्टिंग, अनूप यदु– नेटबॉल, राजेश राठौर एवं भूपेंद्र कुमार गढ़े– सॉफ्टबॉल, परमानंद– पैरा स्वीमिंग,

शहीद कौशल यादव पुरस्कार वर्ष 2023-24

दिपांशी नेताम– फेंसिंग, महेंद्र धुर्वे– वॉलीबॉल, अमित कुमार– एथलेटिक्स, राकेश कडती– सॉफ्टबॉल

वीर हनुमान सिंह पुरस्कार वर्ष 2023-24 (प्रशिक्षक)

विकास ढींढी– पैरा जूडो,

शहीद पंकज विक्रम सम्मान वर्ष 2023-24

सीता साहू– पैरा व्हीलचेयर फेंसिंग, करन भारती– वुशू, प्रियंका ठाकुर– वुशू, शशांक मसीह– रायफल शूटिंग, राजीव साहू– टेबल-टेनिस, काजल– टेबल-टेनिस, भूमिका उपाध्याय– हॉकी, अजिंक्या सिंह– तैराकी,

शहीद विनोद चौबे सम्मान वर्ष 2023-24

प्रवेश चड्ढा– शूटिंग, विजय बहादुर– हैण्डबॉल, लक्ष्मण लाल साहू– कुश्ती, के. रविशंकर– टेबल-टेनिस, गिरिराज बागड़ी– टेबल-टेनिस,

मुख्यमंत्री ट्रॉफी वर्ष 2023-24

नवरंग सिंह राजपूत– पैरा व्हीलचेयर फेंसिंग सीनियर वर्ग (पुरुष)
सोनाली राव (मैनेजर), बिरेंद्र पटेल, हरिहर साहू, आशीष साहू, भूपेंद्र पटेल, महेंद्र साहू, सूरज पटेल, चंद्रकांता बरेठ, प्रतिमा सोना, रेणुका तेलम, चंद्रकला तेलम, तमन्ना राय, प्रियंका पाटिल, विमला तेलम, मीनाक्षी नेताम, मीनू आरकी, लवली महानंद, वसुंधरा कोसले, अनुसुईया साहू, दामिनी पाटिल, विनोती पटेल, चांदनी साहू, यामिनी वर्मा (कोच), प्रीति साहू– सॉफ्टबॉल जूनियर बालिका

शहीद राजीव पाण्डेय पुरस्कार वर्ष 2024-25

ज्ञानेश्वरी यादव– वेटलिफ्टिंग, ईशान भटनागर– बैडमिंटन, दिव्यांशु नेताम– फेंसिंग, भूमि गुप्ता– तैराकी, सोनम शर्मा– नेटबॉल, कलाराम पटेल– पैरा एथलेटिक्स,

शहीद कौशल यादव पुरस्कार वर्ष 2024-25

मानस भट्टाचार्य– बैडमिंटन, सुखदेव– पैरा एथलेटिक्स,
वीर हनुमान सिंह पुरस्कार वर्ष 2024-25 (प्रशिक्षक)
अशोक कुमार साहू– कयाकिंग एण्ड केनोइंग,

शहीद पंकज विक्रम सम्मान वर्ष 2024-25

सुमन यादव– फुटबॉल, रोहित रजक– हॉकी, गीतांजलि निर्मलकर– हॉकी, केएस साई प्रशांत– टेबल-टेनिस, सुष्मिता सोम– टेबल टेनिस, रामकृष्ण साहू– पैरा स्वीमिंग, स्वाति साहू– पैरा व्हीलचेयर फेंसिंग, साकेत सामुएल– रायफल शूटिंग, अमन तिवारी– वुशू, मानसी डुंभरे– वुशू,

शहीद विनोद चौबे सम्मान वर्ष 2024-25

प्रभा हुसैन– एथलेटिक्स, संगीता राजगोपालन– बैडमिंटन, गामा यादव– कुश्ती, प्रनय नंद मजूमदार– टेबल-टेनिस,

मुख्यमंत्री ट्रॉफी वर्ष 2024-25

सुलोचना राज, चंदनी साहू, हर्षिता साहू, सुशीला नेताम, ईतवारी सिंह राज (कोच) – तीरंदाजी सीनियर वर्ग (महिला)

2025-26 के चयनित नाम

शहीद राजीव पाण्डेय पुरस्कार

विकास कुमार — आर्चरी
किरण पिस्दा — फुटबॉल
दीपांशी नेताम — फेंसिंग
सुजेय तंबोली — बैडमिंटन
आयुष माखिजा — बैडमिंटन
संजू देवी — कबड्डी
रीमा राय — सॉफ्ट टेनिस
मिशा कुमारी — नेटबॉल
लक्की यादव — पैरा एथलेटिक्स

शहीद कौशल यादव पुरस्कार

दिव्यांशु देवांगन — शूटिंग
विक्रम राज — आर्चरी
दिव्यांश अग्रवाल — बैडमिंटन
सोनिका राजवाड़े — एथलेटिक्स
स्वप्निल प्रधान — वुशू
भूमिका चौधरी — वुशू
पूजा — नेटबॉल
निखिल कुमार यादव — पैरा एथलेटिक्स

वीर हनुमान सिंह पुरस्कार

अजय दीप सारंग — वेटलिफ्टिंग प्रशिक्षक

शहीद पंकज विक्रम सम्मान - 17 खिलाड़ी

संस्कार दिवान, विद्या सिंह, अंकुश सिंह, झमिता साहू, हेमशिखर, अरन्दिम देवनाथ, शिवांशु केशरवानी, अदिती कुमारी, आजिंक्या सिंह, स्नेहा न्योगी, अनमोल सिंह, सेमेश्वर सिंह, यश करकेट्टा, श्रीकांत पाण्डे, टुकेश साहू, स्तुती सोफिया मासीह और खुशाल यादव।

शहीद विनोद चौबे सम्मान

गंगेश्वर	एथलेटिक्स
ख्वाजा अहमद	वॉलीबॉल
एवन कुमार जैन	वेटलिफ्टिंग
मो. अकरम खान	वॉलीबॉल
प्रदीप जोशी	टेबल टेनिस

मुख्यमंत्री ट्रॉफी 2025-26

सीनियर महिला तीरंदाजी दलः चांदनी साहू, सुलोचना राज, पायल मरावी, माया; कोच इतवारी राज

जूनियर बालिका सॉफ्ट टेनिस दलः पूर्णिमा फणिकार, चंचल सारथी, यामिनी निषाद, रिया सोनकर, मुस्कान निषाद, अल्फी जोसफ, प्रेरणा फणिकार, रंजना चौहान; कोच दिलीप कुमार विश्वकर्मा और मैनेजर रीमा रॉय

सुप्रीम कोर्ट के बाद अब लोकसभा सचिवालय ने लिया एक्शन

टीएमसी के बागी सांसदों की बढ़ी मुश्किलें, दिया गया नोटिस, 7 दिन के भीतर देना होगा जवाब

लोकसभा सचिवालय ने टीएमसी के 20 बागी सांसदों को अभिषेक बनर्जी की ओर से दायर अयोग्यता याचिकाओं पर नोटिस भेजकर सात दिनों में जवाब मांगा है। इन सांसदों पर आरोप है कि वे टीएमसी से अलग होकर एनसीपीआई के साथ चले गए हैं। टीएमसी इसे स्वेच्छा से पार्टी की सदस्यता छोड़ना बताते हुए दलबदल विरोधी कानून के तहत अयोग्यता का आधार मान रही है, जबकि बागी सांसद अपने कदम को वैध विलय बता रहे हैं।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है, जहां अदालत ने कहा है कि अहम सवाल नोटिस जारी करना नहीं, बल्कि कार्यवाही को तय समयसीमा में पूरा करना है। 25 अगस्त को जारी इन नोटिसों के साथ अभिषेक बनर्जी की ओर से 18 जून को दायर की गई याचिका की प्रति भी सांसदों को भेजी गई है। यह याचिका लोकसभा सदस्यों के दलबदल के आधार पर अयोग्यता नियम, 1985 के नियम 6 के तहत दाखिल की गई थी। लोकसभा सचिवालय ने सभी 20 सांसदों से नोटिस मिलने के सात दिनों के भीतर याचिका पर अपनी टिप्पणी और जवाब दाखिल करने को कहा है।

यह थी बनर्जी की मांग

यह घटनाक्रम सुप्रीम कोर्ट द्वारा अभिषेक बनर्जी की उस याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताने के एक दिन बाद सामने आया है, जिसमें दलबदल के आधार पर अयोग्यता की याचिकाओं पर जल्द फैसला लेने की मांग की गई थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने बनर्जी की याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई। बनर्जी ने अयोग्यता की कार्यवाही पर कथित देरी को चुनौती देते हुए अदालत से मामले में तेजी लाने की मांग की थी।

अभिषेक बनर्जी की ओर से दायर की गई है अयोग्यता याचिकाएं



'मामला समयसीमा में कार्यवाही पूरी करने का है'

सुप्रीम कोर्ट ने 20 बागी सांसदों को नोटिस जारी किया, हालांकि लोकसभा अध्यक्ष के कार्यालय और सदन के महासचिव को अलग से नोटिस जारी करने से इनकार कर दिया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि वह लोकसभा अध्यक्ष और महासचिव की ओर से पेश हो रहे हैं। सुनवाई के दौरान अदालत ने टिप्पणी की, 'यह नोटिस जारी करने का सवाल नहीं है, सवाल यह है कि कार्यवाही एक तय समयसीमा के भीतर पूरी हो।'

टीएमसी के भीतर बगावत से शुरू हुआ विवाद

यह पूरा विवाद टीएमसी के संसदीय दल में हुई बगावत के बाद शुरू हुआ। पार्टी के 20 लोकसभा सांसदों ने घोषणा की थी कि वे नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल हो गए हैं या उसका हिस्सा बन गए हैं। यह त्रिपुरा स्थित एक राजनीतिक संगठन है। बागी सांसदों ने लोकसभा में अलग समूह के तौर पर मान्यता देने की मांग भी की थी। इसके बाद संसद में इन सांसदों को एनसीपीआई के समूह के रूप में माना गया है। वे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की संसदीय गतिविधियों में भी हिस्सा लेते रहे हैं। टीएमसी का कहना है कि इन सभी सांसदों का चुनाव पार्टी के चुनाव चिह्न पर हुआ था। ऐसे में किसी दूसरे राजनीतिक संगठन के साथ जाने का उनका फैसला स्वेच्छा से पार्टी की सदस्यता छोड़ने के बराबर है और इस वजह से वे दलबदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य ठहराए जा सकते हैं। वहीं, बागी सांसदों का कहना है कि उनका कदम वैध विलय के दायरे में आता है और उन्हें अयोग्य नहीं ठहराया जा सकता।

याचिका में इन 20 सांसदों के नाम

अभिषेक बनर्जी की याचिका में जिन 20 सांसदों के नाम शामिल हैं, उनमें काकोली घोष दस्तीदार, सुदीप बंद्योपाध्याय, शताब्दी रॉय, प्रसून बनर्जी, रचना बनर्जी, जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया, पार्थ भौमिक, अरूप चक्रवर्ती, अधिकारी दीपक देव, सायनी घोष, बापी हलदार, मोहम्मद अबू ताहेर खान, कालीपद सरन खेड़वाल, असीत कुमार माल, जून मलिया, मिताली बाग, खलीलुर रहमान, माला रॉय, शर्मिला सरकार और यूसुफ पठान शामिल हैं।

'महाप्रभु जगन्नाथ' के विरोध में उतरे शंकराचार्य



पुरी। पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने 28 अगस्त को रिलीज होने वाली एनिमेटेड फिल्म 'महाप्रभु जगन्नाथ' पर पूरी तरह रोक लगाने की मांग की है। सरस्वती पुरी के 12वीं सदी के श्री जगन्नाथ मंदिर की 'मुक्ति मंडप पंडित सभा' के स्थायी अध्यक्ष भी है। उन्होंने इस संबंध में सोमवार को श्री जगन्नाथ मंदिर प्रबंधन समिति (एसजेटीएमसी) के अध्यक्ष गजपति महाराजा दिब्यसिंह देब को पत्र लिखा। यह पत्र बुधवार को मीडिया में जारी किया गया। पुरी के धर्मगुरु ने पत्र में कहा, फिल्म को पूरी तरह काल्पनिक, बेबुनियाद और शास्त्रों, परंपरा, इतिहास व रीति-रिवाजों के विपरीत बताया।

अस्पताल में भीषण आग 14 नवजात जिंदा जले

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के एक प्रमुख अस्पताल के स्त्री रोग वार्ड में बुधवार को भीषण आग लगने से कम से कम 14 नवजात शिशुओं की मौत हो गयी। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह आग राजधानी के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीआईएमएस) में सुबह करीब सात बजे लगी। इस्लामाबाद प्रशासन ने एक बयान में कहा कि अस्पताल के मातृ एवं शिशु वार्ड की तीसरी मंजिल पर आग लगने से 14 नवजातों की मौत हो गई।

इस सप्ताह आएगा यूजीसी नेट रिजल्ट

एजेंसी ▶▶| नयी दिल्ली

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने बुधवार को कहा कि यूजीसी-नेट के 84 विषयों के परिणाम इस सप्ताह घोषित किए जाएंगे। एनटीए ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'यूजीसी-नेट (84 विषय), सीएसआईआर-नेट और आईसीएआर एआईईईए (पीजी)



तथा एआईसीई (पीएचडी) 2026 की अंतिम उत्तर कुंजी और परिणाम इस सप्ताह एनटीए की वेबसाइट पर प्रकाशित किए जाएंगे। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे केवल एनटीए की आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करें।' एनटीए ने इस साल जून में अंग्रेजी, वाणिज्य और समाजशास्त्र के प्रश्नपत्रों की परीक्षा देने वाले उम्मीदवारों के लिए दोबारा परीक्षा कराने का आदेश दिया था। एक विशेषज्ञ समिति ने प्रश्नपत्रों में तथ्यात्मक, टाइपिंग, अनुवाद और भाषा संबंधी त्रुटियां पाई थीं।

एक्टिंग चीफ जस्टिस की हुई शिकायत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश संदीप मेहता ने राजस्थान उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा पर अदालत में गंभीर प्रशासनिक अनियमितताओं और मामलों को चुनिंदा रूप से सूचीबद्ध किए जाने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने भारत



सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश ने हटाने की मांग करते हुए सीजेआई को लिखा लेटर

के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत से राजस्थान उच्च न्यायालय के लिए 'तत्काल प्रभाव से' राज्य के बाहर से एक मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति करने का आग्रह किया है। न्यायमूर्ति मेहता ने प्रधान न्यायाधीश को दो अगस्त, 10 अगस्त और 17 अगस्त को लिखे तीन पत्रों में न्यायमूर्ति शर्मा पर 'कुप्रबंधन', 'गलत तौर-तरीके अपनाने', 'भाई-भतीजावाद में शामिल होने' और 'पक्षपात करने' का आरोप लगाया है।

नंदीहाल में घुसने को लेकर कांवड़ यात्रियों का हंगामा

महाकाल मंदिर के दानपेटियों पर चढ़े कांवड़िए, की मारपीट

एजेंसी ▶▶| उज्जैन



उज्जैन के महाकाल मंदिर में बुधवार को ओंकारेश्वर से आए कांवड़ियों ने हंगामा कर दिया। नंदी हॉल में प्रवेश की मांग कर रहे कांवड़ियों ने बैरिकेडिंग तोड़कर अंदर जाने की कोशिश की। रोकने के दौरान मंदिर के 4 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। इनमें से 2 को पैर और सिर में गंभीर चोटें आईं। जानकारी के मुताबिक, ओंकारेश्वर के खेड़ीघाट से करीब 100 दर्शनार्थी कांवड़ लेकर पहुंचे थे। सभी ने बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के नाम वाली टी-शर्ट पहन रखी थी। दर्शन के दौरान इनमें से कुछ कांवड़ियों ने नंदी हॉल में प्रवेश करने की कोशिश की। इस दौरान सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोकना चाहा, लेकिन वे नहीं माने और विवाद बढ़ गया। विवाद के बीच मंदिर के गार्ड और मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उत्पात मचाने वालों को पकड़कर महाकाल थाने भेजा। पुलिस ने 30 लोगों के खिलाफ एफआईआरदर्ज की है।

29 अगस्त को न्यूयार्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में होगा कार्यक्रम

वसुधैव कुटुंबकम का संदेश देंगे भागवत



एजेंसी ▶▶| न्यूयार्क

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत आरएसएस के शताब्दी वर्ष समारोह से जुड़े वैश्विक संपर्क कार्यक्रम के तहत मंगलवार को अमेरिका पहुंच गए हैं। भागवत के 29 अगस्त को प्रतिष्ठित मैडिसन स्क्वायर गार्डन (एमएसजी) में लगभग 5,000 लोगों की सभा को संबोधित करने का कार्यक्रम है। सार्वजनिक नीति और अनुसंधान ट्रस्ट 'अहेड फोरम' अमेरिका में भागवत की मेजबानी कर रहा है। उसने 'सार्वभौमिक एकता उत्सव' के बैनर तले कई कार्यक्रमों के आयोजन की घोषणा की है। 'अहेड फोरम' ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि आरएसएस प्रमुख की यात्रा 'वसुधैव कुटुंबकम के शाश्वत और सार्वभौमिक संदेश पर आधारित है।' ट्रस्ट ने लोगों से 'कृत्रिम विभाजनों और मतभेदों' से परे देखने का आह्वान किया। आरएसएस के वरिष्ठ नेता सीआर मुकुंद ने कहा कि भागवत की यात्रा का मकसद 'भारत, हिंदू समाज और संघ पर एक सकारात्मक दृष्टिकोण पेश करना है।'





हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

11 हाइड्रो पॉवर प्लांट तबाह

19 पुल ढह गए

40 किमी सड़कें क्षतिग्रस्त

कई लोगों का रेस्क्यू

छत्तीसगढ़ के नागरिकों के लिए हेल्पलाइन नंबर

- आपदा प्रबंधन हेल्पलाइन- 1070
- दूरभाष +91-771-2223471

- तिब्बत की धरती डोली और नेपाल में सैलाब
- सड़क, पुल, बिजली, बैंकिंग, टेलीकॉम और सरकारी इमारतें प्रभावित
- जेल की बाहरी दीवारें और वाहन क्षतिग्रस्त, 800 कैदी सुरक्षित



नेपाल में जल-प्रहार

160 की मौत, 1000 लापता, इनमें 133 भारतीय

भारत में कहां-कितना असर

भारत में इसका असर मुख्य रूप से बिहार की गंडक नदी और उससे जुड़ी छोटी-बड़ी नदियों में दिखने की आशंका है। नेपाल से करीब 3 मीटर ऊंची बाढ़ की लहर आने का अलर्ट है। पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर और वैशाली में खास सतर्कता बरती जा रही है। सीतामढ़ी और शिवहर पर भी नजर है। नेपाल का पानी त्रिशूली नदी से होते हुए गंडक तक पहुंचेगा। इसके बाद बिहार के निचले इलाकों में पानी बढ़ सकता है। अगले 5-6 घंटे अहम बताए गए हैं। हालांकि, अभी यह तय नहीं है कि इन सभी इलाकों में बाढ़ आएगी ही।

क्यों आई बाढ़

- **ल्हेंदे नदी में बर्फ का एवलॉन्च :** इससे नदी का बहाव रुका, पानी जमा हुआ और अवरोध टूटने पर तेज पानी भोटेकोशी में पहुंचा, जिससे अचानक बाढ़ आई।
- **तिब्बत में भूकंप:** सुबह 8:37 बजे 4.4 तीव्रता का भूकंप आया था। बाढ़ भी इसी समय के आसपास आई, इसलिए इसके संबंध की जांच हो रही है।

नेपाल के तिब्बत सीमा से लगे रसुवा जिले में बुधवार सुबह अचानक आई भीषण बाढ़ ने भारी तबाही मचा दी। 160 से अधिक लोगों की मौत हो गई। बाढ़ के बाद 1000 से अधिक लोग लापता बताए जा रहे हैं, जिनमें 133 भारतीय शामिल हैं। लापता भारतीयों में बड़ी संख्या कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जा रहे श्रद्धालुओं की है।

एजेंसी ▶▶| काठमांडू

तिब्बत की सीमा के निकट मध्य नेपाल के जिलों में बुधवार सुबह अचानक आई भीषण बाढ़ ने भारी तबाही मचाई और करीब 160 से अधिक लोगों की मौत हो गई, वहीं 133 भारतीय नागरिक समेत करीब 1000 से अधिक लोग लापता हो गए। बाढ़ से शहरों और गांवों में तबाही हुई, कई पुल बह गए और कम से कम एक दर्जन जलविद्युत परियोजनाएं क्षतिग्रस्त हो गईं। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने संसद को बताया कि स्थानीय समयानुसार ▶▶|शेष पेज 5 पर

- तीन अमेरिकी समेत 291 विदेशी लापता
- पुल, सड़कें घर सब तबाह, सेना रेस्क्यू कर रही
- जलप्रलय के चलते काठमांडू यूनिवर्सिटी की सभी परीक्षाएं स्थगित
- गंडक में बढ़ा पानी, वाल्मीकिनगर बैराज से 1.04 लाख क्यूसेक डिस्चार्ज

मदद के लिए आगे आए पीएम नरेंद्र मोदी, पीएम बालेन शाह से बात की, एआईएफ के सी-17 और सी-130 विमान भेजे

- **यूपी और बिहार के कई जिलों में अलर्ट जारी, शाह ने की सम्राट चौधरी से बात**
- **बिहार के सीमावर्ती इलाकों में एनडीआरएफ एसडीआरएफ हाई अलर्ट मोड पर**



साय बोले-प्रत्येक नागरिक के साथ खड़ी है सरकार



नेपाल में बाढ़ एवं भूस्खलन के कारण फंसे छत्तीसगढ़ के नागरिकों की सहायता के लिए राज्य सरकार ने हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार अपने प्रत्येक नागरिक के साथ खड़ी है। फंसे नागरिकों की सुरक्षित वापसी एवं आवश्यक सहायता के लिए सरकार पूरी तत्परता से कार्य कर रही है।

सोने का सच्चा भाव

आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹122776/-

22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹149950/-

24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹163685/-

Live Rate आनंद ज्वेल्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें।

*Conditions apply

anand Jewels Pandri, Raipur

खबर संक्षेप

वीडियो मामले में धाराओं को कोर्ट ने किया खारिज

रायपुर। बहुचर्चित 1500 करोड़ की कथित उगाही वीडियो मामले में सेशन कोर्ट से भाजपा नेता आकाश जोशी सहित सभी चारों आरोपियों राहत मिल गई है। कोर्ट ने अधिकतर धाराओं को निरस्त कर दिया है। साथ ही केस को निचली अदालत में ट्रायल के लिए भेज दिया है। गौरतलब है कि कुछ महीनों पहले सोशल मीडिया पर 1500 करोड़ रुपए कलेक्शन को लेकर वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें अंकित दुबे, यश डागा, असलम मिर्जा, जावेद खान और भाजपा के आकाश जोशी को गिरफ्तार किया गया था।

डायरेक्टर कुकू कोहली पंचतत्व में विलीन

मुंबई। फिल्ममेकर कुकू कोहली का बुधवार को अंतिम संस्कार



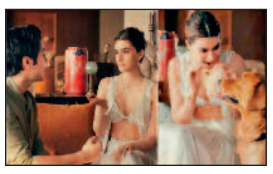
ओशिवारा श्मशान घाट में हुआ। जिसमें कई सेलेब्स पहुंचे। इस दौरान गजेंद्र चौहान ने कुकू की पत्नी अरुणा ईरानी को संभाला। अंतिम संस्कार में विक्की कौशल, कटरीना कैफ, रोहित शेट्टी, राजपाल यादव, जावेद अख्तर और शबाना आजमी भी पहुंचे। कुकू कोहली का मंगलवार को 77 साल की उम्र में निधन हुआ था।

'जेन अल्फा' और 'जेन जी' तक पहुंचेगा ईसी

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले 'जेन अल्फा' और 'जेनरेशन जी' तक पहुंच बनाने के लिए नए सिरे से प्रयास शुरू किया है। वर्ष 1997 से 2012 के बीच जन्मे लोगों को 'जेन जी' और वर्ष 2013-2025 के बीच जन्मे बच्चों को 'जेन अल्फा' कहा जाता है। आयोग अपने नए अभियान के तहत देश की 4,123 विधानसभा सीटों में कक्षा 9 से 12 तक के स्कूली विद्यार्थियों तथा कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के छात्रों को लक्षित करेगा।

सोशल मीडिया पर दिखा गुस्सा

विवाद के बाद जीवा ने हटाया कृति का रक्षाबंधन वाला एड



एजेंसी ▶▶| मुंबई

आभूषण बनाने वाले ब्रांड जीवा ने बुधवार को कहा कि उसने रक्षाबंधन के लिए अभिनेत्री कृति सैनन को लेकर बनाया गया अपना विज्ञापन हटा दिया है। विज्ञापन में अभिनेत्री द्वारा पहने गए कपड़ों पर सोशल मीडिया पर लोगों ने आपत्ति जतायी थी। ब्रांड ने एक बयान में कहा कि उसका उद्देश्य 'समाज के किसी भी वर्ग की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था', इसलिए उसने विज्ञापन वापस ले लिया है। जीवा ने कहा, हम भारतीय संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों का बहुत सम्मान करते हैं।

इंडो-वेस्टर्न पोशाक में अभिनेत्री

विज्ञापन में फिल्म 'कॉकटेल 2' की अभिनेत्री कृति सैनन 'इंडो-वेस्टर्न' पोशाक में नजर आई थीं। उन्होंने 'ब्रालेट और स्कर्ट के साथ केप पहन रखा था और अपने भाई तथा पालतू कुत्ते को राखी बांधती दिखाई दी थीं। कई लोगों ने पारंपरिक त्योहार के दौरान अभिनेत्री के पहनावे की आलोचना की, जबकि कुछ लोगों ने कुत्ते को राखी बांधने पर भी आपत्ति जताई।

लगातार हो रही बारिश से उफान पर नदी नाले

तेतरडीह में टूटा कृषि विभाग का बांध, किसानों की फसल बर्बाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रामानुजगंज

रामचंद्रपुर विकासखंड के ग्राम तेतरडीह में मंगलवार दोपहर 2 बजे कृषि विभाग का एक बांध टूट गया। बांध टूटने के बाद खेतों में पानी भर गया, जिससे किसानों की फसल बर्बाद हो गई। गनीमत रही कि इस दौरान कोई जनहानि की सूचना नहीं है। मामले की जानकारी मिलने के बाद एसडीएम अभिषेक गुप्ता मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

बता दें कि क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से नदी नाले उफान पर है। इस दौरान वर्षों पुराने सिंचाई बांध भी जर्जर स्थिति में पहुंच गए है। जिले में कई बांधों में दरार आने और रिसाव की जानकारी सामने आई। इस बीच मंगलवार की दोपहर तेतरडीह में भी कृषि विभाग का एक बांध टूट गया। बांध का एक बड़ा हिस्सा भरभरा कर गिर गया। इस बांध का निर्माण कृषि विभाग द्वारा जल ग्रहण मिशन के तहत कराया गया था।



ग्रामीणों का आरोप, पहले से थी दरार

ग्रामीणों का आरोप है कि बांध में पहले से दरार आ गई थी, जिसकी जानकारी विभाग को दी गई थी। इसके बावजूद विभाग द्वारा समय रहते बांध की मरम्मत कराने में रुचि नहीं ली गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि समय पर मरम्मत कार्य कराया गया होता तो संभवतः बांध टूटने की घटना को रोका जा सकता था। बांध टूटने के बाद बड़ी मात्रा में पानी खेतों की ओर बह गया, जिससे धान की फसल प्रभावित हुई है।

प्रशासन कर रहा नुकसान का आंकलन

फिलहाल प्रशासन नुकसान का आंकलन कर रहा है। आंकलन पूरा होने के बाद ही फसल को हुए वास्तविक नुकसान की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। एसडीएम अभिषेक गुप्ता ने बताया कि नुकसान का आंकलन किए जाने के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी कि किसानों को कितनी मात्रा में नुकसान हुआ है। प्रशासन द्वारा प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण कर नुकसान का आकलन कराया जा रहा है।

हाईकोर्ट का अहम फैसला

लीव बैलेंस कम फिर भी देना होगा मातृत्व लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर



छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने महिला कर्मचारियों के मातृत्व अधिकारों को लेकर अहम फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि मिसकैरेज के दौरान लिया गया अवकाश बाद की गर्भावस्था के मातृत्व अवकाश में समायोजित नहीं किया जा सकता। केवल लीव बैलेंस कम होने के आधार पर भी मातृत्व लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता।

चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआई) की अपील खारिज कर सिंगल बेंच के आदेश को बरकरार रखा। मामला एफसीआई रायपुर जिला कार्यालय में असिस्टेंट ग्रेड-2 के पद पर कार्यरत महिला का है। वर्ष 2019 में महिला जुड़वा बच्चों की गर्भवती थीं। 25 ▶▶|शेष पेज 5 पर

स्वास्थ्य, सम्मान की रक्षा

डिवीजन बेंच ने कहा कि मातृत्व लाभ महिला के स्वास्थ्य, सम्मान और कल्याण की रक्षा के लिए हैं। इन्हें तकनीकी आधार पर खत्म नहीं किया जा सकता। पर्याप्त लीव बैलेंस नहीं होने के आधार पर मातृत्व लाभ रोकना उचित नहीं है। मेडिकल बिलों की जांच कर एफसीआई को नियमानुसार नए सिरे से निर्णय लेने के निर्देश दिए गए हैं।

मिल गेट कीमतों में गिरावट के बाद भी कम नहीं हुए दाम

नहीं मिली राहत, खुदरा बाज़ार में चीनी की कीमतें 65 रुपए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

त्योहारी मौसम की मांग बढ़ने के कारण बुधवार को लगातार दूसरे दिन खुदरा बाज़ार में चीनी की कीमतें एक रुपये प्रति किलो से ज्यादा बढ़ गईं। सरकार के 10 लाख टन कच्ची चीनी के आयात की अनुमति देने के फैसले के बाद मिल-गेट कीमतों में लगभग 20 प्रतिशत की गिरावट के बावजूद, चीनी की खुदरा कीमतें अब भी ऊंची बनी हुई हैं। उपभोक्ता मामलों के विभाग (मूल्य निगरानी प्रभाग) द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, 26 अगस्त को चीनी की अखिल भारतीय औसत दर 65.05 रुपए प्रति किलोग्राम है, जबकि मंगलवार को यह 63.97 रुपये प्रति किलोग्राम थी। चीनी की मौजूदा औसत कीमत एक महीने पहले के 48.68 रुपए प्रति ▶▶|शेष पेज 5 पर

हरिभूमि फॉलोअप



अधिकतम बिक्री मूल्य 76 रुपए

आंकड़ों से पता चलता है कि बुधवार को अधिकतम बिक्री मूल्य 76 रुपए प्रति किलो था, जबकि 'मॉडल दर' 65 रुपए प्रति किलो थी। सरकार और चीनी उद्योग निकायों ने कहा है कि पिछले कुछ दिनों में मिल पर कीमतों में गिरावट आई है।

खाद्य सचिव के कही थी यह बात

इस सप्ताह की शुरुआत में, खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा था कि आयात की अनुमति देने और चीनी की सट्टेबाजी व जमाखोरी पर रोक लगाने के सरकार के फैसले के बाद से चीनी की मिल पर कीमत 18 प्रतिशत घटकर 55 रुपए प्रति किलो रह गई है। पिछले सप्ताह चीनी की मिल पर कीमतें रिकॉर्ड 67 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई थीं। चोपड़ा ने इस बढ़ोतरी का कारण मिलों द्वारा कीमतें 'बढ़ाना' बताया था।

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, कोसमबुड़ा के बच्चों का कमाल

जीव विज्ञान के 23 विद्यार्थियों में से 15 ने उत्तीर्ण की नीट परीक्षा

विशेष पिछड़े दो कमार बच्चे बनेंगे डॉक्टर, पहले राउंड की काउंसिलिंग में ही कॉलेज एलाट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुरा

चिकित्सा शिक्षा संचालनालय, छत्तीसगढ़ द्वारा नीट स्कोर के आधार पर घोषित प्रथम राउंड की काउंसलिंग में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, कोसमबुड़ा (छुरा)गरियाबंद के दो विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग (कमार) के विद्यार्थियों नम्रता और नोकेश्वर राम को एमबीबीएस पाठ्यक्रम में सीट आवंटित हुई है। नम्रता का चयन जवाहरलाल नेहरू शासकीय मेडिकल कॉलेज, रायपुर में हुआ है, जबकि नोकेश्वर राम को शासकीय मेडिकल कॉलेज, महासमुंद में सीट प्राप्त हुई है।

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष विद्यालय के जीव विज्ञान वर्ग के 23 विद्यार्थियों में से 15 विद्यार्थियों ने नीट परीक्षा उत्तीर्ण की है। इसके अतिरिक्त जे ई मेंस, नर्सिंग एवं बी.फार्मा जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में भी विद्यालय के बड़ी संख्या में विद्यार्थियों का चयन हुआ है। कक्षा 6वीं से 12वीं तक इसी विद्यालय में पढ़ने वाली नम्रता ने अपने चयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें मानसिक शांति और अत्यंत संतोष की अनुभूति हुई है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय प्राचार्य के मार्गदर्शन, शिक्षकों के सतत सहयोग और माता-पिता के प्रोत्साहन को दिया। तैयारी की रणनीति साझा करते हुए नम्रता ने बताया कि 12वीं बोर्ड परीक्षा के पश्चात जीव विज्ञान वर्ग के सभी 23 विद्यार्थियों को विद्यालय के छात्रावास में ही ▶▶|शेष पेज 5 पर

अलग खबर







प्राचार्य बोले-आदिवासी समुदाय में प्रतिभा की कमी नहीं

विद्यालय के प्राचार्य डॉ. कमलाकांत यादव ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अत्यंत पिछड़े आदिवासी समुदाय से आने वाले इन विद्यार्थियों की यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल सही अवसर, उचित मार्गदर्शन और संसाधनों तक पहुंच सुनिश्चित करने की है।

खुशी के आंसू कांपने लगे हाथ

महासमुंद में एमबीबीएस के लिए चयनित नोकेश्वर राम ने बताया कि चयन की सूचना मिलने पर वे पहले तो विश्वास ही नहीं कर पाए, हाथ कांपने लगे और आंखों में खुशी के आंसू आ गए। उन्होंने सबसे पहले यह सुखद समाचार अपनी मां को दिया। उन्होंने कहा कि यह सीट केवल उनकी नहीं, बल्कि सभी की सामूहिक मेहनत का परिणाम है। उन्हें विद्यालय का सहयोग सदैव मिला, प्राचार्य एवं शिक्षकों ने रात-दिन मार्गदर्शन दिया, और परिवार का प्रोत्साहन सतत बना रहा।

चिंतन

हिमालय का बिगड़ता संतुलन बढ़ा रहा खतरा

नेपाल में तिब्बत से आई अचानक बाढ़ ने हिमालय के बिगड़ते संतुलन की गंभीर चेतावनी दी है। रसुवा में भोटेकोशी नदी का उफान घर, पुल और जलविद्युत परियोजनाएं बहा ले गया। सैकड़ों लोग लापता हैं। कई की मौत हो चुकी है। कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए 100 से अधिक भारतीय नागरिक भी संकट में हैं। अभी यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं है कि तबाही की शुरुआत ग्लेशियल झील फटने से हुई, हिमस्खलन से या भूकंपीय हलचल से, लेकिन एक बात साफ है। हिमालय का प्राकृतिक संतुलन तेजी से बिगड़ रहा है और उसका खामियाजा इंसानों को भुगतना पड़ रहा है। यह मैदानी भागों के लिए भी खतरा बढ़ा रहा है। हिमालय को हमने विकास की प्रयोगशाला समझ लिया है। जहां सड़क चाहिए, पहाड़ काट दिए; जहां बिजली चाहिए, नदियों पर परियोजनाएं खड़ी कर दीं; जहां पर्यटन चाहिए, वहां जंगल और नदी घाटियों तक निर्माण पहुंच गया। सवाल यह नहीं है कि विकास होना चाहिए या नहीं। सवाल यह है कि क्या हम हिमालय की प्रकृति और उसकी क्षमता को समझकर विकास कर रहे हैं? जलवायु परिवर्तन ने इस चुनौती को और खतरनाक बना दिया है। तापमान बढ़ने से ग्लेशियर पिघल रहे हैं। ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फ और मलबे से बनी प्राकृतिक झीलें फैल रही हैं। इन झीलों के बांध कमजोर पड़ते हैं तो पानी अचानक नीचे की ओर टूट पड़ता है। कुछ मिनटों या घंटों में शांत नदी विनाशकारी बाढ़ में बदल सकती है। नेपाल की मौजूदा घटना में स्थानीय बारिश को बाढ़ का प्रमुख कारण नहीं माना जा रहा। ऐसे में ग्लेशियल झील फटने या हिमस्खलन से नदी का रास्ता बाधित होकर अचानक पानी छोड़े जाने की आशंका है। यदि यह आशंका सही साबित होती है तो यह केवल एक प्राकृतिक दुर्घटना नहीं होगी, बल्कि बदलते हिमालयी पर्यावरण की उस तस्वीर का हिस्सा होगी, जिसमें आने वाले वर्षों में ऐसी घटनाएं बढ़ सकती हैं। नेपाल में शुरू हुई बाढ़ भारत के मैदानी इलाकों में भी खतरा पैदा कर सकती है। यानी हिमालय में होने वाला पर्यावरणीय बदलाव काठमांडू या पहाड़ी गांवों की समस्या भर नहीं है। इसका असर बिहार, उत्तर प्रदेश और गंगा के विशाल मैदानी क्षेत्र तक पड़ सकता है। सबसे बड़ी कमी हमारी आपदा पूर्व चेतावनी व्यवस्था में है। जिस क्षेत्र में ग्लेशियल झीलें मौजूद हैं, वहां उनकी लगातार निगरानी क्यों न हो? उपग्रहों, रडार, सेंसर और स्वचालित जलस्तर मापक यंत्रों से मिली जानकारी को नेपाल, भारत और चीन के बीच साझा क्यों न किया जाए? यदि नदी के जलस्तर में असामान्य वृद्धि की सूचना कुछ मिनट पहले भी निचले इलाकों तक पहुंच जाए तो अनेक जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। हिमालय को बचाना केवल पर्यावरण का मुद्दा नहीं है। यह जल सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा और करोड़ों लोगों के जीवन का सवाल है। हिमालय कमजोर होगा तो उसकी नदियां उग्र होंगी, मैदानों में बाढ़ बढ़ेगी और सूखे का खतरा भी गहरा सकता है। नेपाल की त्रासदी को केवल एक और बाढ़ की खबर मानकर भूल जाना सबसे बड़ी भूल होगी। यह प्रकृति का संकेत है कि पहाड़ अपनी सीमा से अधिक दबाव स्वीकार नहीं कर सकते। अब भी समय है कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाया जाए। हिमालय को जीतने की नहीं, समझने और बचाने की जरूरत है। क्योंकि पहाड़ बचेंगे, तभी नदियां बचेंगी और नदियां बचेंगी, तभी मैदानों का भविष्य सुरक्षित रहेगा।



मुद्दा
अरविंद जयतिलक

सीमा विवाद सुलझाने की सुखद पहल

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच दोनों देशों के संबंधों को बेहतर बनाने की पहल एक सुखद संकेत है। उल्लेखनीय है कि दोनों देशों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति और स्थिरता बनाए रखने के साथ ही सीमा तय करने की दिशा में आगे बढ़ने की पहल पर चर्चा की है। पिछले दिनों राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल चीन की यात्रा पर थे। उन्होंने कहा कि हम यहां बातचीत के 25वें दौर के लिए उपस्थित हैं। सवाल यह है कि क्या दोनों देशों की पहल से सीमा विवाद का हल निकलेगा? क्या दोनों देशों के बीच सीमा पर तनाव कम होगा?

यह सवाल इसलिए कि दोनों देशों के बीच सीमा विवाद सुलझाने की पहल कई बार हो चुकी है, लेकिन कोई ठोस सार्थक परिणाम नहीं निकला। याद होगा 2020 में गलवान में हुई झड़प के बाद से ही दोनों देशों के बीच रिश्ते तल्ख और असहज हैं। तब गलवान घाटी में चीनी सैनिकों द्वारा भारतीय जवानों पर हमला दोनों देशों के रिश्ते को दुश्मनी और नफरत में बदल दिया था। इस हमले में भारत के 20 जवान शहीद हुए थे, वहीं चीन को भी अपने 43 जवानों की जिंदगी से हाथ धोना पड़ा था। इस हालात के लिए पूर्ण रूप से चीन ही जिम्मेदार था। अगर वह 1996 और 2005 में हुए समझौते का पालन किया होता तो यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति पैदा नहीं होती। गत वर्ष रूस में ब्रिक्स समिट से ठीक पहले भारत-चीन के बीच ईस्टर्न लद्दाख में एलएसी पर सहमति बनी और दोनों देशों ने इस पर सहमति जताई कि देपसांग और डेमचॉक क्षेत्र में जहां गश्त ब्लॉक है, वहां सैनिक पीछे हटेंगे और गश्त फिर से शुरू होगी। कहना गलत नहीं होगा कि चीन के अडियल रुख से ईस्टर्न लद्दाख के पैगोग क्षेत्र, गलवान के पीपी-14, गोगरा और हॉटस्प्रिंग क्षेत्र में आज भी तनाव बरकरार है। नतीजतन यह क्षेत्र अभी भी बफर जोन बना हुआ है। फिलहाल कहना मुश्किल है कि यह बैठक दोनों देशों के बीच सीमा विवाद सुलझाने में मददगार होगी या चीन पुनः भारतीय भू-भाग को अतिक्रमित नहीं करेगा। यह इसलिए कि चीन वार्ता में दिलचस्पी तो दिखाता है लेकिन बेहतर परिणाम देने की दिशा में आगे नहीं बढ़ता। जब तक चीन साम्राज्यवादी मानसिकता की खोल से बाहर नहीं आएगा, तब तक भारत-चीन सीमा विवाद सुलझने के आसार कम हैं। चीन की उदासीनता का ही नतीजा है कि दोनों देशों के बीच सीमा विवाद ज्यों का त्यों बना हुआ है। उसके असंवेदनशील रुख के कारण ही 1976 से चल रही बातचीत तार्किक नतीजे पर नहीं पहुंची। 1993, 1996 और 2005 में दोनों देश कई बार सीमाओं के विभाजन के लिए वार्ता की, लेकिन उसका सकारात्मक नतीजा नहीं निकला। कारण वार्ता के दौरान चीन कभी भी दस्तावेजों के आदान-प्रदान में रुचि नहीं दिखाता।

भारत के जिन क्षेत्रों पर उसका एक इंच भी दावा है, उससे हटने का आज तक संकेत नहीं दिया। विडंबना यह भी कि वह मैकमोहन रेखा को भी स्वीकारने को तैयार नहीं। वह उसे अवैध बताता है। जबकि देश-दुनिया को अच्छी तरह पता है कि ब्रिटिश भारत और तिब्बत ने 1913 में शिमला समझौते के तहत अंतरराष्ट्रीय सीमा के रूप में मैकमोहन रेखा का निर्धारण किया। इस सीमा रेखा का निर्धारण हिमालय के सर्वोच्च शिखर तक है। समझना



जरूरी है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलसी की वास्तविक स्थिति भी कमोवेश यही है। इस क्षेत्र में हिमालय प्राकृतिक सीमा का निर्धारण नहीं करता क्योंकि यहां से अनेक नदियां निकलती और सीमाओं को काटती हैं। वर्तमान स्थिति यह है कि दोनों देश एलसी पर निगरानी कर रहे हैं। ऐतिहासिक संदर्भों में जाए तो तिब्बत, भारत और बर्मा की सीमाओं का ठीक से रेखांकन नहीं होने से अक्टूबर, 1913 में शिमला में अंग्रेजी सरकार की देखरेख में चारो देशों के अधिकारियों की बैठक हुई। इसमें तिब्बती प्रतिनिधि ने स्वतंत्र देश के रूप में प्रतिनिधित्व किया और भारत की अंग्रेजी सरकार ने उसे उसी रूप में मान्यता दी। आधुनिक देश के रूप में भारत के पूर्वोत्तर हिस्से की सीमाएं रेखांकित न होने के कारण दिसंबर 1913 में दूसरी बैठक शिमला में हुई और अंग्रेज प्रतिनिधि जनरल मैक मोहन ने तिब्बत, भारत और बर्मा की सीमा को रेखांकित किया। समझना जरूरी है कि आज के अरुणाचल का तवांग क्षेत्र मैकमोहन द्वारा खींची गयी रेखा के दक्षिण में होता था। इसलिए तिब्बती सरकार बार-बार उस पर अपना दावा करती रही। तिब्बत का स्वतंत्र अस्तित्व स्वीकारने से उत्तर से पूर्वोत्तर तक कहीं भी भारत और चीन की सीमा नहीं मिलती थी। इस तरह उत्तरी-पूर्वी सीमा को एक प्राकृतिक सुरक्षा मिली हुई थी। लेकिन स्वतंत्र भारत की नेहरु सरकार की अदूरदर्शी नीति ने स्वतंत्र तिब्बत को बलिदान हो जाने दिया। पीकिंग पर साम्यवादियों का कब्जा होने के उपरांत 23 मई, 1951 को तिब्बत के दलाई लामा सरकार के प्रतिनिधियों और चीनी सरकार के अधिकारियों के बीच 17 सूत्रीय कार्यक्रम पर समझौता हुआ। इस समझौते को दलाई लामा तिब्बत के स्वतंत्र अस्तित्व की समाप्ति के रूप में देखते हुए भारत से रक्षा की गुहार लगाई। लेकिन तत्कालीन नेहरु सरकार पर चीन के साथ दोस्ती का भूत सवार था और उन्होंने अंग्रेजी दस्तावेजों का हवाला देकर तिब्बत पर चीन की अधिनस्थता की बात स्वीकार ली। नतीजा माओ के रेडगार्डों ने तिब्बत पर चढ़ाई कर एक वर्ष के अंदर पूरे तिब्बत पर नियंत्रण स्थापित कर लिया। आज की तारीख में सिक्किम-तिब्बत सीमा को छोड़कर लगभग संपूर्ण भारत-चीन सीमा विवादित है। भारत और चीन के बीच विवाद की वजह अक्साई चिन और अरुणाचल प्रदेश की संप्रभुता भी है। पश्चिमी सेक्टर में अक्साई चिन का लगभग 3800 वर्ग किमी भू-भाग चीन के कब्जे में है। अक्साई चिन जम्मू-कश्मीर के उत्तर-पूर्व में विशाल निर्जन इलाका है। इस क्षेत्र पर भारत का अपना दावा है। लेकिन नियंत्रण चीन का है।

दूसरी ओर पूर्वी सेक्टर में चीन अरुणाचल प्रदेश के 90 हजार वर्ग किमी पर अपना दावा कर उसे अपना मानता है। याद होगा कि गत वर्ष पहले उसने प्रस्ताव रखा था कि भारत अगर अरुणाचल के तवांग इलाके को चीन को सौंप देता है तो वह भी बदले में उसे अक्साई चीन का इलाका दे सकता है। लेकिन भारत ने उसके इस साजिश भरे प्रस्ताव को ठुकरा दिया। भारत की मनाही के बावजूद वह कश्मीर के लोगों को स्टेपल वीजा जारी करता है। साथ ही पाकिस्तान से गलबहिया कर वह भारतीय संप्रभुता को चुनौती परोस रहा है।

भारत को चीन पर दबाव बनाने के लिए तिब्बत के मसले पर अपना कड़ा रुख अख्तियार करना होगा। तिब्बत का स्वतंत्र अस्तित्व ही भारत की सीमाओं की रक्षा की सबसे बड़ी गारंटी है। अगर भारत तिब्बत की स्वतंत्रता और मानवाधिकार हनन के मसले को अन्तरराष्ट्रीय कूटनीति की तीव्र आंच पर रखता है तो सच मानिए चीन की पेशानी पर बल आना तय है। तिब्बत की स्वतंत्रता चीन की कमजोर नस है और भारत इसे मानवाधिकार हनन का नश्तर बनाकर चीन की हेकड़ी का सफल ऑपरेशन कर सकता है।

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच दोनों देशों के संबंधों को बेहतर बनाने की पहल एक सुखद संकेत है। उल्लेखनीय है कि दोनों देशों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति और स्थिरता बनाए रखने के साथ ही सीमा तय करने की दिशा में आगे बढ़ने की पहल पर चर्चा की है। पिछले दिनों राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल चीन की यात्रा पर थे। उन्होंने कहा कि हम यहां बातचीत के 25वें दौर के लिए उपस्थित हैं। सवाल यह है कि क्या दोनों देशों की पहल से सीमा विवाद का हल निकलेगा? क्या दोनों देशों के बीच सीमा पर तनाव कम होगा? यह सवाल इसलिए कि दोनों देशों के बीच सीमा विवाद सुलझाने की पहल कई बार हो चुकी है।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

बौद्ध तीर्थस्थल
निरंकार सिंह

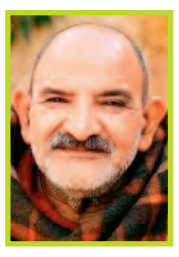


कनिंघम ने नहीं, जगत सिंह ने खोजा था सारनाथ का इतिहास

विश्वविख्यात बौद्ध धर्मस्थल एंव पर्यटन केन्द्र सारनाथ की खोज के ऐतिहासिक तथ्य इस बात की पुष्टि करते हैं कि इसकी खोज वाराणसी के बाबू जगत सिंह ने की थी। बाद में इसकी खोज का श्रेय एलेक्जेंडर कनिंघम ने लिया। उन्होंने बाबू जगत सिंह की सूचनाओं की सही जानकारी भी नहीं दी। हालांकि बाबू जगत सिंह की सूचनाओं के आधार पर कनिंघम ने इसका उत्खनन कराया और वहां तमाम मूर्तियां भी मिली, जो आज सारनाथ संग्रहालय में रखीं हुई हैं। अब भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने ऐतिहासिक तथ्यों की गहन छानबीन के बाद बाबू जगत सिंह के योगदान को स्वीकार कर लिया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के महानिदेशक वाई.एस. रावत ने अब पह स्वीकार किया कि सारनाथ में सबसे पहले खुदाई का काम जगत सिंह ने कराया था, जिसके कारण इस स्थल के ऐतिहासिक महत्व का पता चला। जगत सिंह के वंशज प्रदीप नारायण सिंह ने एएसआई को साक्ष्यों के दस्तावेज सौंपे थे, जिनसे यह साबित होता है कि इस स्थल पर पहली खुदाई जगत सिंह ने ही कराई थी। वाराणसी से लगभग 10 किलोमीटर दूर स्थित सारनाथ दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण बौद्ध तीर्थ स्थलों में से एक है। माना जाता है कि यह वही स्थान है जहां गौतम बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के बाद अपना पहला उपदेश दिया था, फलस्वरूप बौद्ध धर्म के प्रसार की शुरुआत हुई। एएसआई के महानिदेशक रावत ने अब सारनाथ परिसर में लगी पट्टिका (शिलालेख) में अब संशोधन कर दिया गया है, जिसमें जगत सिंह की भूमिका को मान्यता देते हुए उनका नाम भी शामिल किया गया है। यह संशोधन हाल में सारनाथ परिसर में लगाई गई नई पट्टिका में देखा जा सकता है। यहां पहले वाली पट्टिका में इस स्थल के पुरातात्विक महत्व की पहली खोज का श्रेय 1798 में ब्रिटिश अधिकारियों को दिया गया था, वहीं नई पट्टिका में यह बताया गया है कि इस स्थल का महत्व 18वीं सदी के आखिर में तब सामने आया, जब काशी के बाबू जगत सिंह ने निर्माण सामग्री के लिए एक प्राचीन टीले की खुदाई कराई थी, फलस्वरूप कई महत्वपूर्ण पुरावशेषों की खोज हुई। इस तरह, संशोधित शिलालेख इस जगह पर शुरुआती खुदाई के काम में जगत सिंह की भूमिका को मान्यता देता है। साथ ही, वह यह भी बताता है कि कई पुरातत्वविदों ने बाद में खुदाई की, जिसमें तीसरी सदी ईसा पूर्व से लेकर 12वीं सदी ईस्वी तक के मठ, स्तूप, मंदिर और मूर्तियां मिलीं। वाराणसी के जगतगंज शाही परिवार के प्रतिनिधि और बाबू जगत सिंह के छठी पीढ़ी के वंशज प्रदीप नारायण सिंह अपने पूर्वजों के ऐतिहासिक योगदान के बारे में शोध और दस्तावेजी सबूत इकट्ठा करने की कोशिशें लंबे समय से लगे थे। 'अब एएसआई ने औपचारिक रूप से यह मान लिया है कि सारनाथ का इतिहास सबसे पहले बाबू जगत सिंह द्वारा कराई गई खुदाई के बाद ही सामने आया था। एएसआई की यह मान्यता इस बात का भी संकेत है कि ब्रिटिश काल के दौरान बाबू जगत सिंह के योगदान को नजरअंदाज कर दिया गया था और उन्हें सारनाथ की खोज का सही श्रेय नहीं मिला था। इस बौद्ध स्थल की खोज का इतिहास उल्लेखनीय और आकर्षक है। यह शानदार और अकल्पनीय रूप से विश्व के सामने आया। 1787 के आसपास एक विशिष्ट घटना घटी जिसके पश्चात इस स्थान ने विद्वानों, भिक्षुओं और पुरातत्वविदों का ध्यान आकर्षित करना आरम्भ किया। लगभग 1787 में स्थानीय राजपरिवार के सदस्य और सारनाथ के जमींदार बाबू जगत सिंह को इस क्षेत्र में उपलब्ध ईंटों और पत्थरों के अम्बार का पता चला। उन्होंने अपने नाम पर नगर में एक बाजार निर्मित करवाने की योजना को सफल बनाने के लिए इस निर्जन क्षेत्र को खोदकर यहां से आवश्यक निर्माण सामग्री प्राप्त करने का मन बनाया तथा मजदूरों को इस काम में लगा दिया गया। यह बाजार आज भी नगर में है और उन्हीं के नाम पर जगतगंज नाम से विख्यात है। धमेख स्तूप से पश्चिम में लगभग 520 फीट (158.5 मीटर) की दूरी पर ईंटों और पत्थरों के ढेर को खोद निकाला गया। स्तूप के टीले से निर्माण सामग्री की खोदाई करते समय एक गोलक-रूप बलुआ पत्थर के बक्से के भीतर एक बेलनाकार हरे रंग की संगमरमर की मंजूषा मिली। इस प्रकार सारनाथ में स्तूप की खोदाई के सम्बन्ध में कुछ बातें स्पष्ट हैं। यह अनजाने में हुई थी, और कोई नहीं जानता था कि यह स्थान पुरातात्विक महत्व का एक प्राचीन बौद्ध स्थल था। जैसे ही बाबू जगत सिंह को इसके महत्व के बारे में पता चला, उन्होंने हर सम्भव कोशिश की थी कि इस स्थान की क्षति और न हो। समय के साथ आवरण दीवार के अन्दर मूल स्तूप की खोदाई कनिंघम और बाद में अन्य ब्रिटिश पुरातत्त्वविदों द्वारा की गई थी।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जिसने दिल दुखाया, उसे भी दें प्यार



संकलित
दर्शन

'अगर कोई व्यक्ति आपको दुख पहुंचाए, तब भी उसे प्रेम दें। सबसे बड़ी सजा किसी को अपने दिल से निकाल देना है।' नीम करौली बाबा की यह बात सुनकर कई लोग चौंक जाते हैं, क्योंकि दिल दुखाने वाले को प्यार देना आसान नहीं होता है। लेकिन बाबा का यह संदेश मन की गहराई में उतरने वाली सीख है। जीवन में धोखा, अपमान या विश्वास टूटने पर गुस्सा आना स्वाभाविक है। फिर भी बाबा हमें याद दिलाते हैं कि नफरत पालकर हम खुद को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। जब कोई हमें चोट पहुंचाता है, तो मन तुरंत उससे दूर होने या जवाब देने की सोचता है। गुस्सा और नफरत उस व्यक्ति को हमारे विचारों में बार-बार जगह दे देते हैं। नीम करौली बाबा कहते हैं कि दूसरे की गलती की वजह से अपने मन की शांति को नहीं खोना चाहिए। प्रेम का मतलब यह नहीं कि गलत व्यवहार को सही मान लें। इसका मतलब सिर्फ इतना है कि कटुता को अपने अंदर जड़ ना पकड़ने दिया जाए। सामने वाले को सजा देने की बजाय खुद को हल्का रखना ज्यादा जरूरी है। किसी को माफ करना अक्सर बहुत कठिन लगता है, खासकर जब चोट किसी करीबी ने पहुंचाई हो। माफी का अर्थ यह नहीं कि जो हुआ उसे भूल जाओ या फिर से वैसा ही भरोसा कर लो। असली माफी अपने मन को उस पुरानी पीड़ा से धीरे-धीरे मुक्त करने में है। सीमाएं तय की जा सकती हैं, दूरी भी बनाई जा सकती है। लेकिन बदले की भावना को सीने में पालना जरूरी नहीं।

प्रतिज्ञाओं के प्रति हमेशा रहे समर्पित



संकलित
प्रेरणा

स्वामी विवेकानन्द का प्रेरक व्यक्तित्व उन्नीसवीं सदी के अंतिम दशक और बीसवीं सदी के पहले दशक के दौरान भारत और अमेरिका दोनों में प्रसिद्ध था। एक बार गाजीपुर से वाराणसी जाते समय स्वामी विवेकानंद का पता चला कि श्री रामकृष्ण के वफादार सेवक बलराम बसु ने अंतिम सांस ली है। उनकी आंखों में आंसू देखकर उनके साथ चल रहे प्रमदा दास मित्र ने कहा कि दुखद व्यक्त करना एक संत को शोभा नहीं देता। स्वामी ने आक्रामक रूप से जवाब दिया और कहा कि क्या मैं अपना हृदय त्याग दूं क्योंकि मैं एक संन्यासी हूं? संन्यास किसी को पत्थर दिल बनने के लिए नहीं कहता। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि कोई भी महिला उनके मठ में कभी प्रवेश नहीं करेगी। एक बार उन्हें बुखार से बेहोशी महसूस हुई और उनका एक शिष्य स्वामी जी की अनुमति के बिना अपनी मां को उनके पास लाने गया। मठ के अंदर उसकी मां को देखकर क्रोधित होकर उन्होंने शिष्य को डांटा। आपने एक महिला को अंदर क्यों आने दिया? मैंने ही नियम बनाया था और मेरे लिए ही नियम तोड़ा जा रहा है! इससे पता चलता है कि वह अपनी प्रतिज्ञाओं के प्रति कितने समर्पित थे।

जश्ने ईद मिलादुन्नबी



देशभर में बुधवार को जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मौके पर जुलूस निकाला गया।

आज की पाती

नए मीटर हटाए सरकार

इलेक्ट्रानिक मीटर क्या लगे, जी का जंजाल बन गए हैं। पुराने मीटर उपभोक्ताओं के लिए उपयुक्त थे और किसी को शिकायत नहीं थी। जैसे हो बिजली के नए मीटर लगे उपभोक्ताओं के दोगुने बिल आने लगे हैं। चारों तरफ त्राहि-त्राहि है। आर्थिक तंगी में बढ़े हुए बिल जैसे गरीबी में आटा गीला हो गया है। उपभोक्ता चाहते हैं कि इलेक्ट्रॉनिक मीटर हटा कर पुराने मीटर ही लगाए जाएं और नए मीटर हटा कर विभाग जनहित का कार्य करे। इन नए मीटरों की न तो जनता ने मांग की थी और न इन्हें कोई चाहता है। इस कवायद से भले ही विद्युत विभाग की आय बढ़ी है, पर उपभोक्ता इस ट्रंप के से टैरिफ को नहीं सह पा रहे हैं। आशा है जनहित में विभाग और सरकार इस योजना को बंद कर अवश्य अनुगृहीत करेंगे। - *विपिन साहू, रायपुर*

करंट अफेयर

त्वरित अदालतों में लंबित मामलों की सूची में उप्र सबसे ऊपर

देश भर की त्वरित (फास्ट ट्रैक) अदालतों में लंबित मामलों में से लगभग 78 प्रतिशत मामले उत्तर प्रदेश के हैं, जहां 13.74 लाख से ज्यादा मामले निस्तारण का इंतजार कर रहे हैं। सूचना का अधिकार (आरटीआई) कानून के तहत न्याय विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार, देश भर की त्वरित अदालतों में 17.5 लाख से ज्यादा मामले लंबित हैं। जवाब के अनुसार, त्वरित अदालतें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा संबंधित उच्च न्यायालयों के साथ सलाह-मशविरा करके खास तरह के मामलों की तेजी से सुनवाई के लिए बनाई जाती हैं। यह डेटा न्याय विभाग ने इस साल 10 अगस्त को नोएडा के सामाजिक कार्यकर्ता अमित गुप्ता द्वारा आरटीआई कानून के तहत पूछे गए एक सवाल के जवाब में साझा किया था। इसमें कहा गया, उच्च न्यायालयों से मिली जानकारी के अनुसार, 30 जून, 2026 तक 21 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 884 त्वरित अदालतें काम कर रही हैं। इन त्वरित अदालतों को स्थापित करने के लिए राज्यों को कोई केंद्रीय सहायता नहीं दी जा रही है। राज्य-वार आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि उत्तर प्रदेश लंबित मामलों की सूची में सबसे ऊपर है, जहां 373 कार्यरत त्वरित अदालतों में 13.74 लाख से ज्यादा मामले लंबित हैं। इसके बाद महाराष्ट्र का नंबर आता है।



ऑफ बीट

शिक्षकों से अभद्र व्यवहार, स्कूल अभिभावकों से कैसे निपटें

शिक्षकों और स्कूल प्रधानाचार्यों के साथ अभिभावकों के दुर्व्यवहार की घटनाएं बढ़ रही हैं। इसे रोकने के लिए कुछ निजी स्कूलों ने अभिभावकों से आचार संहिता पर हस्ताक्षर करवाना शुरू किया है। मीडिया में आई खबरों के अनुसार, कुछ प्रधानाचार्यों ने अभिभावकों के अधिकार-बोध, कर्मचारियों को डराने-धमकाने और अपने बच्चे के गलत व्यवहार को स्वीकार करने से इनकार जैसे मामलों पर चिंता जताई है। सरकारी स्कूल भी अभद्र व्यवहार करने वाले अभिभावकों पर अंकुश लगाने के लिए नए कदम उठा रहे हैं। विक्टोरिया और दक्षिण ऑस्ट्रेलिया ने प्रधानाचार्यों को स्कूल परिसर में अभद्र व्यवहार करने वाले अभिभावकों के प्रवेश पर रोक लगाने का अधिकार देने वाले कानून बनाए हैं। इसमें आमने-सामने, ईमेल, फोन या सोशल मीडिया के जरिए दुर्व्यवहार करने वाले अभिभावक भी शामिल हैं। न्यू साउथ वेल्स भी इसी तरह के कानूनों पर विचार कर रहा है। अभिभावकों को स्कूल के फैसलों पर सवाल उठाने, अपनी चिंताएं रखने और अपने बच्चों की ओर से पक्ष रखने में सक्षम होना चाहिए। शिक्षा में सार्थक अभिभावक सहभागिता के लिए ये सभी महत्वपूर्ण हैं। लेकिन शोध से स्पष्ट है कि शिक्षकों के साथ अभद्र व्यवहार बढ़ रहा है।



ट्रेंड

एक देश, एक चुनाव



कांग्रेस का कहना है कि 'एक देश, एक चुनाव' असंवैधानिक है, उनका जमीर इसकी इजाजत नहीं देता। एक बार आईने के सामने खड़े होकर खुद से ईमानदारी से पूछिए: जमीर किस बात की इजाजत नहीं देता? 'एक देश, एक चुनाव' की, या कमजोर होती जा रही कांग्रेस को बचाने की?
-**शिवराज सिंह चौहान,** केंद्रीय कृषिमंत्री

छात्रों की जीत



महाराष्ट्र के छात्रों ने एक लड़ाई जीत ली है। ड्रग इंस्पेक्टर परीक्षा और पूरी भर्ती प्रक्रिया रद्द कर दी गई है - यह सरकार की कोई मेहरबानी नहीं है, बल्कि उन छात्रों की जीत है जो मार्च में ड्रग इंस्पेक्टर परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद से ही डटे रहे।
-**राहुल गांधी,** सांसद, कांग्रेस

महिला सशक्तिकरण



राहुल गांधी महिलाओं के अधिकारों के कोई चैंपियन नहीं हैं। वे हिंदू धर्म को निशाना बनाने और उसे बदनाम करने के लिए महिला सशक्तिकरण के मुद्दे का इस्तेमाल एक सुविधाजनक आड़ के तौर पर करते हैं।
-**हिमंत बिस्वा सरमा,** सीएम, असम

आत्मनिर्भर भारत



'आत्मनिर्भर भारत' का संकल्प रक्षा क्षेत्र में लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। स्वदेशी मिलिट्री कॉम्बैट पैराशूट सिस्टम का लद्दाख के न्योमा में -15°C तापमान और 22,000 फीट की ऊंचाई पर सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया है।
-**डॉ. मोहन यादव,** सीएम, मप्र

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

रायपुर
गुरुवार 27 अगस्त 2026
श्रावण शुक्ल पक्ष चतुर्दशी
वर्ष : 25, अंक : 37
पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 30.0
न्यून. 25.0

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

कृषि विवि में एक और पर्चा लीक, तड़के 4 बजे व्हॉट्सऐप में बंट चुके थे जेनेटिक्स के पर्चे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

19 अगस्त को आयोजित की गई थी बीएससी कृषि प्रथम वर्ष द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा



विवि प्रबंधन ने थाने में दर्ज कराई शिकायत, फिलहाल पर्चा निरस्त नहीं

इंदिरा गांधी कृषि विवि में प्रश्नपत्र लीक का एक और मामला सामने आया है। 19 अगस्त को आयोजित हुई बीएससी कृषि प्रथम वर्ष के द्वितीय सेमेस्टर की जेनेटिक्स के प्रश्नपत्र भी परीक्षा प्रारंभ होने के 5 घंटे पहले ही व्हॉट्सऐप पर वायरल हो चुके थे। परीक्षा सुबह 9.30 बजे आयोजित होनी थी। प्रश्नपत्र सुबह 4 बजे ही व्हॉट्सऐप ग्रुप में बंट चुके थे। इसके पूर्व कीट विज्ञान और प्लांट पैथोलॉजी के प्रश्नपत्र लीक हो चुके हैं। इसके प्रश्नपत्र रद्द भी किए जा चुके हैं। जेनेटिक्स विषय के प्रश्नपत्र फिलहाल निरस्त नहीं किए गए हैं, लेकिन इसकी सूचना विवि प्रबंधन द्वारा तेलीबांधा थाने में दे दी गई है।

प्रबंधन के अनुसार, जांच के लिए विवि स्तर पर भी 5 सदस्यीय समिति गठित कर दी गई है। समिति ने भारतीय कृषि महाविद्यालय में भेजे गए प्रश्न पत्र के लिफाफे (जो विश्वविद्यालय को वापस प्राप्त हुए) का अवलोकन एवं परीक्षण किया गया। प्रथम दृष्टया उक्त प्रश्न पत्र के लिफाफे में भी उसी प्रकार की छेड़छाड़ होना प्रतीत हुआ है जिसका पूर्व में पुलिस विभाग द्वारा पेपर लीक मामले में खुलासा किया गया है।

पीडीएफ फॉर्मेट में प्रश्नपत्र

वायरल हुआ प्रश्नपत्र पीडीएफ फॉर्मेट में था। पीडीएफ फाइल के सवाल और परीक्षा में पूछे गए अधिकतर सवाल समाल थे। ना केवल कम अंक वाले सवाल बल्कि 6 अंकों वाले दीर्घ उत्तरीय प्रश्न भी इसमें शामिल थे। पार्ट-ए, पार्ट-बी और पार्ट-सी के सवाल पीडीएफ में मौजूद थे। अलग-अलग पार्ट में लिंकज, सेल साइकिल, ट्रांसक्रिप्शन, मल्टीपल एलील्स, डबल हैप्लायड, प्लियोट्रापी, यूकैरियोटिक क्रोमोसोम, एपिस्टेसिस, जीन इंटरैक्शन, मेंडल के लॉज, म्यूटेशन सहित अन्य सवाल थे। प्रश्नपत्र के पार्ट-सी में 6 नबंर के दीर्घ उत्तरीय सवाल पूछे गए थे। पीडीएफ ये सवाल उत्तर सहित थे।

अवकाश के दिन बैठक निरस्त करने की तैयारी

अंदरुनी सूत्रों के अनुसार, बुधवार को अवकाश के दिन भी आपातकालीन बैठक बुलाई गई। जेनेटिक्स के प्रश्नपत्र को भी निरस्त करने की तैयारी है। कार्यालयीन दिवस में इस संदर्भ में आदेश जारी कर दिया जाएगा। शुरुआती जांच में दुर्ग के भारतीय कृषि महाविद्यालय से ही पूर्व पैटर्न की तरह जेनेटिक्स के प्रश्नपत्र लीक होने की आशंका जताई जा रही है।

रायपुर के अस्पतालों में 4 मामले, जशपुर, मनेंद्रगढ़, दुर्ग, बिलासपुर, सरगुजा में संक्रमित

छग में स्वाइन फ्लू, 50 से ज्यादा मरीज, इनमें एक्टिव 11 केस

बारिश के साथ बदलते मौसम के बीच राज्य में स्वाइन फ्लू ने दस्तक दे दी है। रायपुर समेत विभिन्न जिलों में अब तक 50 से ज्यादा एच1एन1 के संक्रमित सामने आ चुके हैं। इनमें 11 मरीजों का अभी विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। संक्रमित मरीजों को शरीर में जोरों का दर्द, सांस लेने में तकलीफ के साथ बुखार की समस्या आ रही है। बढ़ते केस देखते हुए लोगों को सार्वजनिक स्थानों पर सावधानी बरतने और सोशल डिस्टेंस का पालन करने कहा गया है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर



अधिकारिक सूत्रों की मानें तो बारिश के मौसम में स्वाइन फ्लू के एक दो केस सामने आते रहते हैं। पिछले कुछ समय से विभिन्न जिलों में इससे पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ती नजर आ रही है। वर्तमान में रायपुर जिले के 4, दुर्ग में 3 जशपुर, मनेंद्रगढ़, बिलासपुर तथा सरगुजा में 1-1 केस एक्टिव हैं। इनका इलाज अस्पतालों में निर्धारित गाइडलाइन के हिसाब से किया जा रहा है। रायपुर जिले में इस साल एच1एन1 के संक्रमितों की संख्या 46 हो चुकी है, जिनमें 42 प्रभावित इलाज के बाद पूरी तरह स्वस्थ हो चुके हैं। चिकित्सकों के मुताबिक, अभी सर्दी-खांसी के साथ बदन और गले में होने वाला दर्द तथा काफी समय से रहने वाले बुखार की वजह स्वाइन फ्लू हो सकता है। किसी मरीज को अगर इस तरह की समस्या ⏭शेष पेज 5 पर

खास खबर

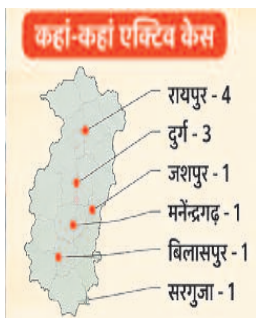
इन्फ्लूएंजा समूह का वायरस

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश चौधरी के मुताबिक, स्वाइन फ्लू इन्फ्लूएंजा समूह का वायरस है। बारिश के मौसम में इसके वायरस सक्रिय हो जाते हैं। यह कोविड की तरह ही खांसी और छींक से निकलने वाले बूंदों, संक्रमित व्यक्ति के सीधे संपर्क में आने से फैलता है। एच1एन1 का वायरस बच्चों, वृद्धों और कम इम्युनिटी वालों को प्रभावित करता है। सोशल डिस्टेंस और भीड़भाड़ वाले इलाके में सावधानी बरतकर इससे बचा जा सकता है।

कोरोना के भी तीन केस

मौसमी वायरल के बीच स्वाइन फ्लू और कोरोना की शिकायत भी मिली है। रायपुर और बिलासपुर से संबंधित तीन मरीजों को निजी अस्पताल में इलाज के दौरान कोविड-19 पॉजिटिव होने की पुष्टि हुई थी। इन मरीजों का इलाज निर्धारित गाइडलाइन के हिसाब से किया गया। चिकित्सकों के मुताबिक तीनों संक्रमितों में लक्षण सामान्य थे, इसलिए उन्हें विशेष तरीके के ट्रीटमेंट की जरूरत नहीं पड़ी।

कहां-कहां एक्टिव केस



स्वास्थ्य विभाग ने जारी किया सावधानी का अलर्ट

लक्षण :- ज्यादा दिनों तक रहने वाला तेज बुखार, खाने-पीने के दौरान गले में दर्द का एहसास, शरीर में असहनीय पीड़ा और सांस लेने में तकलीफ, जल्दी थकान का अनुभव।

बचाव :- भीड़भाड़ वाले इलाकों और सार्वजनिक वस्तुओं को, बार-बार नाक-मुंह को छूने से बचें, सार्वजनिक स्थानों मास्क का उपयोग करने, छींकने-खांसने के दौरान रूमाल का उपयोग किया जाए।

संक्रमितों के लिए सावधानी

संक्रमितों को अलग रखा जाए, उनके इस्तेमाल किए कपड़े, बिस्तरों का दूसरे उपयोग न करें, इलाज के लिए निर्धारित गाइडलाइन का पालन किया जाए।

अब महाराष्ट्र में हुआ पेपर लीक ड्रग्स इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा रद्द

देश में एक और पेपर लीक का मामला



एजेंसी ⏭ मुंबई

नीट पेपर लीक के बाद कई राज्यों में लगातार पेपर लीक के मामले सामने आ रहे हैं। अब महाराष्ट्र में पेपर लीक का मामला सामने आया है। महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) ने खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग में औषधि निरीक्षक समूह-बी के पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया रद्द कर दी है। यह फैसला इस साल की शुरुआत में हुई परीक्षा में कथित अनियमितताओं की बात सामने आने के बाद किया गया। आयोग ने मंगलवार को इन पदों के लिए नए सिरे से परीक्षा कराने का फैसला किया। आयोग ने कहा कि यह कदम सभी अभ्यर्थियों को निष्पक्ष और समान अवसर देने तथा परीक्षा की निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए जरूरी है। भर्ती प्रक्रिया रद्द होने का मतलब है कि परीक्षा में सफल होने और उसके बाद साक्षात्कार देने वाले अभ्यर्थियों को भी नए सिरे से परीक्षा देनी होगी। कुल 485 अभ्यर्थी इन पदों पर नियुक्ति के लिए पात्र पाए गए थे। एमपीएससी को इस साल 22 मार्च को हुई परीक्षा में कथित ⏭शेष पेज 5 पर

प्रेमिका के लिए पेपर लीक ब्रेकअप के बाद शिकायत



महाराष्ट्र में ड्रग इंस्पेक्टर परीक्षा का पेपर लीक होने के मामले में एक चौंकाने वाला कथित प्रेम प्रसंग सामने आया है। आरोप है कि एक युवक ने अपनी प्रेमिका को परीक्षा में पास कराने के लिए पेपर की व्यवस्था की और उसे दिया। प्रेमिका के परीक्षा पास करने के बाद दोनों का ब्रेकअप हो गया। इसके बाद युवक ने कथित तौर पर महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग को पेपर लीक की जानकारी दे दी। मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में गौरव राजेंद्र पाटिल भी शामिल है। आरोप है कि गौरव का ऋतुजा ⏭शेष पेज 5 पर

सोशल मीडिया से प्रसारित

आयोग ने एक बयान में कहा कि शिकायतों में दावा किया गया था कि कुछ अभ्यर्थियों को परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र या प्रश्न मिल गए थे और बाद में यह सामग्री सोशल मीडिया तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से प्रसारित की गई। भर्ती प्रक्रिया 29 जुलाई, 2025 को जारी विज्ञापन के माध्यम से शुरू की गई थी। परीक्षा 22 मार्च को महाराष्ट्र के छह संभागीय मुख्यालयों में आयोजित की गई थी।

पेपर लीक की पुरानी कहानी

छत्तीसगढ़ - हाल ही में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की परीक्षा का पेपर लीक हुआ। जांच में एंडोस्कोपिक कैमरे के इस्तेमाल की बात सामने आई और गिरफ्तारियां हुईं।

झारखंड- जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में पेपर लीक के आरोपों की एसआईटी जांच चल रही है उत्तर प्रदेश -यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा, आरओ/एआरओ परीक्षा आदि में पेपर लीक

बिहार- बीपीएससी परीक्षा, बिहार पुलिस कांस्टेबल भर्ती और हालिया शिक्षक भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक/अनियमितताओं के मामले।

राजस्थान- वरिष्ठ शिक्षक भर्ती, आरईईटी और अन्य भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक के मामले।

गुजरात- नीट यूजी 2024 से जुड़े गोधरा मामले के अलावा हाल में बीएएमएस परीक्षा के पेपर लीक के आरोप सामने आए।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA sky चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

हेरोइन की तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

जम्मू। सीमा पार से हेरोइन की तस्करी करने वाले एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ कर, 5.16 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किया गया। गिरोह के संदिग्ध सरगना सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक विशेष खुफिया सूचना के आधार पर जम्मू के मध्य क्षेत्र पंजतीर्थी में एक वाहन को रोका गया। वाहन में सवार दो लोगों के पास से करोड़ों रुपये मूल्य की हेरोइन बरामद की गई। दोनों उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के रहने वाले हैं।

हरियाणवी सिंगर बालियान की सरेआम गोली मारकर हत्या

शामली। हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान की बुधवार को शामली में गोली मारकर हत्या कर दी गई। सिंगर की हत्या शाम 7 बजे के करीब हुई है। हालांकि, अभी तक सिंगर की हत्या का कारण पता नहीं चला है। वहीं पुलिस भी मौके पर पहुंच गई है और जांच शुरू कर दी है। अंकित बालियान शाम के वक्त जिम गए थे और वहां से बाहर निकलकर जैसे ही आए, बदमाशों ने उन पर अचानक फायरिंग शुरू कर दी। ताबड़तोड़ गोलियां चलने से वह गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर गिर पड़े।

ज्वेलरी चोरी का गिरोह बिहार के रोहतास से हुआ गिरफ्तार

- रेकी कर वारदात को दिया अंजाम
- खरीदार आभूषण दुकान संचालक समेत सात गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ वाड्रफनगर

आभूषण दुकान के शटर का ताला तोड़कर आभूषणों की चोरी करने के मामले में पुलिस को सफलता मिली है। चोरी की इस वारदात को बिहार के रोहतास क्षेत्र के एक अंतरराज्यीय चोर गिरोह ने अंजाम दिया था। आरोपियों ने रेकी कर दुकान में चोरी की और चांदी एक आभूषण व्यापारी को बेच दी। पुलिस ने चोरी में शामिल छह आरोपियों और एक खरीदार समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया है। बुधवार की देर शाम एसपी वैभव बैंकर रमनलाल ने पत्रकार वार्ता के दौरान इस चोरी का खुलासा किया। बता दें कि 16-17 अगस्त की दरमियानी रात 'अरविंद ज्वैलर्स' में चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया था। दुकान संचालक अरविंद कुमार सोनी रात 9:15 बजे दुकान बंद कर रात 12 बजे सोने चले गए थे। 17 अगस्त की सुबह ⏭शेष पेज 5 पर

हरिभूमि फॉलोअप

दुकान के अंदर से चोरी गई सामग्री :

चांदी के सामान: चुनौटी चिलम (3 नग), लेडीज व जेंट्स बेसलेट/कड़ा (75 पीस), बच्चों की पायल (58 पीस), बच्चों के पैर का कड़ा (45 पीस), भगवान की मूर्तियां (60 पीस), फुल व हाफ करधनी (25 पीस), बाल चोटी (2 पीस), हाथ-पंजा मिक्स आभूषण (20 पीस), पीजे व एसआरजे कंपनी की पायल (24 पीस), फैंसी पायल (50 पीस), हाथ बेरा (80 पीस), ताबीज (200 पीस), कंगन-चूड़ी (40 जोड़ी), झुमका, बाली, कुंडल, टप, सिरजाना, चंद्रमा, झाली, क्लिप, अंगूठी व बिछिया (500 पीस) तथा पुराना छोटा-बड़ा मिक्स आभूषण (200 पीस)। (कुल वजन लगभग 20 किलोग्राम)
सोने के आभूषण: मंगलसूत्र, सोने का टुकड़ा, जितिया, लरी, टप और अंगूठी। (कुल वजन लगभग 50 ग्राम) अन्य: गिलट का सामान। चोरी की शिकायत मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और अपराध दर्ज ⏭शेष पेज 5 पर

दो दिन पहले पहुंचे थे आरोपी, रेकी कर की चोरी

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने 15 अगस्त को चोरी की योजना बनाई और सोनू कुमार चौधरी के पिकअप (क्रमांक बी आर 26 सी जी 3631) से वाड्रफनगर पहुंचे। आरोपी अपने साथ एक बाइक (क्रमांक एम एच 15 के आर। 7977) भी लाए थे। आरोपियों ने 15 और 16 अगस्त को क्षेत्र में रेकी की और फिर 17 अगस्त की दरमियानी रात 'अरविंद ज्वैलर्स' के शटर को लोहे के सब्बल से तोड़कर अंदर घुसे। वे चांदी और गिलट के आभूषण चुराकर भाग गए। आरोपियों ने चोरी के आभूषण दिनारा में ही सुनील कुमार सोनी को 60 हजार रुपये में बेच दिए थे। खरीदार ने चोरी के आभूषणों को गला दिया था। ⏭शेष पेज 5 पर

महिलाओं का सम्मान और सशक्तिकरण ही समृद्ध छत्तीसगढ़ की आधारशिला

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

रक्षाबंधन पर फरसाबहार विकासखंड के ग्राम पंडरीपानी में आयोजित रक्षाबंधन एवं बहनों से संवाद कार्यक्रम आत्मीयता, सम्मान और भाई-बहन के स्नेह से सराबोर रहा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कार्यक्रम में पहुंचकर बहनों से संवाद किया। इस दौरान महिलाओं ने मुख्यमंत्री को राखी बांधी और मुख्यमंत्री ने भी बहनों को उपहार भेंट ⏭शेष पेज 5 पर

खास खबर



महतारी सदन का किया लोकार्पण

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विकासखंड फरसाबहार के ग्राम पंचायत पंडरीपानी में 24.70 लाख रुपए की लागत से निर्मित महतारी सदन का लोकार्पण कर इसे क्षेत्र की माताओं-बहनों को उपहार स्वरूप समर्पित किया। ⏭शेष पेज 5 पर

बहनों के 'विष्णु भैया': गोमती साय

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक गोमती साय ने उपस्थित बहनों का आत्मीय अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि महतारी सदन महिलाओं को अपनी बैठकों और गतिविधियों के लिए सम्मानजनक स्थान उपलब्ध कराएगा। महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को प्रतिमाह आर्थिक सहायता मिल रही है। उन्होंने पंडरीपानी में एसबीआई ⏭शेष पेज 5 पर

सुबह-सुबह मची चीख-पुकार

खड़े ट्रक से टकराई बस छह यात्रियों की गई जान

हैदराबाद। तेलंगाना के सूर्यापेट जिले में बुधवार सुबह एक निजी बस के ट्रक से टकराने से बस में सवार पांच महिलाओं समेत छह लोगों की मौत हो गई और कम से कम 12 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, हादसा सुबह करीब सवा पांच बजे हैदराबाद-विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोडाड मंडल के पास हुआ। प्रारंभिक जांच के अनुसार, निजी बस में 42 यात्री सवार थे और यह बस हैदराबाद से आंध्र प्रदेश के एलुरु जा रही थी।



इधर, कार ने छह को कुचला, पांच की मौत

पटना। बिहार के सुपौल जिले में एक अनियंत्रित कार ने सड़क के किनारे खड़े छह लोगों को कुचल दिया, जिससे पांच लोगों की मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया। यह हादसा पिपरा थाना क्षेत्र में सुपौल-पिपरा मुख्य मार्ग पर कटैया चौक स्थित बजरंगबली मंदिर के पास हुआ। झूलन महोत्सव के अवसर पर मंदिर परिसर में ग्रामीण भजन-कीर्तन कर रहे थे।

भारत-फ्रांस में करार, 4,000 एसएचपी की ताकत से उड़ेंगे हेलीकॉप्टर

अब दुश्मन की नींद उड़ाने आ रहा 'अरावली'!

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भारत और फ्रांस मिलकर नई पीढ़ी का शक्तिशाली हेलीकॉप्टर इंजन बनाएंगे। इस इंजन का नाम 'अरावली' रखा गया है। यह 3,500 से 4,000 एसएचपी शक्ति वर्ग का होगा। इस इंजन का निर्माण भारत में किया जाएगा। इसके लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और फ्रांस की सैफरान हेलीकॉप्टर इंजन ने अंतिम अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता दोनों कंपनियों की संयुक्त कंपनी सफहल (एसएएफएचएएल) हेलीकॉप्टर इंजन प्राइवेट लिमिटेड के साथ हुआ है। दरअसल, अरावली इंजन की संभावनाएं सैन्य क्षेत्र से जुड़ी हुई हैं।

आईएमआरएच और नौसैनिक हेलीकॉप्टर को मिलेगी ताकत

अरावली इंजन को एचएएल के आने वाले 13 टन के भारतीय मल्टी रोल हेलीकॉप्टर (आईएमआरएच) के लिए विकसित किया जाएगा। इसका इस्तेमाल इसके नौसैनिक संस्करण डेक-आधारित मल्टी रोल हेलीकॉप्टर में भी होगा। यानी इससे भारतीय नौसेना की क्षमता बढ़ेगी। सफहल अरावली इंजन के विकास में अहम भूमिका निभाएगी। कंपनी इंजन के डिजाइन और विकास पर काम करेगी। इसके बाद इसका निर्माण और आपूर्ति भी की जाएगी। इंजन का व्यापक परीक्षण किया जाएगा। इसके रखरखाव और पूरे जीवनकाल के दौरान जरूरी सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी।



आधुनिक तकनीक से तैयार होगा 'अरावली'

इस कार्यक्रम में एचएएल और सफरान की विशेषज्ञता का इस्तेमाल होगा। दोनों कंपनियां आधुनिक डिजाइन और निर्माण तकनीक के साथ इंजन विकसित करेंगी। इंजन का नाम अरावली पर्वतमाला के नाम पर रखा गया है। गौरतलब है कि अरावली दुनिया की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखलाओं में शामिल है।

आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम

एचएएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रवि के. ने इस अवसर पर कहा, इस अनुबंध पर हस्ताक्षर भारत की विमान इंजन तकनीक में आत्मनिर्भरता हासिल करने की कोशिश में एक महत्वपूर्ण कदम है। सफहल और सैफरान हेलीकॉप्टर इंजन के साथ यह सहयोग अगली पीढ़ी के भारतीय हेलीकॉप्टरों को शक्ति देने के लिए मजबूत आधार तैयार कर रहा है। अरावली इंजन कार्यक्रम आईएमआरएच और डीबीएमआरएच की परिचालन जरूरतों को पूरा करने के साथ देश में मजबूत घरेलू विमानन उद्योग विकसित करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा।

फैटी लिवर अब केवल बड़ों की बीमारी नहीं रह गई है। आजकल बच्चों और किशोरों में भी नॉन-अल्कोहॉलिक फैटी लिवर डिजीज (एनएएफएलडी) के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इस बारे में प्रिकॉशन बरतने की बहुत जरूरत है।

अनहेल्दी डाइट-इनएक्टिव लाइफस्टाइल

बच्चों में बढ़ा रहा फैटी लिवर



हेल्थ सजेशन

डॉ. अमित गुप्ता

सीनियर कंसल्टेंट

पीडियाट्रिशियन एंड नियोनेटोलॉजिस्ट

मदरहुड हॉस्पिटल्स, नोएडा

यह चिंताजनक है कि भारतीय बच्चों में फैटी लिवर की समस्या तेजी से बढ़ रही है। बढ़ता मोटापा, प्रोसेस्ड और ज्यादा चीनी वाले खाद्य पदार्थों का सेवन, मीठे पेय पदार्थ, व्यायाम की कमी और लंबे समय तक स्क्रीन देखने की आदत इसके मुख्य कारण हैं। पिछले कुछ वर्षों में बच्चों में फैटी लिवर के मामलों में स्पष्ट वृद्धि देखी गई है। अधिक वजन वाले लगभग हर पांच में से एक बच्चे में फैटी लिवर के लक्षण हो सकते हैं।

समस्या के कारण-लक्षण: इसके शुरुआती चरण में आमतौर पर कोई लक्षण नहीं दिखते, लेकिन कुछ बच्चों में थकान, पेट में असहजता या अचानक वजन बढ़ने जैसी शिकायतें हो सकती हैं। समय पर इलाज और जीवनशैली में बदलाव से इस बीमारी को बढ़ने से रोका जा सकता है।



विशेषज्ञों के अनुसार, फैटी लिवर का संबंध बचपन के मोटापे से काफी गहरा है। इसके साथ ही हाई ब्लड शुगर, बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याएं भी देखने को मिल सकती हैं। यह जरूरी नहीं कि केवल मोटे बच्चों को ही फैटी लिवर हो। कई बार सामान्य दिखने वाले बच्चों में भी पेट के आस-पास अतिरिक्त चर्बी, खराब खान-पान और कम शारीरिक गतिविधि के कारण यह समस्या हो सकती है।

जीवनशैली में सुधार जरूरी: बच्चों में फैटी लिवर के लिए कोई विशेष दवा उपलब्ध नहीं है। इसका सबसे प्रभावी इलाज संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाना है। अच्छी बात यह है कि यदि बीमारी का पता शुरुआती चरण में चल जाए तो इसे पूरी तरह ठीक किया जा सकता है।

बच्चों को रोज कम से कम 60 मिनट शारीरिक गतिविधि या खेलकूद के लिए प्रोत्साहित करें। पर्याप्त नींद और सीमित स्क्रीन टाइम भी बेहद जरूरी है।

बच्चों की डाइट हो सही: फैटी लिवर की रोकथाम घर से शुरू हो सकती है। माता-पिता बच्चों को फल, सब्जियां, साबुत अनाज और प्रोटीन युक्त संतुलित भोजन दें। जंक फूड, मीठे पेय पदार्थ और पैकेट वाले स्नैक्स का सेवन कम करें। जिन बच्चों का वजन अधिक है, जिन्हें डायबिटीज है या जिनके परिवार में मेटाबॉलिक बीमारियों का इतिहास है, उन्हें नियमित स्वास्थ्य जांच करानी चाहिए।

बरतें जरूरी सावधानियां: विशेषज्ञों के अनुसार, यदि बच्चा अधिक वजन का है, पेट के आस-पास चर्बी जमा है, परिवार में मोटापा या डायबिटीज का इतिहास है या वह नियमित रूप से जंक फूड और मीठे पेय पदार्थों का सेवन करता है, तो माता-पिता को विशेष सतर्क रहने की जरूरत है। लगातार थकान, पेट में परेशानी या बिना कारण वजन बढ़ना भी इस समस्या का संकेत हो सकते हैं। हालांकि शुरुआती अवस्था में यह बीमारी अकसर बिना किसी लक्षण के रहती है, इसलिए जोखिम वाले बच्चों की समय-समय पर जांच कराना महत्वपूर्ण है।

डॉक्टरों का कहना है कि बचपन में बढ़ता मोटापा और शारीरिक गतिविधियों की कमी, बच्चों में फैटी लिवर के बढ़ते मामलों की सबसे बड़ी वजहें हैं। अनुमान है कि अधिक वजन वाले लगभग 30 प्रतिशत बच्चों में फैटी लिवर होने का खतरा रहता है, लेकिन शुरुआती चरण में लक्षण न होने के कारण कई मामलों का पता नहीं चल पाता। जागरूकता, स्वस्थ खान-पान, आउटडोर गतिविधियों को बढ़ावा और समय पर चिकित्सकीय सलाह से भविष्य में लिवर से जुड़ी गंभीर बीमारियों के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। *

प्रस्तुति: सेहत फीचर्स

बरसात का मौसम आमतौर पर बहुत सुहावना होता है, लेकिन इस दौरान मच्छरों की संख्या तेजी से बढ़ने लगती है। मच्छर अपने साथ कई तरह की गंभीर बीमारियां लेकर आते हैं, जो कई बार जानलेवा भी साबित होती हैं। इससे बचाव के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, इनसे संक्रमित होने पर क्या करना चाहिए, इस बारे में यहां विस्तार से बता रहे हैं।

मच्छरों के काटने से हो सकती हैं कई तरह की खतरनाक बीमारियां





डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. रविंद्र गुप्ता

सीनियर कंसल्टेंट फिजिशियन

सी.के. बिड़ला हॉस्पिटल, गुरुग्राम

बरसात का मौसम मच्छरों के प्रजनन के अनुकूल माना जाता है। दरअसल बारिश का पानी लोगों के घरों के आस-पास के गड्ढों, गमलों, कूलर या घर के किसी हिस्से में रखे कबाड़ में जमा होने लगता है। इसी गंदे पानी में मच्छरों के अंडे और लार्वा तेजी से विकसित होने लगते हैं। वातावरण में बहुत ज्यादा ह्यूमिडिटी (उमस) और नमी होने के कारण जहां एक ओर मच्छर लंबे समय तक जीवित रहते हैं, वहीं उनकी प्रजनन क्षमता बढ़ने के कारण उनकी संख्या भी बहुत तेजी से बढ़ती है। बरसात के मौसम में मच्छरों से सबसे अधिक डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया बीमारियों के होने का खतरा रहता है। डेंगू और चिकनगुनिया फैलाने वाले मच्छर साफ पानी में पनपते हैं, जबकि मलेरिया के मच्छर जमा गंदे पानी में पनपते हैं।

डेंगू होने के कारण और लक्षण

एडिज नामक मादा मच्छर के काटने से डेंगू होता है। ध्यान देने योग्य बात यह है कि डेंगू का मच्छर दिन में ही काटता है और यह जमीन से केवल 2 फीट की उंचाई तक ही उड़ पाता है। अतः इससे बचाव के लिए ऐसे कपड़े पहनें, जिनमें आपके पैर पूरी तरह ढंके हों। आमतौर पर मच्छर काटने के चार से छह दिनों के बाद इस बीमारी के लक्षण नजर आने लगते हैं। आठ-दस दिनों तक लगातार बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों और जोड़ों में तेज दर्द जैसे लक्षण नजर आते हैं। इसके अलावा थकान, जी मिचलाना, वॉमिटिंग और त्वचा पर लाल रंग के चकत्ते जैसे लक्षण भी नजर आते हैं। गंभीर मामलों में प्लेटलेट्स तेजी से नीचे गिरना, नाक या मसूड़ों से खून गिरना और सांस लेने तकलीफ जैसे लक्षण भी नजर आते हैं। मरीज की ऐसी अवस्था को डेंगू शॉक सिंड्रोम कहा जाता है। ऐसी स्थिति में मरीज को बिना देर किए नजदीकी अस्पताल ले जाना चाहिए।

बचाव-उपचार: घर की छत, बालकनी या आंगन में खाली बर्तन, गमला, बाल्टी या कोई ऐसी चीजें न रखें, जहां पानी जमा होने या मच्छर पनपने का खतरा हो। अपने घर के घर कोने की नियमित सफाई करें। इस मौसम में घर के भीतर इंडोर प्लांट न रखें। खिड़कियों और दरवाजे पर जाली वाले डबल डोर की व्यवस्था रखें। मच्छर भगाने वाले स्प्रे या लोशन का इस्तेमाल करें। बेहतर यही होगा कि रात को सोते समय मच्छरदानी का इस्तेमाल करें। अपने घर के आस-पास सामुदायिक स्तर पर फॉगिंग की व्यवस्था करें। पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें। अगर घर में बच्चे हैं तो उनकी सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें।

डेंगू के लक्षण दिखने पर सबसे पहले अपने नजदीकी अस्पताल में डेंगू एस-1 नामक जांच कराएं। इससे बीमारी का पता चल जाता है। अगर बुखार जैसे लक्षणों के साथ प्लेटलेट्स की संख्या 20,000 से कम होती है तो इसे खतरे का संकेत माना जाता है। ऐसी स्थिति में डॉक्टर 48 घंटे के अंतराल पर दोबारा प्लेटलेट्स काउंट की सलाह देते हैं। कई बार मशीन की काउंटिंग और मैनुअल काउंटिंग तरीके से किए गए काउंटिंग के रिजल्ट में काफी अंतर आता है क्योंकि जब कई प्लेटलेट्स आपस में चिपके होते हैं तो मशीन अपनी गिनती में कई प्लेटलेट्स को भी एक ही काउंट करता है, ऐसी स्थिति में डॉक्टर मैनुअल काउंटिंग के रिजल्ट को अधिक विश्वसनीय मानते हैं। अगर बुखार हो तो अपने मन से कोई दवा न लें, इससे तबियत और ज्यादा बिगड़ सकती है। आराम करें, अधिक मात्रा में नारियल पानी, नीबू पानी और जूस जैसे तरल पदार्थों का सेवन करें। निरंतर डॉक्टर के संपर्क में रहें और सभी निर्देशों का पालन करें। ज्यादा गंभीर स्थिति में मरीज को अस्पताल में भर्ती कराके अलग से प्लेटलेट्स चढ़ाने की जरूरत पड़ती है।

डेंगू से जुड़े भ्रम से बचें: केवल प्लेटलेट्स का घटना डेंगू का लक्षण नहीं होता और न ही केवल प्लेटलेट्स चढ़ाना डेंगू का एकमात्र उपचार है। आमतौर पर आराम करने और तरल पदार्थों का सेवन करने के बाद शरीर में इनकी संख्या अपने आप बढ़ जाती है। प्लेटलेट्स काउंट को लेकर भी लोगों के मन में काफी डर बना हुआ है। अगर इसकी संख्या 20,000 से नीचे पहुंच जाए तभी व्यक्ति अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत महसूस होती है, अन्यथा पानी, जूस, छाछ जैसे तरल पदार्थों का सेवन करके इस स्थिति में सुधार लाया जा सकता है। आमतौर पर यह धारणा प्रचलित है कि पपीते के पत्ते का रस या बकरी के दूध के सेवन से प्लेटलेट्स की संख्या तेजी से बढ़ती है, लेकिन इस बात का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है। इसलिए बेहतर यही होगा कि डेंगू के लक्षण नजर आने पर डॉक्टर से सलाह लें और उनके निर्देशों का पालन करें।

मलेरिया के कारण-लक्षण

यह बीमारी मुख्य रूप से मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से फैलती है। डेंगू के विपरीत यह मच्छर दिन के बजाय रात में काटता है। इसके काटने के 7 से 30 दिनों के बाद इसके लक्षण नजर आ सकते हैं। ठंड लगना, कंपकंपी के साथ तेज बुखार, जो कई बार 47 से 72 घंटे की अवधि में बारी-बारी से चढ़ता-उतरता रहता है। इस दौरान बुखार उतरते समय ज्यादा पसीना आना, मांसपेशियों में दर्द और वॉमिटिंग जैसी समस्या हो सकती है। इसके अलावा सांस लेने में तकलीफ के साथ गंभीर मामलों में किडनी और लिवर फेल होने की समस्या भी हो सकती है।

बचाव और उपचार: इससे बचाव के लिए घर के आस-पास पानी जमा न होने दें। मच्छर नाशक स्प्रे का छिड़काव करें, गर्भवती महिलाओं और बच्चों का विशेष ध्यान रखें। इसके उपचार के लिए मलेरिया रोधी दवाओं की मदद ली जाती है। इस मौसम में बुखार होने पर बिना देर किए डॉक्टर से सलाह लें। इस बात का ध्यान रखें कि उपचार बीच में अधूरा न छोड़ें, इससे दोबारा बुखार होने की आशंका रहती है। अगर सही समय पर उपचार मिल जाए तो मरीज पूरी तरह स्वस्थ हो जाता है।

चिकनगुनिया के कारण-लक्षण

यह बीमारी एडिज एजिप्टी और एडिज एल्बोपिक्ट्स नामक मच्छर के काटने से फैलती है। ये मच्छर मुख्यतः सुबह या दोपहर के बाद काटते हैं। ये भी रुके हुए पानी में अंडे देते हैं। इनके काटने के बाद अचानक तेज बुखार, जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द, त्वचा पर रैशेज और जी मिचलाने जैसी समस्या होती है। बुखार उतर जाने के बाद भी जोड़ों का दर्द कई महीनों तक बना रहता है। बहुत अधिक कमजोरी भी रोगी को महसूस होती है।

बचाव और उपचार: मच्छरों के पनपने को रोकने के लिए सभी उपाय इस रोग से भी बचाने में कारगर है। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए डॉक्टर आमतौर पर बुखार उतारने और जोड़ों का दर्द दूर करने की दवाएं देते हैं। ऐसी समस्या होने पर अपने मन से पेनकिलर लेने की गलती न करें, यह किडनी के लिए नुकसानदेह हो सकता है। बेहतर यही होगा कि आप डॉक्टर के सभी निर्देशों का पालन करें। *

प्रस्तुति: विनीता

मच्छरों से होने वाली अन्य बीमारियां



क्यूलेक्स नामक मच्छर के काटने से जापानी इंसेफलाइटिस नामक बुखार होने का खतरा रहता है। इस प्रजाति के मच्छर ज्यादातर ग्रामीण इलाकों में धान के खेतों के आस-पास पाए जाते हैं। इसके काटने के बाद होने वाला बुखार कई बार जानलेवा भी साबित होता है। मच्छर जनित यह बीमारी व्यक्ति के मस्तिष्क में सूजन पैदा करती है। बुखार के साथ वॉमिटिंग, सिरदर्द और गर्दन में अकड़न जैसी समस्या भी हो सकती है। ज्यादा गंभीर स्थिति होने पर मरीज बेहोश हो जाता है। इसके लिए कोई विशेष दवा नहीं है। केवल बुखार में दी जाने वाली दवाओं की मदद से डॉक्टर इसके लक्षणों को नियंत्रित करने की कोशिश करते हैं। इसके अलावा लिंफेटिक फाइलेरिया या हाथी पांव नामक बीमारी भी मच्छर के काटने होती है, इस बीमारी में मरीज का पैर हाथी की तरह सूज जाता है, इसलिए इसे हाथी पांव फाइलेरिया भी कहा जाता है। यह बीमारी वुचेरिया बैंक्रोप्टी नामक धागे जैसी कृमि के कारण होती है। इस कृमि से संक्रमित व्यक्ति को जब मच्छर काटता है, तो मच्छर के अंदर माइक्रोफाइलेरिया का यह लार्वा चला जाता है और मच्छर के भीतर विकसित होकर संक्रामक रूप धारण कर लेता है। फिर वही संक्रमित मच्छर जब किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटता है तो संक्रामक लार्वा त्वचा के जरिए व्यक्ति के लिंफोटिक सिस्टम में पहुंच जाता है, यह लार्वा कृमि बनकर वर्षों तक व्यक्ति के शरीर में जीवित रहता है और उसके लिंफोटिक सिस्टम पर हमला कर देता है, जिससे उसके पैरों में सूजन आ जाती है। इसके लक्षण कई साल बाद भी नजर आ सकते हैं। फाइलेरिया से बचाव के लिए अभी कोई टीका उपलब्ध नहीं है, लेकिन इसके उपचार के लिए दवाएं उपलब्ध हैं।

प्रिकॉशन

डॉ. श्रेया गुप्ता

कंसल्टेंट-ऑप्थेल्मोलॉजिस्ट

श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली

बारिश के मौसम में आंखों में होने वाला कॉमन वायरल या बैक्टीरियल इंफेक्शन है कंजंक्टिवाइटिस, जिसे आई फ्लू भी कहते हैं। ये कैसे होता है, इसके संक्रमण से कैसे बच सकते हैं और इसका उपचार क्या होता है? इस बारे में एक्सपर्ट डॉक्टर डिटेल में बता रहे हैं।

आई फ्लू से बचाव के लिए आंखों की करें प्रॉपर केयर



बारिश और उमस के मौसम में आई फ्लू यानी आंखों का संक्रमण तेजी से फैल सकता है। इसे कंजक्टिवाइटिस भी कहा जाता है। इसमें आंखें लाल होने के साथ जलन, खुजली और पानी आने जैसी समस्या हो सकती हैं। कई बार आंखों में सूजन भी आ जाती है और ऐसा लगता है जैसे आंख में कुछ चला गया हो। यह संक्रमण बच्चों से लेकर बड़ों तक किसी को भी हो सकता है और एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में आसानी से फैल सकता है। खासतौर पर जब लोग संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आते हैं या उसकी इस्तेमाल की हुई चीजों को छूने के बाद अपनी आंखों को छूते हैं, तब संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए आंखों में अचानक लालिमा, ज्यादा पानी आने या चिपचिपा पदार्थ निकलने जैसे लक्षण दिखाई दें, तो इसे सामान्य समस्या समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

क्या है आई फ्लू: आई फ्लू आंख की बाहरी परत कंजंक्टाइवा में होने वाला संक्रमण है। यह संक्रमण वायरस या बैक्टीरिया के कारण हो सकता है। वायरल आई फ्लू ज्यादा कॉमन है और कई बार सर्दी-जुकाम के साथ भी हो सकता है। संक्रमित व्यक्ति की आंखों के संपर्क में आने, उसके तौलिए, रुमाल या तकिए जैसी चीजों का इस्तेमाल करने से भी संक्रमण फैल सकता है। इसके अलावा आंखों को छूने के बाद बिना हाथ धोए दूसरी चीजों को छूना और फिर उन्हीं हाथों से आंखों को छूना भी संक्रमण फैलने का एक कारण हो सकता है। यही वजह है कि आई फ्लू होने पर व्यक्तिगत साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना जरूरी है। संक्रमित व्यक्ति को भी कोशिश करनी चाहिए कि वह बार-बार अपनी आंखों को न छुए और आंखों को छूने के बाद हाथ अच्छी तरह साबुन से धो लें।

आई फ्लू के प्रमुख लक्षण: आई फ्लू होने पर आंखों में लालिमा, पानी आना, जलन और खुजली हो सकती है। कई लोगों को आंख में कुछ पड़ा होने जैसा महसूस होता है और बार-बार आंखों को रगड़ने का मन करता है। आंखों से चिपचिपा या सफेद-पीला पदार्थ निकलने के कारण सुबह पलकें आपस में चिपक सकती हैं। कुछ मामलों में रोशनी देखने में परेशानी और आंखों के आस-पास हल्की सूजन भी हो सकती है। संक्रमण एक आंख से शुरू होकर दूसरी आंख तक भी पहुंच सकता है। कुछ लोगों में इसके साथ हल्की परेशानी या असहजता बनी रहती है, जबकि कुछ मामलों में लक्षण ज्यादा परेशान करने वाले हो सकते हैं। अगर आंखों की लालिमा लगातार बढ़ रही हो या नजर पर असर पड़ रहा हो तो डॉक्टर से जांच कराना जरूरी है।

कैसे करें बचाव: आई फ्लू से बचने के लिए सबसे जरूरी है हाथों की सफाई का ध्यान रखना। आंखों को बार-बार हाथ न लगाएं और आंखों को रगड़ने से बचें, क्योंकि इससे संक्रमण और जलन दोनों बढ़ सकते हैं। संक्रमित व्यक्ति का तौलिया, रुमाल, तकिया, आई मेकअप या कॉन्टेक्ट लेंस साझा न करें। अगर परिवार में किसी को आई फ्लू है तो उसके इस्तेमाल की चीजों को अलग रखें और कोशिश करें कि संक्रमित व्यक्ति की आंखों से निकलने वाले पानी या डिस्चार्ज के सीधे संपर्क में न आएं। बार-बार हाथ धोना संक्रमण को फैलने से रोकने में मदद करता है। स्कूल जाने वाले बच्चों में भी इन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि बच्चों के बीच संक्रमण तेजी से फैल सकता है। आंखों को छूने से पहले और बाद में हाथ साफ रखना सबसे आसान और प्रभावी बचाव के तरीकों में से एक है।



आई फ्लू होने पर क्या करें: आई फ्लू के ज्यादातर वायरल मामलों में संक्रमण कुछ दिनों में अपने आप ठीक हो सकता है। इस दौरान आंखों को आराम दें और डॉक्टर की सलाह के अनुसार आई ड्रॉप का इस्तेमाल करें। आंखों में बिना सलाह के एंटीबायोटिक या स्टेरॉयड वाली ड्रॉप न डालें, क्योंकि हर तरह के आई फ्लू में एक जैसी दवा की जरूरत नहीं होती। आंखों पर साफ कपड़े से ठंडी पट्टी रखने से जलन और असहजता में राहत मिल सकती है। अगर कॉन्टेक्ट लेंस का इस्तेमाल करते हैं तो संक्रमण के दौरान इसे पहनने से बचें। आंखों को साफ रखने के लिए डॉक्टर की सलाह का पालन करें और किसी दूसरे व्यक्ति की इस्तेमाल की हुई आई ड्रॉप अपनी आंखों में न डालें। अगर लक्षण लगातार बने रहें या बढ़ते जाएं तो खुद से इलाज करने के बजाय आंखों के डॉक्टर से जांच कराना बेहतर है।

बिल्कुल ना बरतें लापरवाही: आई फ्लू या कंजंक्टिवाइटिस होने पर अगर आंखों में तेज दर्द हो, दिखाई देने में परेशानी हो, रोशनी बिल्कुल सहन न हो, आंखों में ज्यादा सूजन हो या समस्या लगातार बढ़ रही हो तो तुरंत आंखों के डॉक्टर से जांच करानी चाहिए। खासकर बच्चों में लक्षण दिखाई देने पर लापरवाही नहीं करनी चाहिए। अगर आंखों से ज्यादा डिस्चार्ज निकल रहा है, नजर धुंधली हो रही है या कुछ दिनों में लक्षणों में सुधार नहीं हो रहा है, तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। कुछ अन्य आंखों की समस्याओं में भी लालिमा और दर्द जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं, इसलिए हर लाल आंख को सिर्फ आई फ्लू मानकर घर पर इलाज करना सही नहीं है। समय पर जांच कराने से सही कारण पता चल सकता है और जरूरत के अनुसार इलाज शुरू किया जा सकता है। याद रखें, आई फ्लू आम संक्रमण है, लेकिन इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। साफ-सफाई का ध्यान रखकर और संक्रमित व्यक्ति से दूरी बनाकर इसके फैलाव को काफी हद तक रोका जा सकता है। हाथों को नियमित रूप से धोना, आंखों को न रगड़ना, व्यक्तिगत सामान साझा न करना और डॉक्टर की सलाह के बिना कोई दवा या आई ड्रॉप इस्तेमाल न करना संक्रमण से बचाव में मददगार हो सकता है। अगर घर में किसी सदस्य को आई फ्लू हो गया है तो बाकी लोगों को भी स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना चाहिए। आंखों में लगातार परेशानी, दर्द या नजर में बदलाव होने पर समय गंवाए बिना डॉक्टर से संपर्क करना ही सबसे सुरक्षित तरीका है। *

प्रस्तुति: सेहत फीचर्स





अनोखी दुनिया से रूबरू कराता है द वन का टीजर

नई दिल्ली। बड़े पर्दे पर एक अनदेखी दुनिया की झलक लेकर आया है 'द वन'का टीजर। सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की फ्रेश जोड़ी पहली बार एक साथ नजर आ रही है और दोनों एक ऐसी रहस्यमयी दुनिया में दाखिल होते दिखाई देते हैं, जहां हर कदम के साथ एक नया रहस्य सामने आता है। 'द वन' 25 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बालाजी मोशन पिक्चर्स द्वारा प्रस्तुत 'द वन'का टीजर हिंदी सिनेमा में कम देखी गई फोकलोर की एक अनोखी दुनिया से रूबरू कराता है। प्राचीन मान्यताओं, रहस्यों और अलौकिक शक्तियों से जुड़ी इस दुनिया की पहली झलक ही दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा देती है।

लाइफ Style

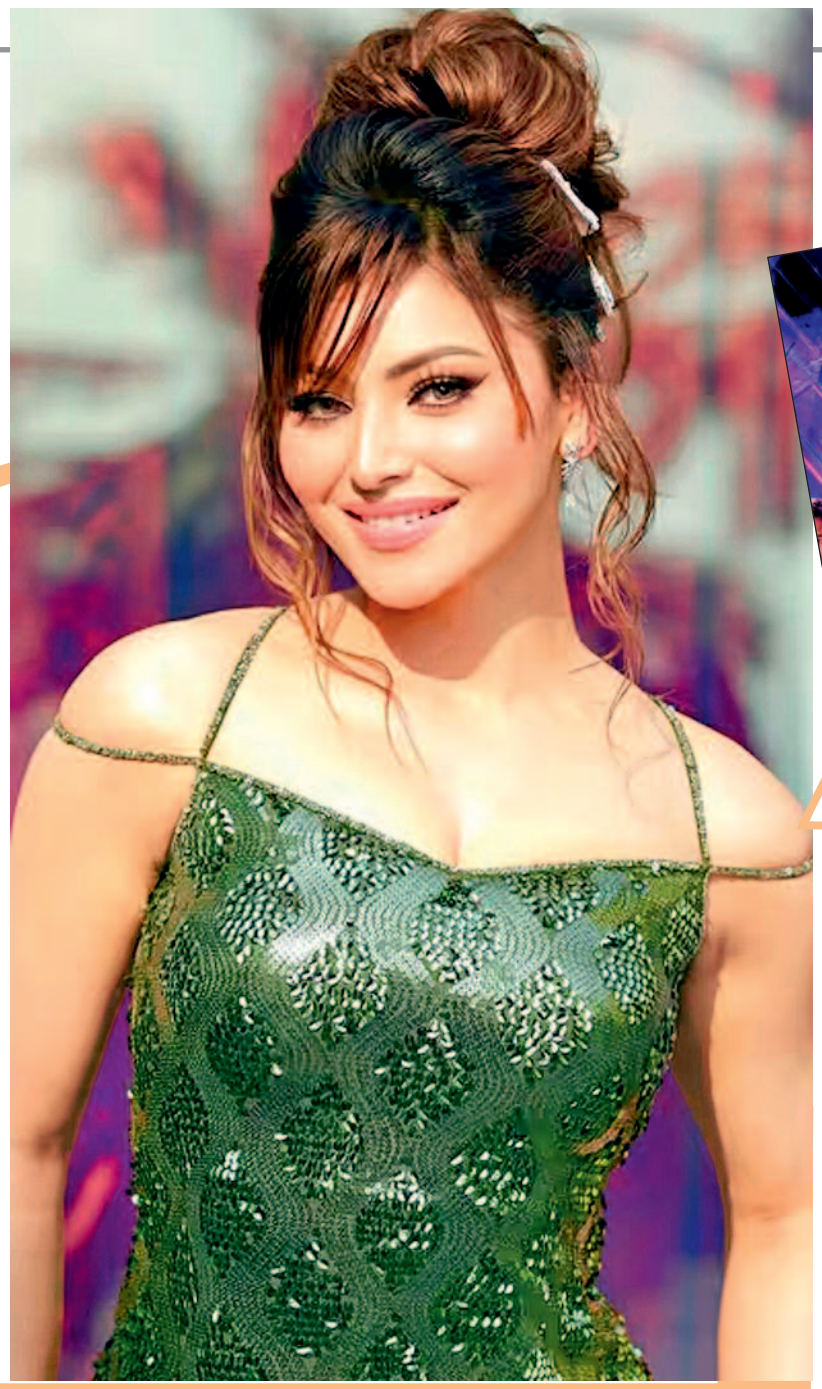
उर्वशी

देश को अपनी पहचान के रूप में साथ रखती हूं

एजेंसी ⏭ मुंबई

एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला ने हाल ही जयपुर में हुए मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 के ग्रैंड फिनाले में तिरंगा से इंस्पायर्ड गाउन पहना था, जिस पर खूब विवाद हुआ। गाउन में न सिर्फ केसरिया, हरे और सफेद रंग की झलक थी, बल्कि अशोक चक्र से इंस्पायर्ड एक डिजाइन गाउन के बीचोंबीच में भी था।

सोशल मीडिया पर लोगों ने इसे लेकर आपत्ति जताई और उर्वशी रौतेला को खूब सुनाया था। और अब एक्ट्रेस ने इस पर सफाई दी है। उर्वशी रौतेला ने इस विवाद पर एक इंटरव्यू में कहा, 'मैं अपने देश को सिर्फ राष्ट्रीयता के रूप में ही नहीं, बल्कि अपनी पहचान के रूप में साथ रखती हूं। मैं कुछ ऐसा पहनना चाहती थी, जो लोगों को केवल यह न बताए कि मैं कहां से आई हूं, बल्कि यह भी बताए कि भारत मेरे लिए क्या मायने रखता है। यहीं से इस ड्रेस की प्रेरणा मिली।' उर्वशी ने आगे कहा, 'आउटफिट का आकार, रंगों का तालमेल, सजावट, डीटेलिंग का काम और बनावट...इन सभी को फैशन के तौर पर देखा गया। इसलिए, यह सिर्फ एक ड्रेस पर तीन रंग लगाने की बात नहीं थी। यह राष्ट्रीय भावना को कलात्मक अभिव्यक्ति में बदलने की कोशिश थी।' मैं अपने देश को सिर्फ राष्ट्रीयता के रूप में ही नहीं, बल्कि अपनी पहचान के रूप में साथ रखती हूं। मैं कुछ ऐसा पहनना चाहती थी, जो लोगों को केवल यह न बताए कि मैं कहां से आई हूं, बल्कि यह भी बताए कि भारत मेरे लिए क्या मायने रखता है। यहीं से इस ड्रेस की प्रेरणा मिली। उर्वशी रौतेला ने कहा कि उनका गाउन हूबहू भारतीय राष्ट्रीय ध्वज जैसा नहीं है।



हॉलीवुड मसाला



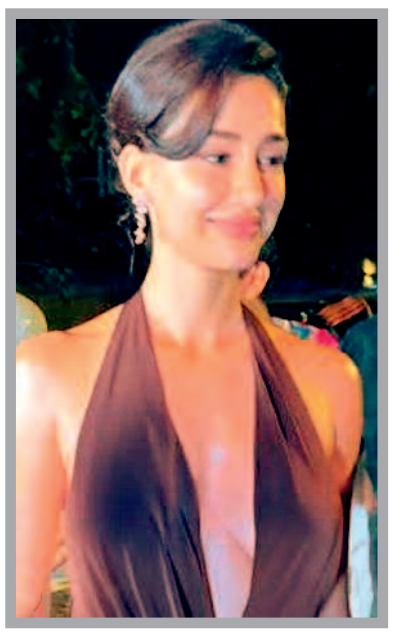
फिर सिनेमाघरों में लौटेगी
अवेंजर्स एंडगेम

लॉस एंजिल्स। 2019 में रिलीज हुई 'अवेंजर्स एंडगेम'ने पूरी दुनिया में तहलका मचा दिया था। अब फिल्म को एक बार फिर बड़े पर्दे पर देखने का मौका मिलेगा। खास बात यह है कि इस बार फिल्म में कुछ नया कंटेंट भी जोड़ा गया है। इसके साथ ही फैंस को आने वाली फिल्म 'अवेंजर्स डूम्सडे' की झलक भी देखने को मिलेगी, जो 18 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मार्वल स्टूडियोज इस सुपरहिट फिल्म को 'अवेंजर्स एंडगेम एनकोर'के नाम से भारत के सिनेमाघरों में दोबारा रिलीज करने जा रहा है। फिल्म 25 सितंबर को हिंदी, अंग्रेजी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज होगी।



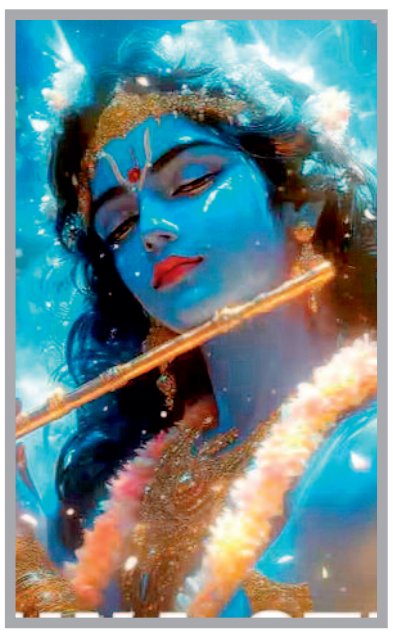
डॉली का 'कोट ऑफ मेनी कलर्स' गाना हुआ महशूर

लॉस एंजिल्स। गायिका, गीतकार और अभिनेत्री डॉली पार्टन का 80 साल की उम्र में निधन हो गया है। बेहद गरीबी में पली बढ़ीं डॉली ने मेहनत से अपनी पहचान बनाई थी। उन्होंने सैकड़ों गाने लिखे, जिनमें 'जोलिन', 'कोट ऑफ मेनी कलर्स' और 'आई विल ऑलवेज लव यू' काफी मशहूर हैं। इन गानों की दुनिया भर में 10 करोड़ से ज्यादा बिक्री हुई और 1 अरब से ज्यादा बार ऑनलाइन स्ट्रीम किया गया। डॉली पार्टन एक उदार समाजसेवी और सफल बिजनेसवुमन भी थीं। उनके प्रोजेक्ट्स में उनके जन्मस्थान के पास स्मोकी माउंटेन की तलहटी में एक थीम पार्क भी शामिल था। उन्होंने सबसे पहले चर्च में गाने गाए, जहां उनके दादाजी उपदेशक थे। 13 साल की उम्र में, उन्होंने नैशविल में 'ग्रैंड ओल ओप्री' में परफॉर्म किया।



शीला की जवानी गाने पर किया डांस...

मुंबई। दिशा पाटनी अपनी नई फिल्म 'अवारापन 2' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई कर रही है। फिल्म की सक्सेस पार्टी के वीडियो ने दिशा पाटनी को चर्चा में ला दिया है। 34 साल की दिशा पार्टी में 'शीला की जवानी' गाने पर डांस करती दिखीं। यह वीडियो काफी वायरल हो रहा है। 'आवारापन 2' की सक्सेस पार्टी में दिशा 'शीला की जवानी' गाने पर डांस करती दिख रही हैं। यह गाना 'तीस मार खान' (2010) में एक्ट्रेस कैटरीना कैफ पर फिल्माया गया था। आज भी उनके सबसे यादगार डांस नंबरों में गिना जाता है। जब वह इस गाने पर डांस कर रही थीं, तो आस-पास मौजूद लोग उन्हें चीयर कर रहे थे। इस इवेंट के लिए दिशा ने हॉल्टर-नेक ड्रेस पहनी थी, जिसमें प्लंजिंग नेकलाइन और थाई-हाई स्लिट थी।



देवऋषि का नया गाना मनमोहना रिलीज

नई दिल्ली। संगीतकार और दार्शनिक देवऋषि ने श्रीकृष्ण भक्ति पर आधारित नया गीत 'मनमोहना' रिलीज किया है। जन्माष्टमी से पहले अब 'राधा की आभा में श्याम' और 'जय राधे राधे कीर्तन' भी श्रोताओं के बीच आने वाले हैं। यह गीत श्रीकृष्ण के भाव, आकर्षण और भक्तिभाव को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है और देवऋषि की कृष्ण-केंद्रित संगीत रचनाओं की नई कड़ी है। 'मनमोहना' के बाद देवऋषि की दो और श्रीकृष्ण भक्ति रचनाएं रिलीज की तैयारी में हैं। इनमें 'राधा की आभा में श्याम' और 'जय राधे राधे कीर्तन' शामिल हैं। दोनों गीत जन्माष्टमी से पहले जारी किए जाएंगे। देवऋषि ने इस बार जन्माष्टमी के लिए तीन अलग-अलग संगीत रचनाएं तैयार की हैं। तीनों का विषय श्रीकृष्ण भक्ति है, लेकिन उनकी संगीत संरचना और प्रस्तुति को अलग रखा गया है।

टीवी मसाला



जगजीत के फैन हैं अमिताभ आहिस्ता आहिस्ता गाना है पसंदीदा

नई दिल्ली। 'कौन बनेगा करोड़पति सीजन 18' के मंच पर अमिताभ बच्चन अक्सर अपनी जिंदगी, पसंद और पुराने किस्सों से जुड़े दिलचस्प खुलासे करते नजर आते हैं। शो के अपकमिंग एपिसोड में अमिताभ बच्चन एक बार फिर अपनी जिंदगी को लेकर दिलचस्प खुलासे करते दिखते हैं। बातचीत के दौरान बिग बी ने जगजीत सिंह के साथ अपनी मुलाकातों और कविता-संगीत के खूबसूरत रिश्ते पर भी बात की। दरअसल, अनुज भटनागर ने अमिताभ को बताया कि काम के दौरान दिनभर की थकान के बाद वह गजलें सुनना पसंद करते हैं। उन्होंने खुद को जगजीत सिंह का फैन बताया और शो में उनकी एक गजल भी सुनाई। इसके बाद अनुज ने अमिताभ से सीधे सवाल कर लिया कि उन्हें जगजीत सिंह की कौन-सी गजल सबसे ज्यादा पसंद है। इस सवाल पर अमिताभ ने बिना देर किए जगजीत सिंह की गजल 'आहिस्ता आहिस्ता'का नाम लिया। उन्होंने कहा, 'हम बहुत सारी गजल सुनते रहते हैं, कभी-कभी संगीत वगैरह का भी आनंद लेते रहते हैं। एक जगजीत जी की 'आहिस्ता आहिस्ता' बहुत शानदार गजल है, जो कि मुझे बहुत पसंद है'। बात सिर्फ पसंदीदा गजल तक सीमित नहीं रही। अनुज ने अमिताभ से पूछा कि क्या जगजीत सिंह के साथ उनकी कोई ऐसी याद है, जिसे वह आज भी याद करते हैं। सवाल का संदर्भ अमिताभ के पिता और मशहूर कवि हरिवंश राय बच्चन से भी जुड़ा था, क्योंकि उनका भी जगजीत सिंह के साथ काम करने का संबंध रहा है। अमिताभ ने बताया कि जगजीत सिंह के साथ उनकी कई मुलाकातें हुई थीं।

मुश्किलों से जूझ रही युवा पीढ़ी को दिया पैगाम

नई दिल्ली। टीवी अभिनेत्री अदिति शर्मा ने हाल ही में मुंबई पुलिस से संपर्क किया और अपने पति अभिनीत कौशिक और उनके परिवार पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाया। कई टीवी शो में काम कर चुकीं अभिनेत्री ने गोरेगांव पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। एक बातचीत में अभिनेत्री ने कहा 'सच कहूं तो, कुछ स्थितियों और फैसलों से बाहर निकलने में बहुत समय लगता है। मैं बस यही उम्मीद करती हूं कि जो भी लड़कियां और लड़के ऐसी स्थितियों से गुजर रहे हैं, उन्हें जरूरी हिम्मत मिले और अपने परिवार का साथ मिले। प्लीज मेडिटेशन करें। मुझे लगता है कि इससे वाकई मदद मिलती है।' अदिति ने आगे कहा 'मैंने पहले कभी इस बारे में कुछ नहीं कहा और बाद में भी कुछ नहीं कहा, क्योंकि मैं बहुत प्राइवेट इंसान हूं। इसलिए मैं अपनी भावनाएं अपने तक ही रखती हूं। यही जिंदगी है। आपको अपनी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। तो, मैं बस वही कर रही हूं।' पुलिस को दिए अपने बयान में अदिति ने बताया कि अभिनीत से उनकी मुलाकात जून 2021 में अभिनीत से हुई थी।



इस साल आएंगी ये मोस्ट अवेटेड इंडियन हॉरर फिल्में

नई दिल्ली। कई लोगों को हॉरर फिल्में पसंद हैं। हर भाषा में हॉरर फिल्में बनती हैं और अगर आप भी हॉरर फिल्मों के शौकीन हैं तो आपको बताते हैं अपकमिंग हॉरर फिल्मों के बारे में। यह सिर्फ हिंदी ही नहीं बल्कि तमिल, ओडिया भाषा में आ रही हैं। भाषा भले ही अलग हो, लेकिन फिल्म में हॉरर आपको भरपूर मिलने वाला है तो चलिए बताते हैं आपको अपकमिंग इंडियन हॉरर फिल्मों के बारे में।

इम्मॉर्टल : इम्मॉर्टल एक तमिल फैंटेसी-हॉरर थ्रिलर फिल्म है। यह फिल्म 4 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म को मरियप्पन चिन्ना ने डायरेक्ट किया है और फिल्म में जी.वी. प्रकाश कुमार और कयादु लोहार लीड रोल में हैं। जी.वी. प्रकाश कुमार की यह 25वीं फिल्म है।

डेमोंटे कॉलोनी 3 : डेमोंटे कॉलोनी 3 एक तमिल हॉरर फिल्म है। यह फिल्म 10 सितंबर को रिलीज होगी। फिल्म को आर. अजय ज्ञानमुथु ने डायरेक्ट किया है और इसमें अरुलनिथि, प्रिया भवानी शंकर, गुरु सोमसुंदरम और मीनाक्षी गोविंदराजन हैं।

दहान: द इविल विद इन : दहान: द इविल विद इन अपकमिंग ओडिया हॉरर फिल्म है, जो 11 सितंबर 2026 को गणेश पूजा के अवसर पर सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।



कंकना : कंकना भी अपकमिंग ओडिया फैंटेसी-थ्रिलर और हॉरर फिल्म है। यह फिल्म 18 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म को पृथ्वी राज पटनायक ने डायरेक्ट किया है और फिल्म में सुप्रिया नायक, सूर्यमई मोहपात्रा, अंकिता मोहंती और चौधरी जयप्रकाश दास अहम किरदार में हैं।

नई नवेली : नई नवेली हिंदी की अपकमिंग हिंदी हॉरर कॉमेडी फिल्म है। इसमें यामी गौतम लीड रोल में हैं। फिल्म इसी साल 16 अक्तूबर को रिलीज होगी। हाल ही में इसका पोस्टर रिलीज हुआ है और फैंस इसे देखने के लिए काफी एक्साइटेड हैं। यामी की यह दूसरी हॉरर फिल्म है। इससे पहले वह भूत पुलिस में नजर आई थीं।

भाई-बहन के प्यार से भरी है हर लाइन, 57 साल बाद भी रक्षाबंधन पर खास है लता का ये प्यारा गीत

नई दिल्ली। 57 साल बीत चुके हैं, न जाने कितने नए गाने आए और रक्षाबंधन पर भाई-बहन के रिश्ते को लेकर कई गीत बने, लेकिन लता मंगेशकर की आवाज में एक पुराना गाना आज भी इस त्योहार की यादों से जुड़ा हुआ है। बात हो रही है फिल्म 'अंजाना' के गीत 'हम बहनों के लिए' की। इस गाने में एक बहन अपने भाई के लिए प्यार और दुआएं तो जताती ही है, साथ ही भगवान का शुक्रिया भी अदा करती है कि उसने बहनों की हिफाजत के लिए भाइयों को बनाया। यही सीधी और दिल को छू लेने वाली बात इस गीत को आज भी रक्षाबंधन पर खास बना देती है।



राजेंद्र और नाजिमा पर फिल्माया गया था गीत

'हम बहनों के लिए' फिल्म 'अंजाना' का गाना है, जो 1969 में रिलीज हुई थी। पर्दे पर इस गीत को राजेंद्र कुमार और नाजिमा पर फिल्माया गया था। गाने के दृश्य भी भाई-बहन के रिश्ते की गर्मजोशी को उसी सादगी के साथ दिखाते हैं, जिस तरह इसके बोल लिखे गए हैं। रक्षाबंधन के मौके पर राखी बांधती बहन और उसके प्यार को दिखाता यह गीत फिल्म की कहानी से आगे बढ़कर भाई-बहन के रिश्ते से जुड़ी यादों का हिस्सा बन गया।

रक्षाबंधन पर आज भी खूब सुना जाता है ये गाना

फिल्मों में भाई-बहन के रिश्ते पर कई यादगार गाने बने हैं, लेकिन 'हम बहनों के लिए' की बात कुछ अलग है। इसमें न कोई बड़ी कहानी है और न ही भारी-भरकम बातें। बस एक बहन है, उसका भाई है और दोनों के बीच का प्यार है। शायद यही वजह है कि 57 साल बाद भी रक्षाबंधन आते ही यह गाना लोगों की प्लेलिस्ट में अपनी जगह बना लेता है। गाने में बहन जिस तरह अपने भाई के लिए प्यार जाहिर करती है, वह रक्षाबंधन के उस भाव को सीधे पकड़ लेता है, जो इस रिश्ते को खास बनाता है।

आनंद के सीधे-सादे बोल : इस गाने को लता मंगेशकर ने अपनी आवाज दी थी। लता मंगेशकर की आवाज की मिठास, आनंद बक्शी के सीधे-सादे बोल और लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल की धुन ने इस गाने को ऐसा रंग दिया कि इसे सुनते ही भाई-बहन के रिश्ते का स्नेह महसूस होने लगता है।

राज कपूर के साथ रहकर सिनेमा की बारीकियां सीखी

डायरेक्टर कुकू को फूल और कांटे से मिली थी कामयाबी

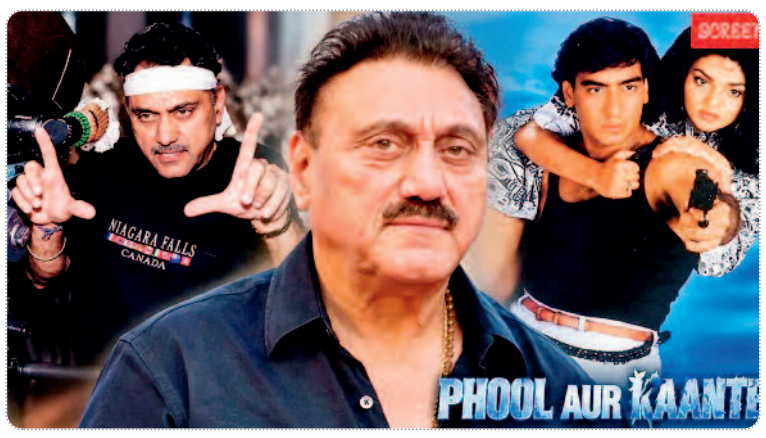
नई दिल्ली। 4 जून 1949 को पेशावर में जन्मे अवतार कोहली (कुकू कोहली) एक डायरेक्टर, राइटर, एडिटर और स्क्रीनराइटर थे, जिन्होंने भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में तीन दशक से ज्यादा समय बिताया। अपने कॅरियर की शुरुआत में, उन्होंने मशहूर फिल्ममेकर राज कपूर के साथ मिलकर काम किया और बॉबी, प्रेम रोग और सत्यम शिवम सुंदरम जैसी फिल्मों में उनकी मदद की, जिससे उन्हें अपना हुनर निखारने का मौका मिला। बाद में उन्होंने 'बेताब' फिल्म में सेकंड-यूनिट डायरेक्टर के तौर पर काम किया। इसी फिल्म से सनी देओल और अमृता सिंह ने डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने सनी देओल और डिंपल कपाड़िया स्टारर फिल्म अर्जुन पर काम किया। उन्हें सबसे बड़ी कामयाबी 1991 में फूल और कांटे फिल्म से मिली, जिससे अजय देवगन ने लीड एक्टर के तौर पर डेब्यू किया और यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर डायमंड जुबली हिट साबित हुई।

कोहली की फिल्में

अपने कॅरियर के शुरुआती दौर में, उन्होंने कई वर्षों तक राज कपूर के साथ काम किया, जहां उन्होंने अपने कौशल को निखारा। कुकू कोहली फिल्म उद्योग में 30 से अधिक वर्षों से थे।। वे फिल्म ' बेताब' के द्वितीय इकाई निर्देशक थे, जिसने सनी देओल और अमृता सिंह को लॉन्च किया और दोनों को स्टारडम तक पहुँचाया, क्योंकि यह एक स्वर्ण जयंती फिल्म थी। एक और फिल्म 'अर्जुन' थी जिसमें सनी देओल और डिंपल कपाडिया ने अभिनय किया था, जो एक रजत जयंती फिल्म थी। इसके बाद, उन्होंने फूल और कांटे का निर्देशन किया, जिसने हीरक जयंती का दर्जा हासिल किया और अजय देवगन की लोकप्रियता को बढ़ाया। इसके बाद, उन्होंने धर्मेंद्र अभिनीत 'कोहराम, अजय देवगन, अक्षय कुमार, करिश्मा कपूर अभिनीत सुहाग और नगमा का निर्देशन किया, जो एक बार फिर स्वर्ण जयंती फिल्म थी। हकीकत में अजय देवगन और तब्बू ने अभिनय किया था। इसे फिल्मफेयर पुरस्कारों के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक सहित 7 श्रेणियों में नामांकित किया गया था।

कोहली को इसी फिल्म के लिए स्क्रीन अवाड्र्स में वर्ष के सर्वश्रेष्ठ निर्देशक के रूप में भी नामांकित किया गया था। उनकी निर्देशित फिल्म जुल्मी थी जिसमें अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना ने अभिनय किया था । यह फिल्म भी हर जगह सफल रही थी। उनकी अगली फिल्म अनाड़ी नंबर 1 थी जिसमें गोविंदा ने दोहरी भूमिका निभाई थी। इसके बाद उन्होंने ये दिल आशिकाना बनाई। इस फिल्म से संगीतकार नदीम-श्रवण ने संगीत जगत में वापसी की। उनकी आखिरी निर्देशित फिल्म वो तेरा नाम था थी जिसमें अर्जन बाजवा और कांची कौल ने अभिनय किया था।

फूल और कांटे की कामयाबी के बाद कुकू कोहली ने कई यादगार फिल्में डायरेक्ट कीं, जिनमें धर्मेंद्र के साथ कोहराम और अजय देवगन, अक्षय कुमार और करिश्मा कपूर के साथ सुहाग शामिल हैं। उन्होंने अजय देवगन, तब्बू और अमरीश पुरी के साथ हकीकत भी डायरेक्ट की।



पर्सनल लाइफ, पत्नी और बच्चे

कुकू कोहली ने 1990 में मशहूर एक्ट्रेस अरुणा ईरानी से शादी की थी। इस कपल की अपनी कोई संतान नहीं थी। यह कुकू कोहली की दूसरी शादी थी। अपनी पहली पत्नी रीटा कोहली से उनकी दो बेटियां थीं। उनके निधन के साथ ही 1990 के दशक के बॉलीवुड कमर्शियल सिनेमा का एक अहम अध्याय खत्म हो गया- एक ऐसा दौर जिसे उन्होंने उस समय के कई बड़े सितारों के साथ काम करके आकार देने में मदद की थी।

भाजपा की समन्वय बैठक में सरकार और संगठन के बीच तालमेल पर जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रधानमंत्री आवास और महतारी वंदन योजना, केंद्र व राज्य प्रायोजित योजनाओं के प्रचार प्रसार के निर्देश

छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की दो दिवसीय मैराथन समन्वय बैठक का दूसरा दिन संगठन और सरकार के बीच तालमेल और आगामी रणनीतियों पर केंद्रित रहा। बैठक के मुख्य बिंदु प्रधानमंत्री आवास योजना और महतारी वंदन योजना जैसी केंद्र व राज्य प्रायोजित योजनाओं की जमीनी हकीकत और उनके प्रचार-प्रसार को लेकर विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई। क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल और संगठन मंत्री पवन साय एक-एक जिले की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में जिला अध्यक्ष, प्रभारियों सहित मंत्रियों को भी बुलाया गया था। गौरतलब है, संगठन बैठक के माध्यम से एक बार फिर मंत्रियों के कामकाज का फीडबैक पदाधिकारियों के माध्यम से ले रहा है। भाजपा प्रदेश मुख्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में लगातार दूसरे दिन मैराथन बैठकों का दौर जारी रहा। संगठन की ओर से अलग-अलग जिलों की समीक्षा कर आगामी कार्ययोजनाओं और संगठनात्मक मजबूती को लेकर विस्तार से मंथन किया गया। दूसरे दिन 17 जिलों की समीक्षा की गई। क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल और प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने प्रत्येक जिले के प्रभारी मंत्री के साथ जिलाध्यक्ष, संभाग प्रभारी-सह प्रभारी, जिला प्रभारी और विधायकों को बैठाकर फीडबैक लिया। प्रदेश मंडल, जिला इकाई से लेकर विधानसभा स्तर तक के पदाधिकारियों के साथ आगामी राजनीतिक गतिविधियों पर चर्चा की गई। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने को लेकर आगे की रणनीति पर मंथन किया गया।



मंत्रियों को जिलों का दौरा करने के निर्देश

सूत्रों के अनुसार अधिकतर जिलों के पदाधिकारियों ने प्रभारी मंत्रियों के सामने शिकायत की कि कार्यकर्ताओं के काम नहीं हो रहे हैं और अधिकारी संगठन की बात नहीं सुनते। प्रभारी मंत्रियों के जिलों में दौरे कम होने और बिजली बिल को लेकर जनता में नाराजगी का मुद्दा भी उठा। कुछ विधायकों ने कहा, मंत्रियों को बार-बार पत्र लिखने के बावजूद कार्रवाई नहीं होती। इन शिकायतों पर निर्देश दिया गया कि नियमित रूप से प्रभार वाले जिलों का दौरा करें और जनता की जरूरतों को समझें।



खबर संक्षेप

दो बाइक में भीषण टक्कर, दो की मौत

धमतरी। मंगलवार की रात्रि बोरई थाना के पास दो बाइक के बीच जोरदार भिडंत हो गई। इस घटना में बाइक में सवार दो लोगों की मौत हो गई है, वहीं चार लोग घायल है। अस्पताल पुलिस चौकी के अनुसार उड़ीसा के रायघर थाना नबरंगपुर निवासी अभय सतनामी पिता बुधुराम उम्र 51 वर्ष मजदूरी का काम करता था। मंगलवार को गांव के गुरूबारू सतनामी व मुन्नु सतनामी के साथ वह किसी काम से बाइक से नगरी आया था। काम निबटाने के बाद तीनों बाइक में सवार होकर रात्रि में बोरई होते हुए अपने घर उड़ीसा लौट रहे थे। बोरई थाना के सामने ट्रिपल सवार बाइक से उनकी आमने सामने की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक में सवार गुरुबारु सतनामी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं अभय सतनामी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना में दूसरी बाइक में सवार तीनों को व मुन्नु सतनामी को गंभीर चोट लगी है। इस घटना में दोनों बाइक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। घायल अभय को उपचार के लिए बोरई अस्पताल पहुंचाया गया। जहां से नगरी सिविल अस्पताल लाया गया। घायल की गंभीर हालत को देख प्राथमिक उपचार के बाद उसे धमतरी रिफर कर दिया गया।

खेत में मिले गांजे के 850 पौधे

भानुप्रतापपुर। कांकेर जिले में भानुप्रतापपुर थाना क्षेत्र के ग्राम भूरसा तरहुल में पुलिस ने एक ग्रामीण के खेत से गांजे के 850 से अधिक पौधे बरामद किए हैं। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने कहा है कि वह खुद के उपयोग के लिए गांजा उगा रहा था। फिलहाल पुलिस इस मामले से जुड़े हर पहलू की जांच कर रही है। पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम भूरसा तरहुल निवासी सुभाष कोरेटी अपने घर से लगे खेत में गांजे की खेती कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और खेत की जांच की। तलाशी के दौरान बड़ी संख्या में गांजे के पौधे मिले, जिन्हें पुलिस ने जब्त कर लिया। आरोपी अपने घर से लगे खेत में गांजे की खेती कर रहा था।

ओडिशा सीमा पर बड़ी मात्रा में नक्सल डंप बरामद

जगदलपुर। ओडिशा पुलिस ने बुधवार सुबह बस्तर की सरहदी इलाके से बड़ी मात्रा में नक्सलियों द्वारा पूर्व में किया गया डंप बरामद किया है। समर्पित नक्सलियों से मिली सूचना के आधार पर ओडिशा डीवीएफ द्वारा विशेष अभियान चलाकर यह कार्रवाई की गई। ओडिशा के मलकानगिरी जिले के माथिली थाना क्षेत्र में सुरक्षा बलों को माओवादियों के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। डीवीएफ ने बुधवार तड़के ओडिशा-छत्तीसगढ़ सीमा से लगे वन क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन चलाकर माओवादियों का एक बड़ा डंप बरामद किया।

नींबू काटकर बारिश रोकने के बयान पर बवाल

सांसद ने कहा; पूजा-पाठ में नारियल नींबू और अगरबत्ती तो लगती ही है

अक्सर सुर्खियों में रहने वाले कांकेर के भाजपा सांसद भोजराज नाग एक बार फिर अपने बयान को लेकर सुर्खियों में हैं। दरअसल मंगलवार को डौंडीलोहारा की सभा में उन्होंने नींबू काटकर बारिश रोक देने का दावा किया था। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी मौजूद थे। उनका यह दावा जमकर वायरल हुआ। बाद में उन्होंने अपने बयान पर सफाई भी दी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बालोद

दरअसल, बालोद जिले के डौंडीलोहारा में मंगलवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त जारी करने पहुंचे थे। इस कार्यक्रम में सांसद भोजराज नाग भी मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान बारिश की आशंका थी। सांसद भोजराज नाग ने कहा कि खराब मौसम में भी यहां आने के लिए रात 12 बजे मुख्यमंत्री का प्रोटोकॉल जारी हुआ। सोमवार से यहां मौसम खराब था, लेकिन मैं बूढ़ादेव, महादेव से प्रार्थना करके और नींबू काटके पानी को रोक दिया हूं। सांसद ने कहा- कार्यक्रम सफल हो गया है, अब पानी को गिरना है तो गिरे। नाग का बयान सुनकर कार्यक्रम में मौजूद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय समेत अन्य नेता हंसने लगे। इस दौरान सांसद भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए। उन्होंने कहा कि अब बारिश होती है तो मुख्यमंत्री का यहां रात्रि विश्राम करने में भी कोई दिक्कत नहीं है।



भोजराज नाग का वीडियो वायरल

सोशल मीडिया में बीजेपी सांसद भोजराज नाग का वीडियो वायरल हो रहा है। भाजपा सांसद के बयान पर कांग्रेस ने तंज कसा है। कांग्रेस ने कहा है कि सांसद नींबू काटकर महंगाई को क्यों नहीं रोक देते। इधर भाजाप संगठन की बैठक में भाग लेने पहुंचे सासंद भोजराज नाग ने कहा कि हमारे बस्तर की संस्कृति में नदी, पहाड़, पेड़, पानी सबकी पूजा करते हैं। वे खुद बैगा-पुजारी हैं, पूजा में नारियल नींबू, अगरबत्ती लगती ही है। भारत एक सनातन देश है, यहां पूजा-पाठ की संस्कृति है।

अभिनंदन समारोह में कार्यकाल की सराहना

चीफ जस्टिस सिन्हा का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

हाईकोर्ट आवासीय परिसर में निवासरत अधिकारी तथा कर्मचारियों ने बुधवार को चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा के सम्मान में आभार, अभिनंदन समारोह का आयोजन किया । समारोह में उनके साथ उनकी धर्मपत्नी भी उपस्थित रहीं। समारोह में उनके कार्यकाल में हुए महत्वपूर्ण कार्यों, उच्च न्यायालय के विकास, विस्तार तथा आधुनिकीकरण हेतु किए गए प्रयासों को याद किया गया। इस अवसर पर चीफ जस्टिस श्री सिन्हा ने सारगर्भित उदबोधन में हाईकोर्ट के अधिकारियों, कर्मचारियों के कार्यों की सराहना की।

उनके मार्गदर्शन मे विस्तार भवन तथा नवीन कोर्ट बिल्डिंग का निर्माण, कोर्ट परिसर में महात्मा गांधी तथा डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण, आवासीय परिसर में राष्ट्रीय ध्वज को स्थापना जैसे कार्यों ने गरिमा को बढ़ाया।



उनके कार्यकाल में आर्काइव तथा डिजिटलाईजेशन सेंटर जैसी सुविधाएँ विकसित हुई। उनके मार्गदर्शन में हाईकोर्ट में छोटे बच्चों के लिए झूलाघर स्थापित किया गया। ज्यूडिशियल एकेडमी में विवेकानंद हॉल का निर्माण, उच्च न्यायालय पसिसर में 1000 सीटर ऑडिटोरियम तथा रायपुर में गेस्ट हाउस का भूमिपूजन किया गया। ई सार्टिफाईड कापी जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं प्रारंभ की गई। उनके कार्यकाल में कर्मचारियों के लिए अनेक आवासों का निर्माण तथा आवंटन किया गया, जिससे आवासीय सुविधाओं का विस्तार हुआ। कर्मचारियों की कॉलोनी में पूर्ण समय चिकित्सक की उपस्थिति, एंटी वेनम, रैबीज वैक्सीन, सर्वसुविधायुक्त एम्बुलेंस की सुविधा तथा अग्निशामक जैसी सुविधाएँ उनके द्वारा उपलब्ध कराई गई। उनके मार्गदर्शन में वर्ष 2025 में आयोजित सिल्वर जुबली समारोह विशेष रूप से अविस्मरणीय रहा। उनके नेतृत्व में गणतंत्र दिवस तथा स्वतंत्रता दिवस जैसे समारोहों का आयोजन भी एक विशेष, भव्य एवं गरिमामय रूप में देखने को मिला।

आवासीय परिसर में किया पौधारोपण

चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा के कार्यकाल में अनेक अधिकारी तथा कर्मचारियों को पदोन्नतियां प्राप्त हुईं, वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में सीधी भर्ती के पदों पर नियुक्तियां प्रदान की गई। कर्मचारियों ने उनके कुशल कार्यकाल के लिए उन्हें आभार प्रदर्शित किया गया तथा भावी जीवन की शुभकामनाएँ प्रदान की। चीफ जस्टिस श्री सिन्हा ने इस अवसर पर आवासीय परिसर में पौधारोपण भी किया। इस अवसर पर रजिस्ट्रार जनरल रजनीश श्रीवास्तव, समस्त न्यायिक अधिकारी तथा बड़ी संख्या में कर्मचारी सपरिवार उपस्थित रहे ।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email : response.haribhoomi@gmail.com

CLASSIFIED

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड 17000 सुपरवाइजर 22000 फील्ड अधिकारी 16000 कंप्यूटर ऑपरेटर 20000 योग्यतानुसार मेस सुविधा ,आवास फ्री संपर्क:- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय:- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7746000016, 7747000016, 7747000019. (आरे-815)

Wanted- URGENT REQUIREMENT OF SECURITY GUARDS FOR REPUTED HOSPITAL OF RAIPUR आवश्यकता है: रायपुर हॉस्पिटल हेतु सिक्योरिटी गार्ड 10वीं पास वेतन 12000+PF & ESIC संपर्क Contact: 9907330741, 9826022167, 9993700020, 9907330740, 9826114377. (आरे-1344)

इलेक्ट्रीशियन

आवश्यकता है- कंपनी हेतु आवश्यकता है DRIVE पैनल संबधित हेतु इलेक्ट्रीशियन की हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर प्रोग्रामिंग कार्य आना चाहिए , श्री कालूका स्टील प्राइवेट लिमिटेड, हथखोज निरोस इस्पात कंपनी के पास भिलाई संपर्क करें:- 79740-79907 (आरे न.-4168)

हरिभूमि क्लासीफाईड

ड्रायवर

आवश्यकता है- ऑटोमेटिक कार चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। 35 साल से अधिक उम्र का होना अनिवार्य है । ड्यूटी टाईम प्रतिदिन सुबह 9 से रात 8:30 बजे तक , रविवार ड्यूटी टाईम सुबह 9 से शाम 6:00 बजे तक (सूचना :- जेसीबी, हाइड्रा, आदि जैसी गाड़ी चलाने वाले संपर्क ना करें) सैलरी 25,000/- प्रतिमाह । रहने, खाने-पीने, बाइक, पेट्रोल की व्यवस्था नहीं दी जाएगी । जो तत्काल जॉइन कर सके वही संपर्क करें, बेवजह कॉल ना करें । पता - सिविल लाईन्स, रायपुर, कॉल करने का समय सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संपर्क :- 9644720222. (आरे-15)

आवश्यकता है- डिजायर टैक्सी चलाने के लिए ड्राइवर की आवश्यकता है जिसको 3 वर्ष टैक्सी चलाने का अनुभव हो वही संपर्क करें महावीर नगर रायपुर 7697800066, 7470308181.(आरे-316)

हाऊस कीपिंग

आवश्यकता है- हाउस कीपिंग – पुरुष उम्मीदवार (इन-हाउस रहने हेतु), ऑफिस बॉय – केवल रायपुर लोकल उम्मीदवार एवं कंसल्टेंसी वाले संपर्क करें :- मो.6232022676. (आरे-309)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

सेल्स/टेक्नीशियन

आवश्यकता है- मंगलम मोटर्स EV-Electric व्हीलर शोरूम में सेल्स के लिए लड़कियों और लड़कों एंव टेक्नीशियन गाडी रिपेयरिंग के लिए आवश्यकता है पता - पुराना धमतरी रोड बारले कॉम्प्लेक्स सेजबहार रायपुर मो. 9399451749 सेलरी योग्यतानुसार समय 10 से 8 (आरे-836)

वार्डन/ड्राइवर/कुक

आवश्यकता है- जैन हॉस्टल रायपुर में शाकाहारी, नशा मुक्त, अनुभवी महिला वार्डन - 1 पद, ड्राईवर- 1 पद, कुक - 1 पद, गार्ड- 1 पद ! संपर्क करें:- रहने खाने की सुविधा 8959906595. (आरे-7356)

टेलर कारीगर

आवश्यकता है- जेंट्स टेलरिंग शॉप में पेंट और सफारी सूट सिलाई कार्य के लिए अनुभवी कारीगर की आवश्यकता हैं। संपर्क करे- नेशनल टेलर्स छोटापारा 8109669000, 07712223107(आरे-251)

पैकिंग/ऑपरेटर कार्य

आवश्यकता है- ऑटोपार्ट्स की दुकान में पैकिंग एवं कंप्यूटर ऑपरेटर कार्य हेतु लड़को और लड़कियों की आवश्कता हैं। वेतन योग्यतानुसार । संपर्क - तृप्ति सेल्स कार्पोरेशन, एम. जी.रोड,रायपुर । मोबाइल 9340273375. (आरे-meeth)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

फार्महाऊस कार्य

आवश्यकता है- फार्महाऊस में कार्य के लिये एक परिवार की आवश्यकता है फार्महाऊस जुलुम गांव में टेकरी रोड पर रायपुर मे स्थित है। वेतन 15000/- दिया जाएगा साथ ही रहना बिजलीपानी मुफ्त रहेगा। संपर्क:- 9131910194, 9131655209. (आरे-061)

आवश्यकता है- रियल स्टेट हेतु मार्केटिंग कार्य के लिए लड़को(उम्र 18 से 35) की आवश्यकता वेतन योग्यतानुसार + कमीशन, पता - शंकरनगर, चौपाटी रायपुर (मिले - सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक) 9098334681. (आरे-209)

सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- एक सेल्स गर्ल्स की आवश्यकता है वेतन 10000 से स्टार्ट ओम ज्वैलर्स शॉप नंबर 64 बी प्रिया सिंगार सदन के सामने इंदिरा मार्केट दुर्ग (आरे -4169)

आवश्यकता

आवश्यकता है- मंदिर हसौद, रायपुर के ग्राम कुटेसर स्थित दो एकड़ में खेती के लिए अनुभवी व्यक्ति की । रहने एवं परिवार के अन्य सदस्य के लिए नौकरी उपलब्ध । संपर्क: 9300049800.(आरे-300)

डिलीवरी बॉय

आवश्यकता है- एक डिलीवरी बाय रायपुर निवासी (टू-व्हीलर लाइसेंस जरूरी) और ऑयल फैक्ट्री मशीन स्टाफ (फुल/पार्ट टाइम)। पता: महादेव घाट रोड, रायपुर। संपर्क: 9977067874. (आरे-398)

सेल्समैन/ऑपरेटर

आवश्यकता है- विरदी साड़ी शोरूम हेतु पुरुष और महिला , सेल्समेन, कम्प्यूटर ऑपरेटर, ड्रायवर सभी रायपुर निवासी अनिवार्य, अनुभवी को प्राथमिकता विरदी साड़ी कंकालीपारा रोड रायपुर संपर्क समय 10:30 से 9:00, 9425522577, 9425522576 . (आरे-833)

Property प्रापर्टी

प्लाट

बेचना है - हाईवे पर सरोरा खार मे 10,000 वर्गफीट प्रीमियम कॉर्नर कमर्शियल प्लॉट 240 फीट शानदार फ्रंट जिसमें 40 फीट हाईवे एवं 200 फीट डाममरोड फ्रंट पूर्व-दक्षिण मुखी, DPC व कमर्शियल डायवर्सन, NH रिंगरोड No.4, जिओ पंप के सामने, शोरूम, वेयरहाउस या स्मार्ट निवेश के लिए शानदार लोकेशन संपर्क:- रोशन अग्रवाल 8878008500. (आरे-062)

बेचना है - सरस्वती कुंज, धनोरा रोड रिसाली, भिलाई में (शांति वाटिका के पीछे) 40 फीट× 70 फीट= 2800 वर्गफीट का डाईवर्टेड और सीमांकन किया हुआ प्लॉट बेचना है। सम्पर्क करें- 7999363065, 9827471831. (आरे-41714)



हरिभूमि क्लासीफाईड

ASTROLOGY ज्योतिष

ज्योतिष तांत्रिक विशेषज्ञ



पति-पत्नि में अनबन, प्रेम विवाह, राजयोग, धनयोग, विवाह योग, संतान योग, मंत्रीयोग, राजपत्रित पद व्यापार संबंधित प्रश्न, यात्रा ट्रांसफर एवं अन्य ज्योतिष प्रश्नोता, 9 ग्रह, 27 नक्षत्र 64 योगिनी, वास्तु शास्त्र तथा अन्य प्रश्नोत्तर ज्योतिष द्वारा प्राप्त करें तंत्र द्वारा वशीकरण, विवाह किसी भी परेशानी से तत्काल लाभ प्राप्त करें।

चुनाव विजय हेतु संपर्क करें।

तांत्रिक सम्राट
डॉ. जे.पी. दुबे
तंत्र पी.एच.डी. (गोल्ड मेडलिस्ट)
गली नंबर-3, शुभकामना हॉस्पिटल के पास, दुबे कॉलोनी मोवा रायपुर
96302-33918, 9238384295
नोट: भूत, भविष्य, वर्तमान की जानकारी प्राप्त करें।
स्वामी जी प्रत्येक दिन रायपुर में मिलेंगे।
आने से पूर्व एपाइंटमेंट अवश्य लें।

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंदे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि क्लासीफाईड

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

RAIPUR SMART BUSINESS

GST ITR फाइल बनवाएं मात्र 500/-
25 वर्ष का अनुभव
• CMA Data • Balance Sheet • प्रोजेक्ट रिपोर्ट
• फूड लाइसेंस • Income Tax Audit • TDS रिफंड
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।
संपर्क: शेखर गुप्ता RIFCO Tax Consultants
C-74, सेक्टर-1, जुबेस्टा हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर
Whatsaap पर बनवाएं 9300755544, 8878655544

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

Healthcare

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।



18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

जैकेट के शेष

नेपाल में जल प्रहार....

सुबह 8:37 बजे तिब्बत इलाके में भूकंप आया और उसके तीन मिनट बाद अचानक बाढ़ आने की खबर मिली, जिससे पता चलता है कि भूकंप के झटकों की वजह से हिमनद फटा होगा और उसी से बाढ़ आई होगी। अधिकारियों ने बताया कि भोटे कोशी नदी में बाढ़ का पानी तेजी से बढ़ा, जिससे तिब्बत से लगे रसुवा और धादिंग जिले प्रभावित हुए। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) ने बताया कि नेपाल-तिब्बत सीमा पर स्थित नदी में पानी बढ़ने और चट्टानें खिसकने के कारण, रसुवा जिले के सीमावर्ती शहर तिमुरे में भोटे कोशी के जरिए त्रिशूली नदी में जबरदस्त बाढ़ आ गई।

इसके बाद बाढ़ का पानी नदी के रास्ते नुवाकोट, चितवन, गोरखा, तनहुं और नवलपरासी पूर्व जैसे अन्य जिलों में फैल गया तथा राजधानी काठमांडू से लगभग 70 से 200 किलोमीटर दूर तक के इलाकों को अपनी चपेट में ले लिया। नेपाल सरकार ने कहा कि देर रात तक 100 शव बरामद किए गए हैं और करीब 1000 लोग लापता हैं, जबकि चीन के सरकारी न्यूज चैनल ने बताया कि सीमा के चीनी हिस्से में तीन लोगों की मौत हुई और 265 लोग लापता हैं।

लीव बैलेंस कम ....

अप्रैल को मेडिकल जटिलता के कारण मिसकैरेज हो गया। दूसरे भ्रूण की गर्भावस्था को हाई रिस्क बताते हुए डॉक्टरों ने लंबे समय तक बेड रेस्ट की सलाह दी। 3 सितंबर 2019 को उन्होंने बच्ची को जन्म दिया। एफसीआई ने उनके 68 दिनों के अवकाश को एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी लीव मानकर वेतन नहीं दिया और 80,254 रुपए की कटौती की। सिंगल बेंच ने 13 मई 2026 को उन्हें मिसकैरेज और मातृत्व अवकाश के कुल 90 दिन का लाभ देने तथा कटौती की राशि वापस करने का आदेश दिया था। मेडिकल खर्च की प्रतिपूर्ति पर नियमों के अनुसार दोबारा निर्णय लेने कहा था।

खुदरा बाज़ार में ....

किलो से 34 प्रतिशत अधिक है, जबकि यह दर एक साल पहले के स्तर से 41 प्रतिशत अधिक है, जब चीनी 46.27 रुपये प्रति किलो पर उपलब्ध थी।

विशेष पिछड़े दो ....

ठहराकर विशेष तैयारी कराई गई। दिन के प्रथम सत्र में स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से भौतिकी, रसायन शास्त्र और जीव विज्ञान की ऑनलाइन कक्षाएं संचालित की गईं। इसके पश्चात विद्यार्थी संबंधित पुस्तकों और कक्षा-नोट्स का अध्ययन करते थे। शाम को आईआईटी कानपुर द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराए गए मॉक टेस्ट का अभ्यास आईपैड के माध्यम से कराया गया। गर्मी से राहत हेतु छात्रावास के कक्षों में कूलर लगाए गए तथा नियमित अंतराल पर शरबत एवं ग्लूकोज़ भी दिया जाता रहा। प्राचार्य प्रतिदिन शाम को विद्यार्थियों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन करते थे। यह गहन तैयारी अभियान लगातार 50 दिनों तक चला।

पेज एक के शेष

छग में स्वाइन फ्लू...

ज्यादा दिनों तक है तो उन्हें चिकित्सकों से संपर्क कर इसकी जांच कराने की आवश्यकता है। अब तक जो मरीज सामने आए हैं, उनमें विभिन्न वर्ग और आयु के लोग शामिल हैं तथा संतोष की बात यह है कि इसकी वजह से अब तक किसी की स्थिति गंभीर नहीं हुई है। बढ़ते मामले को ध्यान में रखते हुए विभागीय स्तर पर इसे लेकर सावधानी बरतने और वायरल जैसी समस्या लेकर आने वाले मरीजों में इसके गंभीर लक्षण नजर आने पर एच-1एन1 के सैंपल लेने के निर्देश दिए गए हैं।

अब महाराष्ट्र में हुआ पेपर...

अनियमितताओं को लेकर शिकायतें मिली थीं। आयोग ने बताया कि परीक्षा का परिणाम 12 जून को घोषित किया गया, जिसके बाद 506 अभ्यर्थी साक्षात्कार के लिए पात्र पाए गए। उसने बताया कि इनमें से 488 अभ्यर्थी एक से 22 जुलाई के बीच आयोजित साक्षात्कार में शामिल हुए। साक्षात्कार पूरा होने के बाद एमपीएससी ने 488 अभ्यर्थियों की अस्थायी सामान्य मेरिट सूची जारी की, जिनमें 485 अभ्यर्थी नियुक्ति के लिए पात्र और तीन अपात्र पाए गए।

प्रेमिका के लिए पेपर लीक ब्रेकअप...

पाटिल नाम की युवती से प्रेम संबंध था। उसने ऋतुजा को परीक्षा में पास कराने के लिए कथित तौर पर पेपर की व्यवस्था की और ऋतुजा समेत कुछ अन्य लोगों को उपलब्ध कराया। ऋतुजा परीक्षा में पास भी हो गई। हालांकि, बाद में गौरव और ऋतुजा का ब्रेकअप हो गया।पुलिस के मुताबिक, ब्रेकअप के बाद गौरव ने गुस्से में महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग को पेपर लीक होने की जानकारी दी। ड्रग इंस्पेक्टर की परीक्षा महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग कराता है। आयोग ने इसके बाद मुंबई पुलिस से संपर्क किया और मामले की जांच मुंबई क्राइम ब्रांच को सौंपी गई। डीसीपी राजतिलक रौशन की निगरानी में हुई जांच के बाद छह लोगों को गिरफ्तार किया गया।

ज्वेलरी चोरी का गिरोह बिहार के...

6:45 बजे जब वे बाहर निकले, तो देखा कि उनकी दुकान के शटर का ताला टूटा हुआ है।
ये आरोपी हुए गिरफ्तारः सोनू कुमार चौधरी (21 वर्ष), पिता- उपेंद्र चौधरी (निवासीः शंभूडीह, दिनारा, रोहतास)। शंकर चौधरी (55 वर्ष), पिता- दरोगा चौधरी (निवासीः अलीगंज, सूरजपुरा)। नरेंद्र चौधरी (40 वर्ष), पिता- स्व. रामप्रवेश चौधरी (निवासीः डिहरी)। लीलू चौधरी (19 वर्ष), पिता- उमा चौधरी (निवासीः सीताबिघा, सासाराम)। राजकुमार चौधरी (20 वर्ष), पिता- सुनील चौधरी (निवासीः चिलबिला, दिनारा)। अंगद चौधरी (24 वर्ष), पिता- स्व. रामप्रवेश चौधरी (निवासीः शंभूडीह)। सुनील कुमार सोनी [आभूषण दुकान संचालक] (38 वर्ष), पिता- स्व. रामइकबाल (निवासीः दिनारा)।

दुकान के अंदर से चोरी गई...

कर मामले की जांच शुरू की। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी वैभव बैंकर रमनलाल ने जांच के निर्देश दिए थे। एसपी के निर्देश पर एएसपी विश्व दीपक त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिस टीम मामले की जांच कर रही थी। तकनीकी जांच और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों के बिहार के रोहतास क्षेत्र की ओर भागने की सूचना मिली। सूचना के बाद बसंतपुर थाना प्रभारी जितेंद्र सोनी के नेतृत्व में चलगली थाना प्रभारी और साइबर सेल की टीम को बिहार के रोहतास रवाना किया गया। वहां पुलिस ने रोहतास की दिनारा पुलिस की मदद से घेराबंदी कर आरोपी सोनू कुमार, शंकर चौधरी, लीलू चौधरी, राजकुमार चौधरी, अंगद चौधरी और नरेंद्र चौधरी को हिरासत में लेकर पूछताछ की, तो उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

दो दिन पहले पहुंचे थे आरोपी...

पुलिस ने खरीदार के घर पर छापा मारकर 14.175 किलोग्राम चांदी की सिली बरामद की। इसके साथ ही पुलिस ने आरोपियों के पास से घटना में प्रयुक्त बाइक, पिकअप वाहन, सब्बल, मोबाइल फोन और 1,000 रुपये नकद जब्त किए हैं।

महिलाओं का सम्मान और...

कर उनके प्रति अपना स्नेह एवं सम्मान व्यक्त किया। कार्यक्रम में बहनों का मान, विष्णु भैया का सम्मान महिलाओं के सशक्तिकरण से समृद्ध छत्तीसगढ़ महान का भाव पूरे आयोजन में दिखाई दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के स्नेह का पर्व नहीं, बल्कि बहनों के सम्मान, सुरक्षा और उनके अधिकारों के प्रति प्रतिबद्धता का भी अवसर है। सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडरीपानी में 64 लाख रुपए की विकास कार्यों का लोकार्पण भूमिपूजन किया। इसमें महतारी सदन का लोकार्पण भी शामिल है। महतारी सदन में महिलाओं के लिए बैठक, प्रशिक्षण, रसोईघर एवं शौचालय जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इस दौरान विधायक पत्थलगांव गोमती साय, पूर्व विधायक भरत साय, जिला पंचायत सदस्य वेद प्रकाश, दुलारी वरिष्ठ नागरिक भरत सिंह, कलेक्टर रोहित व्यास, एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्र की महतारी, दीदियां एवं महिलाएं शामिल हुए।

गर्भवती महिलाओं को दी पोषण टोकरी : महिला एवं बाल विकास विभाग के स्टॉल पर मुख्यमंत्री श्री साय ने गर्भवती महिलाओं को पोषण टोकरी प्रदान की। उन्होंने महिलाओं को अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने तथा चिकित्सकों की सलाह के अनुसार आवश्यक उपचार एवं पौष्टिक आहार लेने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 6 एवं 7 माह के तीन बच्चों वान्या, श्रेया और साहिल का अन्नप्राशन भी कराया। उन्होंने बच्चों की माताओं से बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण का विशेष ध्यान रखने तथा उनकी उम्र के अनुसार संतुलित एवं पौष्टिक आहार देने को कहा।

महतारी सदन का किया...

मुख्यमंत्री ने कहा कि महतारी सदन गांव की माताओं-बहनों के लिए केवल एक भवन नहीं, बल्कि उनके सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और आर्थिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। इसके माध्यम से महिलाओं को अपनी बैठकों, प्रशिक्षण, स्व-सहायता समूहों की गतिविधियों तथा विभिन्न आर्थिक कार्यों के संचालन के लिए स्थायी, सुविधाजनक और बेहतर स्थान उपलब्ध होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। पिछले ढाई वर्षों में प्रदेश में 481 महतारी सदनों की स्वीकृति दी गई है।

बहनों के 'विष्णु भैया'...

की शाखा शुरू होने को क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण सौगात बताते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार जताया। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय पूरे छत्तीसगढ़ की महिलाओं के लिए 'विष्णु भैया' हैं और बहनों के सम्मान, सुरक्षा एवं कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं।

राशिफल

मेष संगीत में रुचि बढ़ेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विदेश जाने के योग बन रहे हैं। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचने का प्रयास करें।

वृष खर्चों की अधिकता रहेगी। कला एवं संगीत में रुचि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं।

मिथुन शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। पठन-पाठन में रुचि बढ़ सकती है। परिवार में आपसी वाद-विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। उच्च शिक्षा के लिए विदेश प्रवास हो सकता है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा।

सिंह कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या कार्यभार में वृद्धि होगी। बौद्धिक कार्यों से धन प्राप्त होगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध के अतिरेक से बचें। बातचीत में संतुलन बनाकर रखें।

तुला लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

वृश्चिक संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। खर्च भी बढ़ेंगे।

धनु स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।

मकर आलस्य की अधिकता हो सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ क्रोध से बचें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। बातचीत में संयत रहें। पठन-पाठन में रुचि रहेगी।

मीन किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

छह व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में मिलेगी 80 प्रतिशत तक की वित्तीय सहायता

आईआईसीटी और नेटफ्लिक्स देगा 100 'क्रिएटिव माइंड' को स्कॉलरशिप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली



भारतीय रचनात्मक प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) और नेटफ्लिक्स ने भारत की अगली पीढ़ी के कहानीकारों को प्रोत्साहित करने के लिए 100 विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति की घोषणा की है। इस योजना के तहत छह व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों को 80 प्रतिशत तक की वित्तीय सहायता दी जाएगी। इन छह पाठ्यक्रमों में दो एक वर्षीय डिप्लोमा और चार छह महीने के प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शामिल हैं। छात्रवृत्ति के तहत संवादात्मक चित्रकथा एवं क्रमिक कला तथा दृश्य प्रभाव दक्षता में डिप्लोमा पाठ्यक्रम शामिल हैं। वहीं आभासी कला विभाग सामग्री निर्माण, माध्यम प्रौद्योगिकी कार्यप्रवाह, चरित्र चलचित्रण कला तथा ई-स्पोर्ट्स एवं गेमिंग प्रबंधन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों के लिए भी छात्रवृत्ति उपलब्ध होगी।

कामकाजी पेशेवर भी उठाएंगे लाभ

इस योजना का लाभ देशभर के विद्यार्थियों के साथ-साथ कामकाजी पेशेवर भी उठा सकेंगे। इसका उद्देश्य एनीमेशन, दृश्य प्रभाव, गेमिंग और कॉमिक्स यानी एवीजीसी क्षेत्र में भारत की रचनात्मक प्रतिभाओं को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप कौशल प्रदान करना है। यह घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगस्त में नेटफ्लिक्स के सह-प्रमुख कार्यकारी अधिकारी टेड सारंडोस के साथ हुई बैठक के बाद की गई है। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने कहा था कि भारत में कहानी कहने की समृद्ध परंपरा और रचनात्मक प्रतिभाओं का असाधारण भंडार है, जिसका उपयोग भारत को वैश्विक सामग्री निर्माण का केंद्र बनाने में किया जा सकता है।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम-पोस्ट कठिया प.ह.न. 29 रा.नि.म. नवापारा तहसील गोबरा नवापारा जिला रायपुर (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नं. 493 रकबा 24.030 हे. भूमि जिसके स्वामी व कब्जेदार भूपेन्द्र कुमार उम्र 40 वर्ष पिता श्री देवराम, श्याम प्रकाश उम्र 49 वर्ष पिता सीयालाल, धनेश उम्र 32 वर्ष पिता श्रीराम सेवक, घनश्याम उम्र 37 वर्ष पिता रामसेवक, संतोष कुमार उम्र 44 वर्ष पिता सीयालाल, तरनजीत उम्र 19 वर्ष पिता देवराज, कुन्ती पति स्वाशितक निकासी कठिया लोगो के द्वारा कथित भूमि को अपने स्वामित्व व कब्जे में होना बताते हुये मेरे पक्षकार से बिक्री करने का पक्का सौदा किया है और सूचना प्रकाशन के 15 दिवस में ग्राम- कठिया स्थित भूमि खसरा नं 493 रकबा 24.030हे. का विक्रय पत्र का निष्पादन अनिवार्य रुप से कराया जाना है। इस भूमि के स्वामित्व के संबंध में, कब्जे के संबंध में, रहन-गहन, लोन अथवा अनुबंध के संबंध में, किसी भी व्यक्ति को, किसी संस्था को, किसी अर्द्धशासकीय अथवा शासकीय संस्था को कोई भी प्रकार का आपत्ति होगी उस आपत्ति को पेपर प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर मेरे समक्ष स्वयं अथवा अपने किसी अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से लिखित में शिकायत दर्ज करावें। 15 दिवस के भीतर किसी भी प्रकार की उक्त भूमि के संबंध में शिकायत प्राप्त नही होने पर यह माना जावेगा की उक्त भूमि पूर्णतः भार मुक्त है। और उसमें किसी भी प्रकार का कोई विवाद नही है।

अतः आम लोगों को यह सूचना दी जा रही है। जिससे की हितबद्ध व्यक्ति आपत्ति कर सके। अगर निर्धारित समयावधि में कोई भी हितबद्ध व्यक्ति द्वारा कोई आपत्ति प्रस्तुत नही करने की दशा में उन्हें बाद में आपत्ति प्रस्तुत करने का अधिकार नही होगा।
सो सूचना जाने!
दिनांक :

सूचनादाता
रामनरेश उपाध्याय अधिवक्ता जांजगीर
मो.न., 7692010742, 9425229866,

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मे. अविनाश डेवल्पर्स प्राईवेट लिमिटेड (अविनाश उपवन) को ग्रामः सेंध, चीचा एवं पलोद तहसीलः मंदिर हसौद एवं जिलाः रायपुर के खसरा क्र. ग्राम सेंध 306, 307, 308, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333/1, 333/2, 334, 335/1, 335/2, 337, 338, 339, 340/1, 343/1, 343/2, 344, 345, 346, 347/1, 347/2, 348, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358/1, 358/2, 358/3, 358/4, 358/5, 359/1, 359/2, 359/3, 359/4, 360, 361, 362/1, 362/2, 363, 364, 373, 374/1, 374/2, 375, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 416, 417, 418, 419, 420, 421 ग्राम चीचा 621, 623, 632, 650 ग्रामः पलोद 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 29, 30 के कुल लेंड ऐरिया 304447.12 वर्गमीटर में प्रस्तावित आवासीय सह व्यावसायिक परिसर, टोटल बिल्टअप एरिया- 388198.97 वर्गमीटर हेतु स्टेट लेवल इन्वायरमेंट इम्पैक्ट एसेसमेंट अथॉरिटी (छ.ग.). पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत शासन के पत्र क्रमांक OL / TOR / INFRA2 / RAIPUR / 4520 रायपुर तथा ई.सी. पहचान संख्याः EC26B3812CG5170622N दिनाँकः 24/08/2026 द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृती प्रदान की गई है, जिसका अवलोकन स्टेट लेवल इन्वायरमेंट इम्पैक्ट एसेसमेंट अथॉरिटी कि वेबसाइट [parivesh.nic.in] पर किया जा सकता है एवं छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल के मुख्य कार्यालय, नॉर्थ ब्लॉक, पर्यावास भवन, सेक्टर-19, नया रायपुर तथा छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल के क्षेत्रीय कार्यालय, न्यू ऑफिस बिल्डिंग, रिंग रोड नंबर 2, टाटीबंध, जिला रायपुर (छ.ग.) में भी उपल्बध है।

वास्ते,
मे. अविनाश डेवल्पर्स प्राईवेट लिमिटेड,
डायरेक्टर

न्यायालय तहसीलदार बांदे जिला उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)
रा.मा.क्र. / 02/अ-21(4)/2025-26
ग्राम शांतिपुर, प.ह.न. 03

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक बकुल पति वासुदेव निवासी ग्राम पीव्ही 28 चांदीपुर तहसील पखांजूर एवं जयंत गाईन पिता वासुदेव निवासी ग्राम ब्लॉक नं 62 हाउस नं 736 दीनदयाल आवास आदर्श चौक के पास कबीर नगर टाटीबंध रायपुर रायपुर के द्वारा ग्राम शांतिपुर प.ह.न 03 राजस्व निरीक्षक मंडल व तहसील बांदे में स्थित शासन से आबंटित भूमि ग्राम शांतिपुर में स्थित भूमि ख.न 166, 274 रकबा 0.26, 0.06 कुल रकबा 0.32 हे भूमि को आवेदकगण अपने पोती एवं पुत्री की उच्च शिक्षा के लिए रूपयो की आवश्यकता होने के कारण अनावेदक क्रेता इंद्रजीत सरकार पिता जुगलचंद्र सरकार निवासी ग्राम पीव्ही 05 विवेकानंद नगर छोटेकापसी तहसील पखांजूर के पास 3,90,001.00 (तीन लाख नब्बे हजार एक) रूपये में विक्रय की अनुमति प्रदान करने हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय जिला उत्तर बस्तर कांकेर को आवेदन प्रस्तुत करने से जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

आवेदकगण को आवेदित भूमि को विक्रय करने की अनुमति दिये जाने से जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक/अधि. के माध्यम से दावा आपत्ति दिनांक 11.09.2026 तक प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 25.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
बांदे

न्यायालय तहसीलदार बांदे जिला उत्तर बस्तर कांकेर छ.ग.
ईश्तहार
रा.मा.क्र/ 01/अ-21 (4)/2025-26
ग्राम-पालनदी प.ह.नं. 03

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक बकुल पति वासुदेव निवासी ग्राम पीव्ही 28 चांदीपुर तहसील पखांजूर एवं जयंत गाईन पिता वासुदेव निवासी ग्राम ब्लाक नं. 62 हाउस नं. 736 दीनदयाल आवास आदर्श चौक के पास कबीर नगर टाटीबंध रायपुर तहसील रायपुर के द्वारा ग्राम पालनदी प.ह.नं. 03 राजस्व निरीक्षक मंडल व तहसील बांदे में स्थित शासन से आबंटित भूमि ग्राम पालनदी में स्थित भूमि ख.नं. 316, 317, 319, 326 रकबा 0.44, 0.32, 0.20, 0.65 कुल रकबा 1.61 हे. भूमि को अवेदकगण अपने पोती एवं पुत्री की उच्च शिक्षा के लिए रूपयों की आवश्यकता होने के कारण अनावेदक क्रेता इंद्रजीत सरकार पिता जुगलचंद्र सरकार निवासी ग्राम पीव्ही 05 विवेकानंद नगर छोटेकापसी तहसील पखांजूर के पास 19,81,000.00 (उन्नीस लाख इक्यासी हजार) रूपये में विक्रय की अनुमति प्रदान करने हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय जिला उत्तर बस्तर कांकेर को आवेदन प्रस्तुत करने से जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

आवेदकगण को आवेदित भूमि को विक्रय करने की अनुमति दिये जाने से जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक / अधि. के माध्यम से दावा आपत्ति दिनांक 11.09.2026 तक प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 25.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
बांदे

आयुष प्रवेश केंद्रीय परामर्श समिति (एएसीसीसी)
एनसीआईएसएम, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार

सूचना

आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी एवं होम्योपैथी स्नातक बीएएमएस/बीएसएमएस/बीयूएमएस/बीएचएमएड) एवं आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी व होम्योपैथी स्नातकोत्तर (एएसयूएंडएच) पाठ्यक्रमों हेतु अखिल भारतीय कोटा (एआईक्यू) सीटें शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए।

सभी पात्र उम्मीदवार जिन्होंने नीट-यूजी 2026 में भाग लिया है और उत्तीर्ण हुए हैं तथा स्नातक बीएएमएस/बीएसएमएस/बीयूएमएस/बीएचएमएस पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेना चाहते हैं, उन्हें सूचित किया जाता है कि अखिल भारतीय कोटा (एआईक्यू) स्नातक सीटों के आवंटन के लिए एएसीसीसी स्नातक काउंसलिंग शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए आयोजित की जाएगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सीटें एएसीसीसी की आधिकारिक वेबसाइट www.aaccc.gov.in पर अपलोड की जाएंगी।

22 अगस्त 2026 को आयोजित होने वाली एआईएपीजीईटी 2026 परीक्षा में उपस्थित होने और उत्तीर्ण होने वाले सभी पात्र उम्मीदवारों को, जो स्नातकोत्तर एमडी/एमएस (एएसयूएंडएच) पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेना चाहते हैं, यह सूचित किया जाता है कि शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए एएसीसीसी स्नातकोत्तर काउंसलिंग आयोजित की जाएगी। अखिल भारतीय कोटा स्नातकोत्तर सीटों का आबंटन निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार किया जाएगा, जिसे एएसीसीसी की आधिकारिक वेबसाइट www.aaccc.gov.in पर प्रकाशित किया जाएगा।

➤ एएसीसीसी/एनसीआईएसएम, सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी एवं होम्योपैथी संस्थानों, राष्ट्रीय संस्थानों, केंद्रीय विश्वविद्यालयों और डीम्ड विश्वविद्यालयों द्वारा संचालित एएसयू एंड एच स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में एआईक्यू सीटों पर प्रवेश के लिए काउंसलिंग आयोजित करेगा।

निजी आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी संस्थानों के स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में एआईक्यू सीटों पर प्रवेश के लिए काउंसलिंग संबंधित राज्य/केंद्र शासित प्रदेश काउंसलिंग अधिकारियों द्वारा आयोजित की जाएगी।

➤ एएसीसीसी यूजी/पीजी काउंसलिंग 2026 में भाग लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को निर्धारित समय सीमा के भीतर एएसीसीसी की आधिकारिक वेबसाइट पर अपना पंजीकरण कराना होगा।

उम्मीदवारों को पंजीकरण के समय अपनी श्रेणी एवं लागू काउंसलिंग योजना के अनुसार अप्रतिदेय पंजीकरण शुल्क और प्रतिप्रतिदेय सुरक्षा जमा राशि का भुगतान करना होगा।

शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए यूजी (बीएएमएस/बीएसएमएस/बीयूएमएस/बीएचएमएस) एवं पीजी (एमडी/एमएस-एएसयू एंड एच) पाठ्यक्रमों के लिए काउंसलिंग कार्यक्रम, काउंसलिंग योजना, सूचना बुलेटिन, पात्रता मानदंड, पंजीकरण प्रक्रिया, शुल्क संरचना और अन्य प्रवेश संबंधी दिशानिर्देशों के बारे में विस्तृत जानकारी एएसीसीसी की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी। **उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे यूजी और पीजी काउंसलिंग 2026-27 से संबंधित नवीनतम अपडेट और महत्वपूर्ण सूचनाओं के लिए नियमित रूप से एएसीसीसी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं।**

cbc17222/11/0002/2627

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-टेंडर नोटिस

Notice Inviting Tender (NIT) ई-टेंडर नोटिस नं.: MEMU-BIA-26-27-UperGear21 कार्य का नामः मेमू कोच (MCs + TCs) के अपर गियर से जुड़े काम के साथ-साथ, प्लॉबिंग, कारपेंट्री और पेस्ट कंट्रोल ट्रीटमेंट, 3 साल के लिए। **काम की लागतः** रुपये 1,62,73,783.45/- (रुपये एक करोड़ बासठ लाख तिहत्तर हजार सात सौ तिरासी रुपये और पैंतालीस पैसे मात्र)। **बोली सुरक्षा/ बयाना राशि जमाः** रुपये 2,31,400/- (रुपये दो लाख इकतीस हजार चार सौ रुपये मात्र)। **कार्य की पूर्णता अवधिः** कार्य प्रारंभ होने की तिथि से 36 (छत्तीस) माह। **निविदा समाप्ति की तिथि और समयः** 16.09.2026 को 12:30 बजे। **वेबसाइट विवरण और निविदा के विवरण यहां देखे जा सकते हैं:** www.ireps.gov.in

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता
(क.न.रटा.) गिलाई
PR/R/TRS(BIA)/D360/190
South East Central Railway @secrail

पूर्व तट रेलवे
निविदा सं.: RGDA_SnT_26-27_WORKS_01

कार्य का नामः रायगड़ा मंडल के तहत पार्सल कार्यालयों में CCTV कैमरों पार्सल स्कैनरों तथ्था बैटरी संचालित ट्रॉलियों के प्रावधान के संबंध में S&T हिस्से का कार्य। स्थानः (1) रायगड़ा (RGDA), (2) कोरापुट (KRPU) (3) जगदलपुर (JDB) (4) किरन्दुल (KRDL) (5) अरकु (ARK) (6) जयपुर (JYP) (7) पारलाखेमुंडी (PLH), (8) गुणुपुर (GNPR)।

विज्ञापित मूल्यः रु. 43,52,630.25, बयाना राशिः रु. 87,100.00, कार्य समापन की अवधिः 12 महीने।

बोली शुरू होने की तारीखः 27.08.2026.

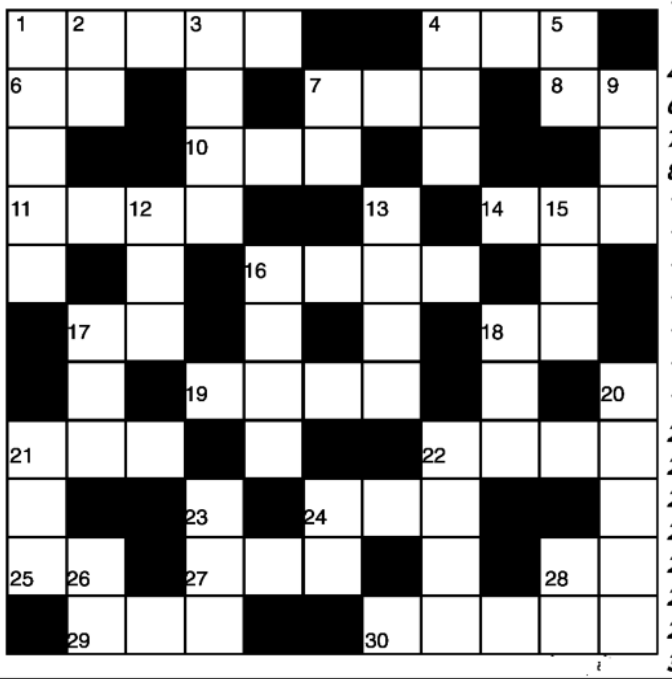
निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः 10.09.2026 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा तथा इस तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

ई-निविदा दस्तावेज के साथ सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता/
रायगड़ा
PR-389/R/26-27

शब्द पहेली - 6329



बाएँ से दाए-
1. पदमाकर, कमल सरोवर-5
4. इस्लामी धर्म ग्रंथ-3
6. देवस्थान, मंदिर-2
7. शिव आवास-3
8. उत्तम, सज्जन-2
10. पति, शोहर-3
11. दमकना-4
14. टीस, पीड़ा-3
16. झरने की आवाज-4
17. आशा, इच्छा-2
18. संध्या, शाम-2
19. निराकार, भगवान-4
21. बुझाना, शांति-3
22. अभिप्राय-4
24. आंचल-3
25. घोड़ागाड़ी-2
27. उष्ण-3
28. पिता के पिता-2
29. पंक्ति-3
30. तहजीबदार-5

ऊपर से नीचे
1. कथा कहने वाला-5
2. चित, जी-2
3. कार्यशाला, यंत्रालय-4
4. माहिर, दक्ष-3
5. आकाश, गगन-2
7. कारावास-2
9. योग्य-3
12. अनुमान, अंदाज-3
13. झगड़ा, कहासुनी-4
15. मुगल सम्राट जहांगीर का एक नाम-3
16. पक्षियों का शोर-4
17. राहत, विश्राम -3
18. मुसीबत, आफत -3
20. होशियार, चेतावनी-5
21. नगर-3
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर अभिनीत फिल्म
23. मगरमच्छ-3
24. दर, मूल्य-2
26. भूमि, धरती-2
28. पिता के पिता-2

शब्द पहेली -6328 का हल

	बे	मि	सा	ल		प	ह	चा	न	
बे		ल		हु	न	र		क		स
ई	मा	न		लु		व		र	स	म
मा				हा	ज	रि				क
न	क	ब	ज	न		श	य	न	क	क्ष
	म		र				की		हा	
अ	ल	सु	ब	ह		का	न	भ	र	ना
प				म	लि	न				स
रा	श	न		व		ख		स	ला	म
ध		हा		त	रा	जू		रो		झ
	स

एआई सुरक्षा बाजार में तेज उछाल, 2027 तक 4.8 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमानः रिपोर्ट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते उपयोग के साथ इसकी सुरक्षा पर होने वाला वैश्विक खर्च भी तेजी से बढ़ रहा है। एआई प्रणालियों की सुरक्षा से जुड़ा वैश्विक बाजार 2027 में लगभग 4.8 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो 2026 की तुलना में 68.7 प्रतिशत अधिक होगा। 2028 तक यह बाजार बढ़कर लगभग 7.7 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

तकनीकी निवेश का केंद्रीय क्षेत्र एआई सुरक्षा

उपाध्याय ने कहा कि पारंपरिक साइबर सुरक्षा उपकरण अक्सर एआई अनुप्रयोगों को सामान्य सॉफ्टवेयर की तरह देखते हैं। यही कारण है कि एआई से जुड़े विशिष्ट खतरों से निपटने के लिए इन प्रणालियों में बड़े स्तर पर बदलाव और उन्नयन की आवश्यकता होगी। आने वाले वर्षों में एआई सुरक्षा को तकनीकी निवेश का एक केंद्रीय क्षेत्र माना जा रहा है, क्योंकि एआई का विस्तार जितनी तेजी से होगा, उससे जुड़े साइबर जोखिम भी उतनी ही तेजी से बढ़ेंगे।

2028 तक पहुंच सकता है बाजार बढ़कर लगभग 7.7 अरब डॉलर

कंपनियां सुरक्षा जोखिमों को दे रही हैं प्राथमिकता

गार्टनर के वरिष्ठ प्रधान विश्लेषक शैलेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि इस तेज वृद्धि के पीछे सबसे बड़ा कारण संगठनों के सामने एआई प्रणालियों को सुरक्षित बनाने की बढ़ती आवश्यकता है। कंपनियां अब केवल एआई को अपनाने पर ही ध्यान नहीं दे रही हैं, बल्कि उससे जुड़े नए सुरक्षा जोखिमों, कमजोरियों और उन्नत साइबर खतरों से बचाव को भी प्राथमिकता दे रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई परियोजनाओं में तृतीय पक्ष और ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर के बढ़ते उपयोग के कारण नई तरह की सुरक्षा चुनौतियां सामने आ रही हैं।



प्रॉम्प्ट इंजेक्शन जैसी तकनीकों का फायदा

गार्टनर का अनुमान है कि 2029 तक एआई एजेंट्स पर होने वाले आधे से अधिक सफल साइबर हमले पहुंच नियंत्रण संबंधी कमजोरियों और प्रॉम्प्ट इंजेक्शन जैसी तकनीकों का फायदा उठाकर किए जाएंगे। इससे एआई सुरक्षा समाधानों की आवश्यकता और अधिक बढ़ने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, एआई एप्लिकेशन सुरक्षा 2027 में भी खर्च की सबसे बड़ी श्रेणी बनी रहेगी और इस पर लगभग 851 मिलियन डॉलर खर्च होने का अनुमान है, इसके बाद एआई उपयोग नियंत्रण श्रेणी का स्थान रहेगा, जिस पर लगभग 749 मिलियन डॉलर खर्च किए जाने की संभावना है।

स्वायत्त एआई प्रणाली मे नई प्रकार की कमजोरियां

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि स्वायत्त एआई प्रणालियां नई प्रकार की कमजोरियां लेकर आती हैं, जिन्हें पारंपरिक निगरानी और सुरक्षा उपकरण पूरी तरह पहचान नहीं पाते। इसलिए संगठनों को एआई मॉडल की पहचान, निगरानी और सुरक्षा के लिए विशेष समाधान अपनाने होंगे। रिपोर्ट के अनुसार, एआई-आधारित सुरक्षा रणनीति केवल नए उपकरण खरीदने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। कंपनियों को अपनी मौजूदा साइबर सुरक्षा व्यवस्था को एआई सुरक्षा समाधानों के साथ एकीकृत करना होगा, ताकि वे उभरते खतरों का प्रभावी ढंग से सामना कर सकें।

एआई उपयोग में 73 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान

हालांकि वृद्धि दर के लिहाज से एआई उपयोग नियंत्रण सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र होगा, जिसमें लगभग 73 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। इसके बाद एआई गेटवे श्रेणी में लगभग 70.9 प्रतिशत की वृद्धि देखी जा सकती है। उपाध्याय ने कहा कि जैसे-जैसे एआई रनटाइम सुरक्षा और समर्पित एआई गेटवे जैसी तकनीकें अधिक विश्वसनीय बनेंगी, संगठनों का इन समाधानों पर भरोसा बढ़ेगा और उनका उपयोग भी तेजी से बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि कंपनियां जैसे-जैसे अपने एआई कार्यक्रमों का विस्तार करेंगी, वैसे-वैसे विशेष एआई सुरक्षा समाधानों की मांग भी बढ़ती जाएगी।

खबर संक्षेप

बीएसई-एनएसई ने लगाया एनटीपीसी पर जुर्माना



नई दिल्ली। बीएसई और एनएसई ने सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनियों एनटीपीसी, आरईसी और एसजेवीएन पर नियमों के उल्लंघन के लिए 59.14 लाख सूचना में कहा कि सूचीबद्धता विनियम 17(1) के उल्लंघन के लिए बीएसई और एनएसई प्रत्येक ने 5,36,900 रुपए (जीएसटी सहित) का जुर्माना लगाया है।

अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस को मिली पारेषण परियोजना



नई दिल्ली। अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) को महाराष्ट्र में 4,500 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा एवं भंडारण बिजली की निकासी के लिए 4,700 करोड़ रुपए की पारेषण परियोजना मिली है। भाग-ए' परियोजना एईएसएल को शुल्क आधारित प्रतिस्पर्धी बोली (टीबीसीबी) प्रक्रिया के जरिये मिली है।

26 बाजारों में चावल निर्यात में वृद्धि, 47.9 लाख टन हुआ एक्सपोर्ट

5 महीनों की अवधि में 23,400 करोड़ रुपए के पार पहुंचा भारत का चावल निर्यात

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के प्राथमिकता वाले 26 बाजारों में चावल का निर्यात 2025 के भारत अंतरराष्ट्रीय चावल सम्मेलन (बीआईआरसी) के बाद के पांच महीनों में पिछले तीन वर्ष के औसत से अधिक रहा। इससे संकेत मिलता है कि स्थानीय खान-पान के अनुरूप भारतीय चावल की किस्मों को बढ़ावा देने की रणनीति से विदेशों में मांग के विविधीकरण में मदद मिल सकती है।

भारतीय चावल निर्यातक महासंघ (आईआरईएफ) की ओर से वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय के आंकड़ों के विश्लेषण के अनुसार, नवंबर 2025 से मार्च 2026 के बीच 26 बाजारों को मिलाकर चावल का निर्यात 23,476 करोड़ रुपए और 47.9 लाख टन रहा। इसमें बासमती और गैर-बासमती दोनों तरह के चावल शामिल हैं।

1.1 प्रतिशत अधिक निर्यात मूल्य

निर्यात मूल्य पिछले तीन वर्ष में नवंबर-मार्च की इसी अवधि के औसत से 1.1 प्रतिशत अधिक रहा, जबकि इसकी मात्रा 5.6 प्रतिशत अधिक रही। इन 26 बाजारों में से 11 में मूल्य एवं मात्रा दोनों के लिहाज से सालाना आधार पर वृद्धि दर्ज की गई। ये नतीजे ऐसे समय आए हैं जब भारत घरेलू स्तर पर चावल की पर्याप्त उपलब्धता के बीच अपने निर्यात आधार को व्यापक बनाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे में जोर अधिक चावल के लिए बाजार तलाशने के बजाय ऐसी विशिष्ट किस्मों की पहचान पर है जो उपयुक्तता, गुणवत्ता में निरंतरता और पकने के गुणों के आधार पर प्रतिस्पर्धा कर सकें।

मैक्सिको को चावल की खेप में 50.9 प्रतिशत की वृद्धि

व्यापार आंकड़े यह भी बताते हैं कि निर्यात वृद्धि का आकलन केवल मात्रा के आधार पर नहीं किया जा सकता। उदाहरण के लिए, मैक्सिको को चावल की खेप में 50.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि निर्यात मूल्य 22.1 प्रतिशत बढ़ा। केन्या और दक्षिण अफ्रीका में भी मात्रा की वृद्धि मूल्य की तुलना में काफी अधिक रही। यह विभिन्न बाजारों में कीमत, उत्पाद मिश्रण और मांग में अंतर को दर्शाता है। इससे उद्योग अधिक लक्षित रणनीति अपना रहा है।



23 अक्टूबर से अंतरराष्ट्रीय चावल सम्मेलन

निर्यातक चावल को केवल एक जिंस के रूप में पेश करने के बजाय यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि भारतीय चावल की अलग-अलग किस्में संभावित बाजारों के उपभोक्ताओं के परिचित व्यंजनों में किस तरह बेहतर उपयोग की जा सकती हैं। इस रणनीति को 23 से 25 अक्टूबर को नई दिल्ली के भारत मंडपम में होने वाले भारत अंतरराष्ट्रीय चावल सम्मेलन (बीआईआरसी) 2026 में आगे बढ़ाया जाएगा।

जर्मनी में निर्यात मूल्य 33.5 प्रतिशत बढ़ा

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को निर्यात मूल्य में 65 प्रतिशत और मात्रा में 64 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बेल्जियम में क्रमशः 53.8 प्रतिशत और 44.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जर्मनी में निर्यात मूल्य 33.5 प्रतिशत बढ़ा, जबकि मात्रा 24.6 प्रतिशत बढ़ी। ब्रिटेन में निर्यात मूल्य 26.9 प्रतिशत और मात्रा 25.6 प्रतिशत बढ़ी। दक्षिण अफ्रीका में मूल्य 26 प्रतिशत, जबकि मात्रा 42.9 प्रतिशत बढ़ी। केन्या में दोनों में क्रमशः 22.3 प्रतिशत और 34.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। फ्रांस में निर्यात मूल्य 31.3 प्रतिशत और मात्रा 32.9 प्रतिशत बढ़ी। ब्रिटेन को निर्यात मूल्य में 26.9 प्रतिशत और मात्रा में 25.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। मैक्सिको को निर्यात मूल्य 22.1 प्रतिशत और मात्रा 50.9 प्रतिशत बढ़ी। नीदरलैंड को निर्यात मूल्य 20.5 प्रतिशत और मात्रा 13.8 प्रतिशत बढ़ी, जबकि कनाडा को निर्यात मूल्य 10.2 प्रतिशत और मात्रा 9.1 प्रतिशत बढ़ी। सेनेगल को निर्यात मूल्य 5.3 प्रतिशत और मात्रा 29.9 प्रतिशत बढ़ी।

शेयर बाजार लाल निशान में बंद, सेंसेक्स 183 अंक फिसला



एजेंसी ▶▶| मुंबई

वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों और क्रूड ऑयल की कीमतों में गिरावट के चलते हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। घरेलू बाजार में यह गिरावट पिछले दिन की तेजी के बाद आई है, जब दोनों प्रमुख बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी 50 में 0.48 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई थी।

■ निफ्टी में 0.52 प्रतिशत की गिरावट

दोनों प्रमुख बेंचमार्क 0.52 प्रतिशत तक गिरे

वहीं आज के सत्र में आईटी, एफएमसीजी और ऑटो शेयरों में दबाव के चलते दोनों प्रमुख बेंचमार्क 0.52 प्रतिशत तक गिर गए। बाजार बंद होने के समय सेंसेक्स 183.15 अंक यानी 0.24 प्रतिशत गिरकर 77,472.94 पर पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी 50 126.80 (0.52 प्रतिशत) अंक लुढ़ककर 24,207.75 पर बंद हुआ।

एसबीआई लाइफ के शेयरों में तेजी

निफ्टी50 इंडेक्स में कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी लाइफ और एसबीआई लाइफ के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली, भारती एयरटेल, पावरग्रिड, इंफोसिस, एलएंडटी, नेस्ले इंडिया और श्रीराम फाइनेंस सबसे ज्यादा खराब प्रदर्शन वाले शेयरों में शामिल रहे। सेक्टरों में अलग-अलग रुझान के कारण बेंचमार्क पर दबाव बना रहा।

रोड सेफ्टी क्लास में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश



रायपुर। सुरक्षित भवः फाउंडेशन की ओर से हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, रायपुर एलपीजी प्लांट के सहयोग से 26 अगस्त को मंदिर हसौद में सड़क सुरक्षा कक्षा का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना तथा सुरक्षित यातायात व्यवहार को बढ़ावा देना रहा।

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड रायपुर एलपीजी प्लांट के सीनियर प्लांट मैनेजर मंगेश हेमंत चंदवाडकर ने सड़क सुरक्षा को संस्थागत जिम्मेदारी बताते हुए कर्मचारियों एवं वाहन चालकों में सुरक्षित यातायात व्यवहार और सुरक्षा की आदत विकसित करने पर जोर दिया। नामित सुरक्षा अधिकारी कुमारी श्वेता ने सड़क सुरक्षा एवं कार्यस्थल सुरक्षा के बीच समन्वय के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं श्री शुक्ला ने सड़क सुरक्षा के महत्व पर अपने विचार साझा करते हुए सभी कर्मचारियों एवं उपस्थित प्रतिभागियों से यातायात नियमों का जिम्मेदारीपूर्वक पालन करने की अपील की। सुरक्षित भवः फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. संदीप धूपर ने भारत में हो रही सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों एवं प्रतिवर्ष वाहनों की बिक्री में हो रही वृद्धि पर प्रकाश डाला। ट्रैफिक टीचर टीके भोई ने यातायात नियमों के व्यावहारिक पहलुओं एवं सड़क पर सुरक्षित व्यवहार के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने तथा निर्धारित गति सीमा का पालन करने जैसे सुरक्षा संदेश दिए गए। इस अवसर पर सुरक्षित भवः फाउंडेशन के सभी मेंबर तथा हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, रायपुर एलपीजी प्लांट के अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित 150 से अधिक लोगों ने सहभागिता की।

गिनीज बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज सुरक्षित भवः फाउंडेशन

सुरक्षित भवः फाउंडेशन के डायरेक्टर केशव राव ने संस्था के गठन एवं उद्देश्यों के बारे में बताया कि सुरक्षित भवः फाउंडेशन पिछले 14 वर्षों से निरंतर रोड सेफ्टी के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। संस्था को विभिन्न अवार्ड एवं रिकॉर्ड प्राप्त हुए हैं तथा संस्था का नाम गिनीज बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी दर्ज है।

आज से दिल्ली में 35 रुपए किलो के भाव सरकार बेचेगी प्याज



नई दिल्ली। प्याज की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए केंद्र सरकार गुरुवार से दिल्ली में बफर स्टॉक का प्याज 35 रुपए प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर बेचेगी। देश के कई शहरों में प्याज का खुदरा भाव 55 से 60 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया है। केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रल्हाद जोशी गुरुवार को दिल्ली में रियायती दर पर प्याज की बिक्री की शुरुआत करेंगे। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। सरकार ने 2026 के लिए प्याज का 1.21 लाख टन का 'बफर स्टॉक' तैयार किया है। इसी भंडार से प्याज बाजार में उतारा जाएगा।

एयर इंडिया ने की भूटान एयरलाइंस के साथ साझेदारी

मुंबई । एयर इंडिया ने भूटान की सार्वजनिक विमानन कंपनी ड्रुकएयर-रॉयल भूटान एयरलाइंस के साथ बुधवार को 'इंटरलाइन' साझेदारी की। इसके तहत दोनों एयरलाइन एक-दूसरे के नेटवर्क पर यात्रियों को सुगम यात्रा की सुविधा देंगी और दोनों दक्षिण एशियाई पड़ोसी देशों के बीच संपर्क मजबूत होगा। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने कहा कि इस साझेदारी के साथ वह अब अपने या साझेदारों के नेटवर्क के जरिए सार्क क्षेत्र के लगभग सभी देशों के लिए सुगम संपर्क उपलब्ध कराती है। भारत और भूटान के अलावा दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) में पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, अफगानिस्तान, मालदीव और श्रीलंका शामिल हैं।

10 लाख करोड़ के पार होगा एसबीआई का आवास ऋण पोर्टफोलियो

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का आवास ऋण पोर्टफोलियो वित्त वर्ष 2026-27 की चालू तिमाही में 10 लाख करोड़ रुपए के महत्वपूर्ण आंकड़े को पार कर सकता है।एसबीआई ने वित्त वर्ष 2025-26 में 9 लाख करोड़ रुपए के आवास ऋण पोर्टफोलियो का आंकड़ा पार किया था। तिमाही में हम 10 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े तक पहुंच जाएंगे। उन्होंने कहा कि आवास ऋण क्षेत्र में एसबीआई की बाजार हिस्सेदारी करीब 28 प्रतिशत है। बैंक ने देशभर में आवास ऋण को अधिक सुलभ बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है। इसके लिए पूरे देश में 460 से अधिक आवास ऋण 'प्रसंस्करण केंद्र' हैं। उचित जांच एवं बिल्डर की पड़ताल युक्त बैंक की प्रक्रियाओं में ग्राहकों का भरोसा, ये ऐसे मुख्य कारक हैं, जो आवास ऋण के लिए ग्राहकों को एसबीआई की ओर आकर्षित करते हैं।

पोर्टफोलियो 30 लाख करोड़ रुपए से अधिक

शेट्टी ने कहा कि आवास ऋण को केवल एक बैंकिंग उत्पाद के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए, क्योंकि इसका अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। वाणिज्यिक और आवासीय रियल एस्टेट पर 200 से अधिक उद्योग निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि उद्योग स्तर पर बकाया आवास ऋण का कुल पोर्टफोलियो 30 लाख करोड़ रुपए से अधिक है।

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
बाल्य रोगों व चुरना, दस्त (कृमि) के लिए विशेष लाभकारी
सुखौना टेबलेट
20 वर्षों से प्रसिद्ध 94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • सभी प्रकार के ऑपरेशन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चो के ऑपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

AB आई हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
पता : - 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोनः 0771-4044551 समयः सुबह 9.30 से 4.30 तक

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411 www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोनः +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी
स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330 मो. 0771-4347172

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

यूएस ओपन : मिक्स्ड डबल्स में सेरेना-अल्काराज की जोड़ी का सफर समाप्त

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

सेरेना विलियम्स और कार्लोस अल्काराज का यूएस ओपन मिक्स्ड डबल्स का सफर क्वार्टरफाइनल में फ्लेवियो कोबोली और बेलिंडा बेनसिक से हारकर समाप्त हो गया। विलियम्स और अल्काराज की जोड़ी को 5-4(4), 4-1 से हार का सामना करना पड़ा। विलियम्स और अल्काराज ने शुरुआत में कई गलतियां कीं, जिससे कोबोली और बेनसिक को फायदा मिला।

कोबोली ने टाई-ब्रेक में अपना दम दिखाया और ऐस लगाकर पहला सेट अपने नाम कर लिया। स्विस-इटैलियन जोड़ी दूसरे सेट में और भी जबरदस्त नजर आई। उन्होंने बिना किसी गलती के जीत हासिल की और अमेरिकी-स्पेनिश जोड़ी के सफर को समाप्त कर दिया। कोबोली और बेनसिक का सेमीफाइनल में एलिना स्वितोलिना और गेल मोनफिल्स के खिलाफ मुकाबला होगा।

क्वार्टरफाइनल में कोबोली और बेलिंडा से हारी दिग्गज जोड़ी



अल्काराज ने की शुरुआती थकान दूर

अलकाराज, जो चोट की वजह से अप्रैल से नहीं खेले थे, ने अपनी शुरुआती थकान को दूर किया और मैचिंग रॉयल पर्पल कपड़ों में कोर्ट पर गले मिलने से पहले फोरहैंड विनर से शुरुआती राउंड की जीत पक्की कर ली। विलियम्स ने कहा, यहां होना हमेशा शानदार है। मैंने कभी उम्मीद नहीं की थी कि मैं इस कोर्ट पर वापस आ पाऊंगी।

सेमीफाइनल में पति-पत्नी की जोड़ी



एलिना स्वितोलिना और गेल मोनफिल्स दोनों यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट में कभी खिताब नहीं जीत पाए हैं लेकिन इस बार हो सकता है कि यह विवाहित जोड़ा एक साथ कोई ट्रॉफी जीत सके। पति-पत्नी की यह जोड़ी कैटेरीना सिनियाकोवा और हेनरी पैटन को 5-4 (6), 4-5 (3) (10-8) से हराकर मिश्रित युगल सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। सेमीफाइनल में स्वितोलिना और मोनफिल्स का मुकाबला बेनसिच और कोबोली से होगा, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में मिरा एंड्रीवा और एंड्री रुबलेव का सामना कैरोलिना मुचोवा और जैकब मेनसिच से होगा। विजेता टीम को 10 लाख डॉलर मिलेंगे। संन्यास लेने से पहले अपने आखिरी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में खेल रहे मोनफिल्स के लिए यह एक शानदार कमाई होगी, जिसे वह अपनी पत्नी के साथ साझा कर सकेंगे।

खबर संक्षेप

डब्ल्यूसीएल का तीसरा सत्र 3 अक्टूबर से

नई दिल्ली। 'वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स' (डब्ल्यूसीएल) के तीसरे सत्र का आयोजन 3 से 18 अक्टूबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में किया जाएगा। पहली बार यह टूर्नामेंट ब्रिटेन से से बाहर आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट को यूएई में स्थानांतरित करने के साथ आयोजकों का लक्ष्य वैश्विक स्तर पर बड़े दर्शक वर्ग तक पहुंच बनाना है, साथ ही उन्होंने तीसरे चरण में अधिक दिग्गज खिलाड़ियों, रोमांचक प्रतिद्वंद्विताओं और मनोरंजन का वादा किया है। 'लीजेंड्स' क्रिकेट लीग के तीसरे सत्र में कई पूर्व अंतरराष्ट्रीय सितारे हिस्सा लेने वाले हैं। इनमें युवराज सिंह, एबी डिविलियर्स, ड्वेन ब्रावो, शाहिद अफरीदी, मोईन अली, डेविड वॉर्नर और मोहम्मद महमूदुल्लाह शामिल हैं। डब्ल्यूसीएल ने तीसरे सत्र के लिए बांग्लादेश चैंपियंस को शामिल करके अपनी अंतरराष्ट्रीय भागीदारी का भी विस्तार किया है।

फुटबॉल अंडर-17 टीम के सहायक कोच बने एंड्रयूज



नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने एंथनी एंड्रयूज को भारत की अंडर-17 महिला राष्ट्रीय टीम का सहायक कोच नियुक्त किया है, जबकि जोआकिम एलेक्जेंडर्सन मुख्य कोच के रूप में बने रहेंगे। एंड्रयूज ईस्ट बंगाल एफसी के मुख्य कोच के रूप में भी कार्यरत हैं और वह इस पद पर बने रहेंगे। वह ताशकंद में भारत अंडर-17 महिला टीम से जुड़ गए हैं, जहां टीम चीन में होने वाले एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप 2027 के क्वालीफायर की तैयारियों के लिए गुरुवार और रविवार को उज्बेकिस्तान के खिलाफ दो अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच खेलेगी।

क्वार्टर फाइनल में चोटरानी और सेंथिलकुमार



नई दिल्ली। भारत के वीर चोटरानी और वेलवन सेंथिलकुमार हंगरी की राजधानी में चल रहे 43,500 अमेरिकी डॉलर इनामी पीएसए कॉपर टूर्नामेंट बुडापेस्ट स्क्वाश ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। विश्व में 38वें नंबर के खिलाड़ी और यहां तीसरी वरीयता प्राप्त चोटरानी ने पहले दौर में बाई मिलने के बाद प्री-क्वार्टर फाइनल में पुर्तगाल के रुई सोरेस को 13-11, 12-14, 11-9, 12-10 से हराया। विश्व रैंकिंग में 54वें स्थान पर काबिज और यहां आठवीं वरीयता प्राप्त सेंथिलकुमार ने जर्मनी के पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी राफेल कांद्रा को 11-9, 6-11, 11-7, 11-2 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई।

कोलंबो टेस्ट : पहली पारी में श्रीलंका 290 रन पर ऑलआउट

फॉलोऑन खेलने उतरी श्रीलंकाई टीम गंवाए 6 विकेट, जीत के करीब भारत

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने कुछ समय तक डटकर मुकाबला किया, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने सही समय पर विकेट लेकर बुधवार को दूसरे और अंतिम टेस्ट के चौथे दिन मेजबान टीम के दूसरी पारी में स्टंप तक 229 रन तक 6 विकेट झटक लिए।

स्टंप तक सोनल दिनुषा 7 और केशारा नुवांथा 3 रन बनाकर क्रीज पर थे। जैसा कि अब इस मैच में आम हो गया है, शाम की बारिश और खराब रोशनी के कारण खेल रोकना पड़ा। अब भारत की कोशिश होगी कि पांचवें दिन मैच और सीरीज दोनों अपने नाम कर ले।

भारतीय गेंदबाजों का दबदबा

भारतीय गेंदबाजों के दबदबे से पहले पासिंदु सूरियाबंडारा (92) और कामिंदु मेंडिस (55) के बीच तीसरे विकेट के लिए हुई 115 रन की साझेदारी श्रीलंका की वापसी का मुख्य आधार रही। सूरियाबंडारा और मेंडिस ने तब मोर्चा संभाला जब श्रीलंका 63 रन तक दो विकेट खोकर संघर्ष कर रहा था। इन दोनों ने अगले 110 मिनट तक भारतीय गेंदबाजों का डटकर सामना किया। इस साझेदारी ने श्रीलंका को पहली पारी में 213 रन से पिछड़ने के बाद फॉलोऑन की स्थिति से उबरने में मदद की। हालांकि, उस दौरान श्रीलंका का प्रदर्शन पहली पारी की तुलना में काफी बेहतर था। पहली पारी में टीम 290 रन पर ऑलआउट हो गई थी और फॉलोऑन के स्कोर से सिर्फ 13 रन दूर रह गई थी।



दिनुशा ने लगाया श्रृंखला का अपना दूसरा शतक

सोनल दिनुशा ने श्रृंखला का अपना दूसरा शतक लगाते हुए 103 रन की पारी खेली थी। लेकिन सूरियाबंडारा और मेंडिस की साझेदारी की वजह से मैच पांचवें दिन तक खिंच गया जबकि उन्होंने दूसरी पारी में सलामी बल्लेबाज लाहिरू उदारा और कामिल मिशारा के विकेट जल्दी गंवा दिए थे। इन दोनों की साझेदारी बिल्कुल भी रक्षात्मक नहीं थी। दोनों बल्लेबाजों ने खुलकर बल्लेबाजी करते हुए गेंदबाजों पर लगातार दबदबा बनाया। मेंडिस ने मानव सुथार की गेंदों पर दो छक्के जड़े और बाएं हाथ के स्पिनर को दबाव बनाने का बिलकुल भी मौका नहीं दिया। फिर सूरियाबंडारा ने भी सुथार की गेंद पर स्लॉग-स्वीप करते हुए एक छक्का लगाया। इस सीरीज में पहली बार युवा स्पिनर सुथार संघर्ष करते नजर आए। मेंडिस ने प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद को पुल करते हुए छक्का लगाकर 87 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। इसके कुछ ही समय बाद ही सूरियाबंडारा ने भी 78 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया।

डाइव लगाते समय चोटिल हुए सिराज

इस दौरान भारत के लिए चिंता की बात भी हुई क्योंकि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज कैच लेने के लिए डाइव लगाते समय चोटिल हो गए। उन्हें चिकित्सा सहायता के लिए मैदान से बाहर जाना पड़ा, लेकिन कुछ समय बाद वह वापस लौट आए। दूसरे सत्र में सिराज ने छोटे रन-अप के साथ गेंदबाजी की। तीसरे दिन विकेटकीपिंग से दूर रहने के बाद वापस जिम्मेदारी संभालने वाले पंत भी कई मौकों पर विकेट के काफी करीब खड़े होकर विकेटकीपिंग करते नजर आए।

दिन के अंतिम सत्र ने बदला मैच का पूरा रुख

श्रीलंका ने चाय तक अपनी दूसरी पारी में तीन विकेट पर 199 रन बना लिए थे जिससे उसे पारी की हार से बचने के लिए महज 14 रन की दरकार थी। लेकिन दिन के अंतिम सत्र ने मैच का पूरा रुख बदल दिया और भारत ने तीन विकेट झटक लिए। कप्तान धनंजय डी सिल्वा सबसे पहले आउट हुए। वह सुथार की गेंद पर देवदत्त पडिक्कल के हाथों में लपके गए। सूरियाबंडारा अपने पहले टेस्ट शतक की ओर बढ़ते दिख रहे थे, लेकिन एक गलत फैसले ने उनकी पारी का अंत कर गया। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने सुथार की गेंद पर आगे निकलकर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की। फिर सुथार ने इस हरकत को भांपते हुए बाहर की ओर गेंद डाली और पंत ने उनकी गिल्लियां बिखेरने में देर नहीं की। इस तरह सूरियाबंडारा 92 रन पर स्टंप आउट हो गए।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग

बुमराह को पछाड़ स्टार्क नंबर वन गेंदबाज, पंत को फायदा



एजेंसी ▶▶| दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने बुधवार को टेस्ट क्रिकेटरों की रैंकिंग जारी की। गेंदबाजों की ताजा रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल कर लिया है। बांग्लादेश के खिलाफ हाल में संपन्न टेस्ट सीरीज में मिचेल स्टार्क ने 12 विकेट लिए थे और प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे। इसी प्रदर्शन की बदौलत आईसीसी की टेस्ट गेंदबाजों की ताजा रैंकिंग में स्टार्क ने 2 स्थान की छलांग लगाते हुए पहला स्थान हासिल किया है। जसप्रीत बुमराह इंजरी की वजह से श्रीलंका के खिलाफ भारत की 2 टेस्ट मैचों की सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। इसका असर उनकी रैंकिंग पर पड़ा है। वह एक स्थान नीचे खिसक कर दूसरे नंबर पर चले गए हैं।

हेनरी को एक स्थान का नुकसान

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी को एक स्थान का नुकसान हुआ है। वह तीसरे स्थान पर आ गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस को एक स्थान का फायदा हुआ है। वह चौथे स्थान पर आ गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के मार्को जानसेन एक स्थान के नुकसान के साथ पांचवें, दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा एक स्थान के फायदे के साथ छठे, ऑस्ट्रेलिया के स्कॉट बोलैंड एक स्थान के नुकसान के साथ सातवें स्थान पर हैं। पाकिस्तान के नोमान अली आठवें, ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड नौवें और ऑस्ट्रेलिया के ही नाथन लियोन दो स्थान उपर चढ़कर दसवें स्थान पर आ गए हैं।

दलीप ट्रॉफी

नॉर्थ जोन ने सेमीफाइनल में बनाई जगह, अब साउथ जोन से मुकाबला



एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

जम्मू और कश्मीर के बाएं हाथ के स्पिन-गेंदबाजी ऑलराउंडर आबिद मुश्ताक ने नॉर्थ जोन के लिए खेलते हुए बेहतरीन गेंदबाजी की। उन्होंने मैच में 99 रन देकर 9 विकेट लेते हुए नॉर्थ जोन की वेस्ट जोन के खिलाफ जीत में बड़ी भूमिका निभाई। बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले गए दलीप ट्रॉफी क्वार्टरफाइनल मुकाबले में नॉर्थ जोन ने रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली वेस्ट जोन को 52 रन से हरा दिया। चौथी पारी में वेस्ट जोन को जीत के लिए 287 रन की आवश्यकता थी, लेकिन वेस्ट जोन की पारी 234 रन पर सिमट गई और 52 रन से मैच हार गई। सेमीफाइनल में नॉर्थ जोन का मुकाबला साउथ जोन से होगा। मैच 30 अगस्त से 2 सितंबर तक बीसीसीआई सीओई ग्राउंड 2 में खेला जाएगा।

आबिद मुश्ताक चुने गए प्लेयर ऑफ द मैच

वेस्ट जोन की पहली पारी 187 रन पर सिमट गई थी। सर्वाधिक 52 रन शम्स मुलानी ने बनाए थे। नॉर्थ जोन के लिए आबिद मुश्ताक ने 5, अर्शदीप सिंह ने 3 और अंशुल कंबोज ने 2 विकेट लिए थे। नॉर्थ जोन की दूसरी पारी 222 रन पर सिमट गई। आयुष बडोनी ने 50, निशांत संधु ने 44 और अब्दुल समद ने 30 रन की पारी खेली थी। वेस्ट जोन के लिए शम्स मुलानी और तनुष कोटियान ने 4-4 विकेट लिए। मुशीर खान ने 2 विकेट लिए थे। पहली पारी में मिले 64 रन की बढ़त के आधार पर नॉर्थ जोन ने वेस्ट जोन को जीत के लिए 287 रन का लक्ष्य दिया था।

वेस्ट के 6 विकेट 24 रन पर गिरे

मुशीर खान 96 और कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के 66 के अलावा कोई भी बल्लेबाज क्रीज पर नहीं टिका। वेस्ट ने अपने आखिरी 6 विकेट अंतिम 24 रन के अंदर गंवाए। नॉर्थ जोन के लिए आबिद मुश्ताक ने 4, निशांत संधु ने 2 विकेट लिए। अर्शदीप सिंह, अंशुल कंबोज और सुनील कुमार ने 1-1 विकेट लिए। मैच पर नजर डालें तो नॉर्थ जोन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 251 रन बनाए थे। नौवें नंबर पर आकर अंशुल कंबोज ने सर्वाधिक 60 रन की पारी खेली थी। आयुष बडोनी ने 51 रन बनाए थे। वेस्ट जोन के लिए तनुष कोटियान और तुषार देशपांडे ने 4-4, जबकि मुकेश चौधरी और शार्दुल ठाकुर ने 1-1 विकेट लिए थे।



17 वर्षीय अपूर्व ने जीता फिडे रेटिड रैपिड टूर्नामेंट

बेंगलुरु। सत्रह वर्षीय अपूर्व कांबले ने फिडे रेटिड रैपिड टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। यह टूर्नामेंट अगले महीने टेक महिंद्रा 'ग्लोबल चेस लीग' (जीसीएल) के चौथे सत्र में दुनिया के शीर्ष शतरंज खिलाड़ियों की मेजबानी की तैयारी के बीच आयोजित किया गया। कांबले ने 9 दौर में 8.5 अंक हासिल करके खिताब अपने नाम किया। सम्मेद जयकुमार शेटे दूसरे और वैद्यनाथन कन्नन तीसरे स्थान पर रहे। टूर्नामेंट में अलग-अलग आयु वर्ग और रेटिंग श्रेणियों के 700 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। टूर्नामेंट स्विस प्रारुप में 9 दौर का था। प्रत्येक खिलाड़ी को 10 मिनट का समय और हर चाल पर पांच सेकेंड का अतिरिक्त समय दिया गया। कुल पुरस्कार राशि चार लाख रुपए थी। कांबले ने बताया कि मुंबई में एशियाई जूनियर चैंपियनशिप से लौटने के बाद उन्होंने आखिरी समय में इस टूर्नामेंट के लिए पंजीकरण कराया था।

मयंक और प्रतीति ने जीता एशियाई जूनियर क्लासिकल शतरंज का खिताब

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारत के मयंक चक्रवर्ती और प्रतीति बोरदोलोई ने एशियाई जूनियर क्लासिकल शतरंज चैंपियनशिप में क्रमशः ओपन और लड़कियों के वर्ग का खिताब जीता। शीर्ष वरीयता प्राप्त मयंक ने नौ राउंड की ओपन चैंपियनशिप में 7.5 अंक हासिल करके स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

रूस के आर्टेम पिंगिन ने सात अंकों के साथ रजत पदक हासिल किया, जबकि भारत के दक्ष गोयल ने 6.5 अंक बनाकर कांस्य पदक जीता। प्रतीति ने 9 राउंड में 7.5 अंक हासिल करके लड़कियों के वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को दोहरी सफलता दिलाई। कजाकिस्तान की मारिया खोल्यावको उनसे आधा अंक पीछे रहकर रजत पदक जीतने में सफल रहीं, जबकि निवेदिता वीसी ने 6.5 अंक लेकर कांस्य पदक जीता। ओपन चैंपियन मयंक ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर एक और ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल किया।



कांस्य पदक विजेता दक्ष गोयल फिडे मास्टर बने। उन्होंने इंटरनेशनल मास्टर नॉर्म भी हासिल किया। महिला चैंपियन प्रतीति ने महिला इंटरनेशनल मास्टर का खिताब भी अपने नाम किया। इसके साथ ही उन्होंने महिला ग्रैंडमास्टर नॉर्म भी हासिल किया।

एशियाई खेल : 28 सितंबर को अपना अभियान शुरू करेगी भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम

सीधे क्वार्टर फाइनल से दहाड़ने को तैयार भारतीय क्रिकेट टीमें

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम जापान में होने वाले एशियाई खेलों में 28 सितंबर से अपने अभियान की शुरुआत करेगी जबकि महिला टीम 18 सितंबर को मेजबान जापान के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी।

भारत की पुरुष और महिला दोनों टीमें वरीयता प्राप्त हैं और सीधे क्वार्टर फाइनल से अभियान शुरू करेंगी। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली पुरुष टीम और हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली महिला टीम नागोया के पास कोरोगी एथलेटिक पार्क में होने वाली इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक की प्रबल दावेदार हैं।

महिला टीम 18 सितंबर को जापान के खिलाफ खेलेगी अपना पहला मुकाबला



पुरुष क्रिकेट में भाग ले रहीं 10 टीमें

भारतीय टीम टूर्नामेंट में सीधा क्वार्टर फाइनल राउंड में उतरेगी। दरअसल, एशियन गेम्स में पुरुष क्रिकेट में कुल 10 टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें से 4 टीमों को बेहतर आईसीसी रैंकिंग के कारण डायरेक्ट क्वार्टर फाइनल का टिकट दिया गया है। इस लिस्ट में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका का नाम शामिल है। वहीं, अफगानिस्तान, जापान, नेपाल, हांगकांग, मलेशिया और ओमान ग्रुप स्टेज में खेलेंगी।

भारत ने पिछले सत्र में जीता था स्वर्ण पदक

भारत ने पिछले सत्र में दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीते थे। महिला वर्ग में भारत के क्वार्टर फाइनल प्रतिद्वंद्वी का फैसला पहले ही हो चुका है जबकि पुरुष टीम का सामना ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम से होगा। ग्रुप ए में अफगानिस्तान, जापान और नेपाल शामिल हैं। महिला वर्ग का फाइनल 22 सितंबर को जबकि पुरुष वर्ग का खिताबी मुकाबला तीन अक्टूबर को खेला जाएगा। पुरुष वर्ग में भारत के अलावा बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका को वरीयता दी गई है। महिला वर्ग में कुल आठ टीमों को वरीयता दी गई है, जिसमें भारत भी शामिल है।



चीन ने धोखेबाजी की सभी सीमाएं लांघी...! 45 मिनट छिपाया सच



तिब्बत में बाढ़, नेपाल में तबाही: चीन ने जानबूझकर कर नहीं दी 'चेतावनी'

- पहले भी कुछ इसी तरह का धोखा दे चुका है चीन
- तबाही पर चीन की लापरवाही पर उठे गंभीर सवाल
- नेपाली सुबह 8:15 बजे ही आ चुकी थी बाढ़
- 45 मिनट की देरी ने बढ़ाई भयंकर मुश्किलें
- नदियों के तटीय इलाकों में अलर्ट जारी

एजेंसी ▶▶| काठमांडू

चीन की ओर से समय पर आपदा संबंधी जानकारी साझा न करने के कारण नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्रों में एक बार फिर गंभीर संकट पैदा हो गया है। नेपाल के सूत्रों के अनुसार तिब्बत के केरुंग क्षेत्र में आई भीषण बाढ़ की चेतावनी नेपाल को 45 मिनट की देरी से मिली, जिससे रसुवा के टिमुरे क्षेत्र में स्थानीय लोगों को जान बचाने के लिए भागना पड़ा। द्विपक्षीय समन्वय के दावों के बीच चीन की इस बड़ी लापरवाही ने हिमालयी क्षेत्र में आपदा प्रबंधन और सीमा सुरक्षा प्रोटोकॉल पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। तिब्बत के केरुंग क्षेत्र में बाढ़ की सटीक समय-सीमा क्या थी? चीनी मीडिया सीआरआई ऑनलाइन नेटवर्क के अनुसार, तिब्बत के केरुंग काउंटी में चीनी समयानुसार सुबह 10:30 बजे अचानक बाढ़ देखी गई थी। चूंकि नेपाल और चीन के समय में 2 घंटे 15 मिनट का अंतर है, इसलिए नेपाली समयानुसार यह बाढ़ बुधवार सुबह 8:15 बजे ही आ चुकी थी। समय का यह अंतर सीमावर्ती क्षेत्रों में आपदा की पूर्व चेतावनी के लिए जीवन रक्षक साबित हो सकता था, लेकिन चीन की ओर से सूचना साझा न किए जाने के कारण नेपाल इसका लाभ नहीं उठा सका। उधर,नेपाली सरकारी एजेंसियों ने बुधवार दोपहर 1:35 बजे चीनी पक्ष से प्राप्त आंशिक सूचनाओं के आधार पर अलर्ट जारी किया। चीन की सीमा के भीतर जिस स्थान पर नदी का प्रवाह बाधित हुआ था, वहां बना कृत्रिम जलाशय या झील पूरी तरह से नहीं खुली है। इसलिए एक बार फिर बाढ़ आने का खतरा बना हुआ है। इसके कारण भोटेकोशी और त्रिशूली नदी के तटीय क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा लगातार बना हुआ है। प्रशासन ने निचले इलाकों में रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी है।



चीन ने तत्काल अधिकृत चेतावनी नहीं दी

चीनी मीडिया के अनुसार, तिब्बत के केरुंग में चीनी समयानुसार सुबह 10:30 बजे बाढ़ आई। नेपाल और चीन के समय में 2 घंटे 15 मिनट का अंतर होने के कारण, नेपाली समयानुसार यह घटना सुबह 8:15 बजे ही हो चुकी थी। चीन की ओर से कोई आधिकारिक चेतावनी जारी नहीं की गई। नेपाल को इसकी जानकारी करीब 45 मिनट देरी से सुबह 9:00 बजे तब मिली, जब रसुवा के प्रमुख जिला अधिकारी (सीडीओ) नरेंद्र परियार ने स्थानीय लोगों द्वारा पानी का प्रवाह देखे जाने की पुष्टि की। समय रहते सूचना मिलती तो नेपाल में राहत का काम पहले शुरू कर दिया जाता।

तीन अमेरिकी समेत 291 विदेशी लापता

नेपाल पर्यटन बोर्ड के मुताबिक, लापता 291 विदेशी नागरिक लापता हैं। इनमें 142 भारतीय, 17 मलेशियाई, 12 ब्रिटिश, 4 दक्षिण अफ्रीकी, 8 दक्षिण कोरियाई, 1 अमेरिकी, 1 ऑस्ट्रेलियाई और 1 डच नागरिक शामिल हैं। हालांकि, रिपोर्ट में एक जगह कम से कम 3 अमेरिकी नागरिकों के लापता होने की बात कही गई है।

चीन की लगातार दूसरी लापरवाही

यह लगातार दूसरा साल है जब चीन ने पूर्व सूचना न देकर नेपाल को मुश्किल में डाला है। पिछले वर्ष भी इसी नदी में हिमताल (ग्लेशियर लेक) फटने से आई बाढ़ के समय चीनी अधिकारियों ने नेपाल को सतर्क नहीं किया था।

आपातकालीन नंबर

काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने अचानक आई बाढ़ से प्रभावित भारतीय नागरिकों की सहायता और उनसे जुड़ी जानकारी के लिए आपातकालीन नंबर जारी किए हैं। नेपाल पर्यटन बोर्ड ने मदद के लिए टोल-फ्री आपातकालीन नंबर 1234, हॉटलाइन नंबर 1144 और पर्यटक पुलिस का नंबर भी जारी किया है।

मानसरोवर यात्रियों की तलाश

भारत से बड़ी संख्या में श्रद्धालु हर साल कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए नेपाल के रास्ते तिब्बत की ओर जाते हैं। इस बार बाढ़ के कारण बड़ी संख्या में यात्रियों के संपर्क से बाहर होने के बाद उनके परिवारों की चिंता बढ़ गई है। कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जाने वाले यात्रियों के लिए नेपाल का रसुवागढ़ी मार्ग अहम रास्ता है। बाढ़ के कारण नेपाल-चीन सीमा की ओर जाने वाली सड़क को भारी नुकसान पहुंचा है।

रसुवा में सबसे ज्यादा तबाही

रासुवा में सबसे ज्यादा तबाही हुई है। यह जिला काठमांडू से करीब 125 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में चीन के तिब्बत क्षेत्र की सीमा के पास स्थित है।बाढ़ ने रसुवा से नुवाकोट और धादिंग तक नदी किनारे के कई इलाकों को प्रभावित किया। करीब 40-42 किलोमीटर सड़क और कम से कम 19 पुलों को नुकसान पहुंचा है। करीब दर्जनभर बस्तियां भी प्रभावित हुई हैं। रसुवा जिले की आबादी करीब 50 हजार है।

जान बचाते भागते रहे लोग

समय पर आधिकारिक चेतावनी न मिलने के कारण नेपाल के टिमुरे क्षेत्र में सुरक्षात्मक कदम नहीं उठाए जा सके। इस विफलता के गंभीर परिणाम देखने को मिले। इससे जुड़े दिल दहलाने वाले वीडियो फुटेज में साफ दिख रहा है कि टिमुरे के स्थानीय निवासी जान बचाने के लिए भाग रहे थे और इसी दौरान कई लोग बाढ़ की तेज धाराओं में बह गए।

बिहार में हाई अलर्ट खोले गए गंडक बैराज के सभी 36 फाटक



एजेंसी ▶▶| पटना

बिहार सरकार ने पड़ोसी देश नेपाल के कई जिलों में बुधवार को अचानक आई बाढ़ के बाद गंडक नदी में जलप्रवाह बढ़ने की आशंका को देखते हुए पूरे तंत्र को हाई अलर्ट पर रखा है। स्थिति से निपटने के लिए वाल्मीकिनगर स्थित गंडक बैराज के सभी 36 फाटक खोल दिए गए। हालांकि, गंडक नदी में जलप्रवाह अब स्थिर हो गया है। जल संसाधन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, रात 11 से 12 बजे तक गंडक बैराज से 1,50,200 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है,जो बुधवार का सर्वाधिक जलप्रवाह है। अधिकारियों के अनुसार, अब नदी का जलस्तर और प्रवाह धीरे-धीरे कम होने की संभावना है। रात 11 बजे और रात 12 बजे तक जल प्रवाह स्थिर रहा। गंडक बैराज पश्चिम चंपारण जिले के वाल्मीकिनगर में स्थित है, जो बिहार का सबसे उत्तरी जिला है और नेपाल की सीमा से सटा हुआ है। बिहार के उपमुख्यमंत्री एवं जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी



ने बताया कि बुधवार दोपहर तक वाल्मीकिनगर गंडक बैराज से करीब 86 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया था और जलप्रवाह लगातार बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि एहतियाती कदम के तौर पर बैराज के सभी 36 फाटक खोल दिए गए हैं तथा अधीक्षण अभियंता के नेतृत्व में तकनीकी टीम तैनात की गई है। गंडक नदी के बेसिन में आने वाले सभी जिलों को भी अलर्ट कर दिया गया है।

तमिलनाडु के 37 पर्यटक, ईशा फाउंडेशन के 77 सदस्य लापता

मानसरोवर यात्रा के लिए नेपाल गए कई श्रद्धालुओं समेत 130 से अधिक भारतीय वहां अचानक आई बाढ़ से भारी तबाही मचने और प्रभावित इलाकों से संपर्क कटने के बाद से लापता हैं तथा कई अन्य भारतीय वहां फंसे हुए हैं। काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास और तमिलनाडु, केरलम, राजस्थान, उत्तर प्रदेश तथा ओडिशा समेत कई राज्यों ने प्रभावित भारतीयों और उनके परिजनों के लिए हेल्पलाइन शुरू की हैं। 'सम्राट टूर्स एंड ट्रैवल' एजेंसी ने बताया कि कम से कम 59 लोग कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए श्रद्धालु हैं।

मोदी बोले-मदद को तैयार



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को नेपाल के अपने समकक्ष बालेंद्र शाह से बात की और वहां बाढ़ से हुई जान-माल की क्षति पर संवेदना व्यक्त की। साथ ही, उन्होंने कहा कि भारत पड़ोसी देश को हरसंभव मानवीय सहायता देने के लिए तैयार है। मोदी ने यह भी कहा कि भारत के लोग इस कठिन समय में नेपाल के अपने भाइयों और बहनों के साथ एकजुटता से खड़े हैं। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह से बात की और नेपाल में बाढ़ से हुई जान-माल की क्षति पर संवेदना व्यक्त की। इस मुश्किल समय में भारत के लोग नेपाल के अपने भाइयों और बहनों के साथ एकजुटता से खड़े हैं। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत नेपाल को हरसंभव मानवीय सहायता देने के लिए तैयार है।

तटबंधों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश

सचिव ने बताया कि विभागीय अधिकारियों को संभावित आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी तैयारियां सुनिश्चित करने, लगातार निगरानी रखने, आवश्यक सामग्री का भंडारण करने तथा तटबंधों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, संवेदनशील क्षेत्रों में जिला प्रशासन लाउडस्पीकर और माइक्रोफोन के माध्यम से समय पर लोगों को सतर्क कर रहा है। अचानक बाढ़ (फ्लैश फ्लड) ऐसी बाढ़ होती है, जो बहुत कम समय में भारी बारिश, बादल फटने, पहाड़ी क्षेत्रों से तेज जलप्रवाह या बांध से अचानक पानी छोड़े जाने के कारण आती है।

शाह ने उप्र, बिहार के मुख्यमंत्रियों से बात की

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तर प्रदेश और बिहार के मुख्यमंत्रियों से बात कर दोनों राज्यों के निचले इलाकों में बाढ़ के खतरे को लेकर चर्चा की। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। केंद्र सरकार नेपाल में आई अचानक बाढ़ से उत्पन्न स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है। केन्द्रीय जल आयोग द्वारा जारी परामर्श के अनुसार, नेपाल-चीन सीमा के निकट अचानक आई बाढ़ के कारण नेपाल में भारतीय सीमा से लगभग 160 किमी दूर फुरके खोला में त्रिशूली नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया है। इस बाढ़ का असर भारत में गंडक नदी के निचले इलाकों में भी पड़ सकता है। आयोग ने कहा है कि नेपाल की ओर स्थित जलाशयों में जलस्तर कम हो रहा है और स्थिति नियंत्रण में है। मंत्रालय ने कहा कि घबराने जैसी कोई स्थिति पैदा नहीं हुई है।







हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com